वर्ष 69 ▸▸ अंक 132 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 09 फरवरी, 2026
▸▸ फाल्गुन कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जीवन का एकमात्र अर्थ मानवता की सेवा करना है।
–लियो टॉल्स्टॉय

ऑफ बीट

वैज्ञानिकों का दावा

इंसानी मल से कैंसर के इलाज की उम्मीद

कैंसर के इलाज को लेकर दुनिया भर में लगातार नए प्रयोग हो रहे हैं। इसी कड़ी में कनाडा के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा तरीका विकसित किया है, जिसे सुनकर लोग चौंक सकते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इंसानी मल से तैयार किए गए खास कैप्सूल कैंसर के इलाज में बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। इस तकनीक को वैज्ञानिक भाषा में फीकल माइक्रोबायोटा ट्रांसप्लांट कहा जा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, स्वस्थ इंसान के मल में मौजूद गुड बैक्टीरिया को अलग किया जाता है। इसके बाद मल को फ्रीज-ड्राई किया जाता है, यानी नमी हटाकर सुखाया जाता है। फिर इसे कैप्सूल या गोली के रूप में तैयार किया जाता है, ताकि मरीज इसे आसानी से निगल सकें। यह कैप्सूल दिखने में सामान्य दवा की तरह ही होता है, लेकिन इसके अंदर मौजूद सूक्ष्म जीव शरीर के इम्यून सिस्टम पर गहरा असर डालते हैं। कैप्सूल सीधे पेट और आंतों तक पहुंचता है और अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाता है।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज

स्कॉटलैंड बनाम इटली
समय : सुबह 11.00 बजे से

जिम्बाब्वे बनाम ओमान
समयः दोपहर 3.00 बजे से

दक्षिण अफ्रीका बनाम कनाडा
समयः शाम 7.00 बजे से

प्रसारणः जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

भारत-मलेशिया संबंधः सेमीकंडक्टर से डिजिटल पेमेंट और एआई तक रिश्तों को मिली नई रफ्तार

छह बड़ी डील पर मुहर, उभरती तकनीकों और भविष्य की अर्थव्यवस्था पर फोकस

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की मौजूदगी में भारत और मलेशिया के बीच छह अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। कुआलालंपुर में हुई इस उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक को दोनों देशों के रिश्तों में एक नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। इन समझौतों के जरिए व्यापार, डिजिटल भुगतान, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रक्षा, सुरक्षा, संस्कृति और जन-स्तरीय संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की दो दिवसीय मलेशिया यात्रा के दौरान हुई बातचीत में यह साफ दिखा कि दोनों देश पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर उभरती तकनीकों और भविष्य की अर्थव्यवस्था पर फोकस कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा भारत-मलेशिया की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम पड़ाव साबित हुई है। सेमीकंडक्टर और एआई जैसे क्षेत्रों में सहयोग को खास अहमियत दी गई है। वैश्विक सप्लाई चेन में सेमीकंडक्टर की रणनीतिक भूमिका को देखते हुए भारत और मलेशिया ने इस सेक्टर में मिलकर निवेश, रिसर्च और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने पर सहमति जताई है। माना जा रहा है कि इससे दोनों देशों को तकनीकी आत्मनिर्भरता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'लोगों के जीवन को सरल बनाने वाला कदम' बताया और कहा कि किसी भी साझेदारी की असली सफलता तभी मानी जाती है, जब उसका लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे। थिरुवल्लुर केंद्र का उद्देश्य महान तमिल कवि और दार्शनिक थिरुवल्लुवर की शिक्षाओं को बढ़ावा देना और भारत-मलेशिया के बीच सांस्कृतिक व जन-स्तरीय संबंधों को और गहरा करना है। वहीं शिक्षा क्षेत्र में न सिर्फ शैक्षणिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि स्वास्थ्य पर्यटन को भी नई दिशा मिल सकती है।

छह बड़ी डील करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम।

इन क्षेत्रों में हुईं बड़ी डील

यात्रा के दौरान जिन छह प्रमुख समझौतों और सहमति पत्रों (एमओयू) पर मुहर लगी, उनमें सुरक्षा सहयोग, सेमीकंडक्टर विकास, डिजिटल भुगतान, स्वास्थ्य एवं पारंपरिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन और भ्रष्टाचार-रोधी सहयोग शामिल हैं। इसके अलावा ऑडियो-विजुअल सह-निर्माण, व्यावसायिक शिक्षा और मलेशिया में काम कर रहे भारतीय श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े समझौते भी किए गए।

निवेश को मिलेगा बढ़ावा

10वें भारत-मलेशिया सीईओ फोरम की रिपोर्ट भी दोनों प्रधानमंत्रियों को सौंपी गई। इसमें व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के सुझाव दिए गए हैं। वर्ष 2025 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 18.59 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जिसे और बढ़ाने की काफी संभावनाएं बताई गई हैं। स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने पर भी सहमति बनी है, जिससे डॉलर पर निर्भरता कम होगी।

थिरुवल्लुवर केंद्र और नया वाणिज्य दूतावास

इस यात्रा के दौरान सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भी अहम घोषणाएं की गईं। प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशिया विश्वविद्यालय में थिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करने और थिरुवल्लुवर छात्रवृत्तियों की शुरुआत की घोषणा की।

- साथ ही भारत ने मलेशिया के कोटा किनाबालू में नया वाणिज्य दूतावास (कॉन्सुलेट) खोलने का फैसला किया है।
- स्वास्थ्य और पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। यूनिवर्सिटी ऑफ साइबरजया और आईटीआरए जामनगर के बीच हुए समझौते से आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में रिसर्च, शिक्षा और एक्सचेंज प्रोग्राम को बढ़ावा मिलेगा।
- दोनों देशों ने छात्रों के आदान-प्रदान, कौशल विकास और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने की बात कही है।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड नहीं: मोदी

संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर भारत का रुख साफ शब्दों में रखा। उन्होंने कहा, 'आतंकवाद के मामले में कोई दोहरा मापदंड नहीं हो सकता, कोई समझौता नहीं।' दोनों देशों ने आतंकवाद-रोधी कार्रवाई, खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। रक्षा सहयोग को भी अधिक व्यापक बनाने की बात कही गई।

सस्ते, सुरक्षित डिजिटल भुगतान का विकल्प

इसी तरह भारत और मलेशिया के बीच हुए समझौते के तहत डिजिटल अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए एनपीसीआई इंटरनेशनल (एनआईपीएल) और मलेशिया की पेनेट के बीच डिजिटल भुगतान सहयोग पर सहमति बनी है। इसके तहत भारत के यूपीआई सिस्टम को मलेशिया में जोड़ने की योजना है। इससे दोनों देशों के पर्यटकों, छात्रों और व्यापारियों को सस्ता, तेज और सुरक्षित डिजिटल भुगतान का विकल्प मिलेगा। रेमिटेंस और सीमा-पार लेनदेन भी आसान होंगे, जिससे पर्यटन और व्यापार को सीधा फायदा होने की उम्मीद है। हाल ही में यूरोपीय यूनियन से हुए मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ ट्रेड डील के बाद यह भारत का तीसरी बड़ी डील है।

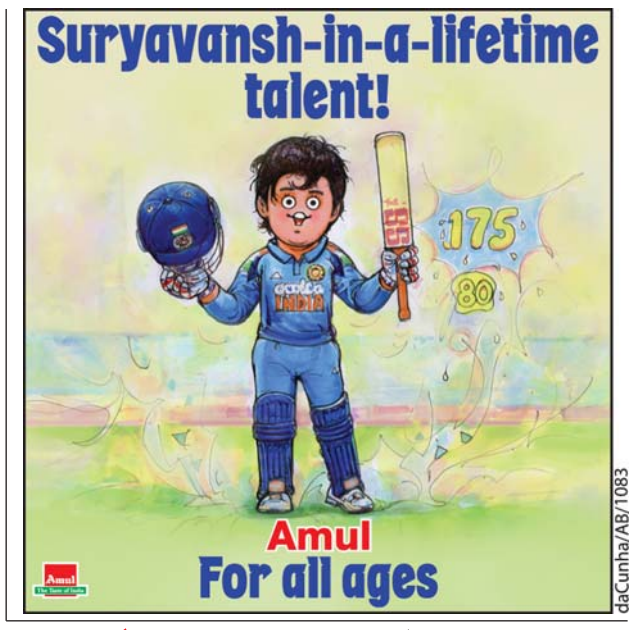

इंदौरः पत्थर से कुचल कर युवती की हत्या

लिव इन पार्टनर पर शक, पुलिस ने लिया हिरासत में

जागरण, इंदौर। लिव इन में रह रही इटारसी की एक युवती की उसके लिव इन पार्टनर ने ही पत्थर से कुचल कर हत्या कर दी। रविवार सुबह राहगीगरों को सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में युवती गंभीर हालत में मिली थी। राहगीरों ने देख उसे एमवाय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी लिव इन पार्टनर को हिरासत में ले लिया है।

युवती मूल रूप से इटारसी की निवासी है, लेकिन पिछले कई सालों से इंदौर में रह रही थी। फिर तीन पुलिया निवासी मुकेश कोरी 45 से पहचान होने के बाद 4-5 दिन पहले ही उसके साथ रहने आई थी। युवती का पूरा खर्च आरोपी मुकेश ही उठाता था। युवती के हाथों और शरीर पर कई टैटू बने हैं और शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान भी पाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम भी दोनों साथ थे। उन्होंने परदेशीपुरा से अवैध शराब

खरीदी और दोनों ने कॉलेज परिसर में बैठकर शराब पी। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया और शराब के नशे में आरोपी ने हत्या की नीयत से युवती के मुंह पर भारी पत्थर से वार कर दिए और मौके से फरार हो गया। युवती की मौत के बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल लिया। बताया जाता है कि आरोपी को शक था कि युवती का किसी अन्य युवक के साथ भी संबंध हैं। इसी बात को लेकर शराब पीने के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई। दोनों ही शराब के आदी बताए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

सेवा का भाव राष्ट्र निर्माण में देता है योगदानः परमार

विसं, भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के गौरव हैं। उनका अनुशासन और सेवा भाव समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की अपार क्षमता रखता है। परमार ने कहा कि शिक्षा के साथ सेवा का भाव युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सच्चा योगदानकर्ता बनाता है। परमार रविवार को भोपाल स्थित निवास कार्यालय पर, गणतंत्र दिवस परेड-2026 में मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले चयनित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों से भेंट कर सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने माय-भारत राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्रीय पुरस्कार 2022-23 से सम्मानित स्वयंसेवक सौमित दुबे एवं सुश्री आयुषी सिन्हा ने भी भेंट की।

हंडिया में 200 एमवीए का पावर ट्रांसफार्मर चालू

विसं भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने हरदा जिले के ट्रांसमिशन नेटवर्क को सुदृढ़ करते हुए अपने 220 केवी सबस्टेशन हंडिया में नया 200 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उसे ऊर्जीकृत किया है। इस परियोजना से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति और अधिक सुदृढ़, होगी। एम पी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश शांडिल्य ने जानकारी दी कि यह ट्रांसफार्मर पुराने 160 एमवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर के स्थान पर पुरानी फाउंडेशन पर ही अधिक क्षमता के नये 220/132/33 केवी,200 एम वी ए पावर ट्रांसफार्मर को स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। इस स्थापना के पश्चत सबस्टेशन की कुल क्षमता 480 एमवीए से बढ़कर 520 एमवीए हो गई है। 220 के वी सबस्टेशन में इस पावर ट्रांसफार्मर के उर्जीकृत होने से सबस्टेशन से जुड़े हरदा, खातेगांव, कन्नौद, सुल्तानपुर, गोपालपुर, नसरुल्लागंज, सतवास, फतेहाबाद क्षेत्र लाभान्वित होंगे।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील की केंद्रीय कृषि मंत्री ने गिनाईं खूबियां तो पीसीसी अध्यक्ष ने इसे किसान विरोधी बताया

ट्रेड डील सिर्फ व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक

डील डिप्लोमेसी डेवलमेंट और डिग्निटी का उत्तम उदाहरण

विशेष संवाददाता, भोपाल। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अमेरिकी ट्रेड डील से विपक्ष पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ गया है। अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। भोपाल स्थित अपने निवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि ट्रेड डील से भारत को नई दिशा मिलेगी। यह दुनिया के लिए भी स्पष्ट संदेश है कि भारत की नीति कमिटमेंट की है, कॉम्प्रोमाइज की नहीं। हम आत्मविश्वास के साथ देश के हित में निर्णय लेते हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर संतुलित और सकारात्मक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। चौहान ने कहा कि ये डील डिप्लोमेसी, डेवलमेंट और डिग्निटी का उत्तम उदाहरण है। भारतीय कृषि और किसानों को लेकर देश के मन में जो चिंताएं थी उनका इस ट्रेड डील में समाधान किया गया है। समझौता किसानों को पूरी तरह से सुरक्षित रखता है। इससे नए अवसरों के द्वार खुलेंगे,तो हमारे कृषि उत्पादों को वेश्विक बाजार में नए अवसर भी मिल सकेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि भारत में तरल, पाउडर और गाढ़ा दूध, क्रीम, दही, छाछ, मक्खन, घी मक्खन का तेल, पनीर, मट्ठा उत्पाद और चीज को भी प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में जिस तरह का विपक्षी दल हो हल्ला कर रहा है, उससे यह तय है कि इस ट्रेड डील से विपक्ष पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ चुका है।

सब्सिडी समर्थित सस्ता अमेरिकी माल भारत पहुंचेगा, जिसका किसान कैसे सामना करेंगे

सब्सिडी समर्थित सस्ता अमेरिकी माल भारत में करेगा प्रवेश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि अमेरिका के साथ केंद्र सरकार ने जो समझौता किया है, वह किसान विरोधी है। उन्होंने कहा कि सब्सिडी समर्थित सस्ता अमेरिकी माल भारत में प्रवेश करेगा, जो भारत के किसानों के लिए जोखिम भरा होगा। पीसीसी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने कहा कि भारत और अमेरिका की कृषि संरचना में असमानता है। अमेरिका में औसत जोत मात्र 400 से 450 एकड़ है, जबकि भारत में औसत जोत 2 से 2.5 एकड़ है। अमेरिका में लगभग 1-2 प्रतिशत आबादी खेती करती है, जबकि भारत में बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। ऐसी असमान संरचना में खुली प्रतिस्पर्धा भारतीय किसानों के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। यदि नॉन -टैरिफ बैरियर कम किए जाते हैं या बाजार को चरणबद्ध तरीके से खोला जाता है, तो सब्सिडी-समर्थित सस्ता अमेरिकी माल भारतीय बाजार में प्रवेश करेगा, जिससे 2 एकड़ वाला भारतीय किसान 450 एकड़ वाले सब्सिडी संरक्षित अमेरिकी किसान से कैसे प्रतिस्पर्धा करेगा। पटवारी ने कहा कि देश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय कृषि संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता थी। उस दौर में कृषि उत्पादों पर औसत आयात शुल्क 30 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक तथा डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक रखा गया था, ताकि विदेशी डंपिंग से भारतीय किसानों को बचाया जा सके।

बिना रेरा नंबर नहीं होगी मकानों की रजिस्ट्री

सरकार ने अवैध कालोनियों पर नकेल कसने के लिए लिया बड़ा फैसला

राज्य के दूसरे बड़े शहरों में भी खुलेंगे रेरा के सब कार्यालय

विशेष संवाददाता, भोपाल। मप्र में अब कोई भी बिल्डर या डेवलपर तब तक ग्राहकों को प्लॉट या मकान नहीं बेच सकेगा, जब तक वह रेरा में पजीकृत नहीं होगा। अब रजिस्ट्री तभी संभव हो सकेगी, जब बिक्रय अनुबंध पर रेरा पंजीयन का नंबर लिखा होगा। गौरतलब है कि राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश से ऐसी शिकायतें आती रही है कि कई बिल्डर या डेवलपरों द्वारा बिना रेरा पंजीयन के बाद कालोनी काटी जा रही है। उनके द्वारा प्लॉट या मकान बनाकर बेचे जा रहे हैं।

इससे ये निर्माण पूरी तरह से अवैध कालोनी का स्वरूप लेते जा रहे हैं। इसके बाद खरीदारों को कई तरह की सुविधाएं नहीं मिलने से परेशानी हो रही है। ऐसे कई उदाहरण या मामले सामने आए हैं कि बिल्डर या डेवलपर मनमर्जी से कागजों में कॉलोनी बेचकर गायब हो जाते हैं। प्रदेशभर में ऐसी कॉलोनियां विकसित की जा चुकी है, जहां पर तमाम असुविधाएं हैं और रहवासियों को शासन-प्रशासन के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कई स्थानों पर ऐसी स्थिति की वजह से विवाद भी उत्पन्न हो रहा है। उल्लेखनीय है कि रेरा द्वारा बिल्डर या डेलवपर को साफ तौर पर कहा जाता है कि जहां कॉलोनी विकसित की जा रही है, वहां पर सड़क, पानी, बिजली जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इस पर सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए साफ कर दिया है कि रेरा पंजीकरण के बिना किसी भी प्लॉट या आवास की रजिस्ट्री नहीं की जाएगी।

जानकारों की मानें तो इस संबंध में पंजीयन विभाग को भी निर्देशित कर दिया गया है। दरअसल पिछले 5 सालों के रिकार्डो पर नजर डाला जाए तो रेरा में पंजीयन के लिए 6,323 आवेदन किए गए,जिस पर रेरा ने 3,398 आवेदन स्वीकार कर उन्हें पंजीकृत कर दिया,यानि कि लगभग आधे आवेदन रेरा ने अपनी शर्त मंजूर नहीं होने पर अस्वीकृत कर दिए। इसके बाद भी निर्माण कार्यो में किसी भी तरह की कमी नहीं आई है। पंजीयन विभाग से साफ तौर पर कहा गया कि अगर एंग्रीमेंट में रेरा नंबर नहीं है, तो उपपंजीयक रजिस्ट्री करने से मना कर दें। जानकारों का कहना है कि इस नए नियम से जहां बिल्डर नियम विरुद्ध कॉलोनी, मकान या प्लॉट नहीं बेच पाएंगे। इससे अवैध कालोनी काटने वाले बिल्डरों पर भी नकेल कसेगी, तो खरीददारों को भी राहत मिलेगी और वे फर्जीवाड़े या अपने साथ होने वाली धोखाधड़ी से भी बच जाएंगे। रेरा कानून में पहले से ही ऐसे मामलों में भारी जुर्माना से लेकर जेल तक की सजा का प्रावधान उल्लेखित है। लेकिन कई जगह ऐसे मामले सामने आने से पहले से कथित बिल्डर या डेवलपर उनके खिलाफ एक्शन होने से पहले ही गायब हो जाते है। इस नए कानून से अब रजिस्ट्री के समय रेरा नंबर की जांच हो जाएगी और खरीददारों को भी उनका हक मिल सकेगा। रेरा के विशेष सचिव राजेश बहगुणा का कहना है कि एक्ट उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। ऐसे में उपभोक्ताओं को भी जागरुक रहना पड़ेगा और उन्हें बिना रेरा पंजीयन वाली कोई भी किसी भी तरह की संपत्ति खरीदने बचना होगा। नया नियम घर या प्लॉट खरीदने वालों के लिए जहां सुरक्षा कवच बनेगा,तो रियल एस्टेट बाजार में भी पारदर्शिता,भरोसा और जवाबदेही भी मजबूत होगी।

काफी समय से दफ्तर खोलने हो रही थी मांग

सरकार राज्य भर में अवैध कालोनियों या प्लॉट बिक्री पर रोक लगाने के लिए रेरा के दफ्तर भोपाल से बाहर बड़े शहरों में भी खोलने की तैयारी में है। जानकारों की मानें तो ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में रेरा के सब ऑफिस खोले जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सरकार के पास ये मांग काफी समय से लंबित है,अब सरकार इस पर विचार कर रही है।

एसआईआर कार्य में लगे निगम के 150 कर्मचारियों को नहीं मिला वेतन

फील्ड वर्क के कारण कर्मचारी नहीं लगा सके ई-अटेंडेंस

जागरण संवाददाता, भोपाल। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में लगे नगर निगम भोपाल के 150 से ज्यादा कर्मचारियों को जनवरी का वेतन नहीं मिल सका है। नतीजतन यह सभी कर्मचारी वेतन के लिए परेशान हो रहे हैं। नगर निगम भोपाल के 150 कर्मचारी जनवरी में एसआईआर कार्य कर रहे थे। नगर निगम के नियमों के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी को हर माह का वेतन प्राप्त करने के लिए ई-अटेंडेंस के जरिए हाजिरी लगानी पड़ती है, लेकिन एसआईआर कार्य में होने से इन कर्मचारियों की उपस्थिति एसडीएम कार्यालय से दी जाती है।

इन कर्मचारियों के वेतन के लिए एसडीएम कार्यालय से हाजिरी बनाकर नगर निगम की जीएडी शाखा को भेजा जाता है, लेकिन जीएडी शाखा ने ई-अटेंडेंस न होने पर इन कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है, जिससे कर्मचारी सैलरी पाने के लिए भटक रहे हैं। बता दें कि शासन द्वारा कर्मचारियों को 1 तारीख को वेतन भुगतान करने के स्थाई आदेश जारी किए गए हैं। इसके बाद भी कर्मचारियों को कई बार समय पर वेतन भुगतान नहीं हो पाता है। इन सभी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान समय पर करने के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उत्तर विधानसभा द्वारा जारी दिशा निर्देशों के बाद भी कर्मचारियों का वेतन जारी नहीं किया गया है। कर्मचारियों ने बताया कि इस संबंध में जब उन्होंने नगर निगम की जीएडी शाखा के बाबुओं से संपर्क किया तो पता चला कि कर्मचारियों ने ई-अटेंडेंस नहीं लगाई है। इस कारण अधिकारियों के कहने पर ही वेतन रोका गया है। जबकि दूसरी ओर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय की ओर से विभिन्न विधानसभाओं में कार्यरत कर्मचारियों की हाजिरी बनाकर जीएडी शाखा में पहुंचाई गई है। इसके बाद भी वेतन रोका गया है। जिसके कारण कर्मचारियों को मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

समितियों के गठन के आधार पर अध्यक्षों के कार्यों का मूल्यांकन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में कांग्रेस अब पंचायत और वार्ड स्तर पर संगठन की मजबूती के आधार पर अपने जिला अध्यक्षों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करेगी। इसके लिए सभी जिलाध्यक्षों को निर्धारित समय सीमा पर हर वार्ड और पंचायत स्तर की कमेटियों का गठन करना होगा। यह निर्देश रविवार को पीसीसी में भोपाल संभाग की पार्टी बैठक में दिए गए। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी सहित दूसरे वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में संगठनात्मक बैठक हुई। संभागवार होने वाली यह बैठकें लगातार आहुत की जाएंगी। पहली बैठक भोपाल जिला संगठन की हुई, जिसमें भोपाल शहर जिलाध्यक्ष प्रवीन सक्सेना और ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनोखेलाल पटेल सहित दूसरे पदाधिकारी मौजूद रहे। जानकारों की मानें तो बैठक में प्रदेश प्रभारी चौधरी ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर समितियों का गठन करने के निर्देश दिए। इसके लिए प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने विस्तृत कार्ययोजना को लेकर पदाधिकारियों से सीधे संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता हर घर तक पहुंचना चाहिए। समितियों का गठन करने के दौरान महिलाओं और युवाओं की भागेदारी पर विशेष ध्यान देना होगा। लोगों को कांग्रेस की विचारधारा और राष्ट्र प्रथम की भावनाओं से अवगत कराना होगा,जिससे वे पार्टी की विचारधारा को अंगीकार कर सके।

पार्टी की वास्तविक ताकत उसका जमीनी संगठन

पटवारी ने कहा कि पार्टी की वास्तविक ताकत उसका जमीनी संगठन है। ग्राम और वार्ड स्तर पर मजबूत समितियां ही संगठन को मजबूती देंगी और आम जनता की आवाज को प्रभावी रुप से आगे बढ़ाने का कार्य करेगी। उन्होंने जिलाध्यक्षों एवं ब्लॉक अध्यक्षों से कहा कि उन्हें संगठनात्मक जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वाहन करना है। वे सक्रियता और समर्पण के साथ पार्टी को मजबूत बनाने की दिशा में काम करें। बैठक में प्रदेश प्रभारी चौधरी ने कहा कि अब हमें पूरी तरह से संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में काम करना होगा। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में काम करेंगे और लोगों को भाजपा और उसकी सरकार की हकीकत से अवगत कराएंगे। इस मौके पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त,प्रदेश उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले भी मौजूद रहे।

यूकेलिप्टस और विलायती बबूल की लकड़ी के परिवहन में नहीं होगी परेशानी

जागरण संवाददाता, भोपाल। नीलगिरी या यूकेलिप्टस, सुबबूल, विलायती बबूल के साथ कैसूरिना और पोपलर की लकड़ी का परिवहन करते समय आम लोगों को परेशानी नहीं होगी। इस संबंध में वन विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना के तहत प्रदेशभर में इन पांचों पेड़ों की लकड़ी का परिवहन करते समय वृक्ष मालिक को ट्रांसपोर्ट परमिट की आवश्यकता नहीं होगी। दरअसल यह सभी पेड़ आक्रामक प्रजातियों में गिने जाते हैं और ये भूजल को तेजी से खत्म कर जमीन को बंजर बना देते हैं। ऐसे में इन प्रजातियों को खत्म करने के लिए वन विभाग द्वारा ट्रांसपोर्ट परमिट के नियमों को शिथिल किया जा रहा है। हालांकि इन प्रजातियों के अलावा अन्य पेड़ों की लकड़ी का परिवहन करते समय अब भी ट्रांसपोर्ट परमिट की आवश्यकता होगी। वन विभाग के अनुसार मध्य प्रदेश के अधिसूचित वन क्षेत्र में इन पेड़ों की संख्या नगण्य है। अब राजस्व क्षेत्र में भी इन्हें सीमित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत नियमों को शिथिल किया जा रहा है, जिसके तहत यदि राजस्व भूमि या निजी भूमि पर यह पेड़ हैं, तो इन्हें काटा जा सके और इनकी लकड़ी के परिवहन के समय व्यक्ति विशेष को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

900 से अधिक नई ग्राम सभाओं का गठन

प्रशासनिक बाधाओं से मुक्त रखें ग्राम सभाओं को: पटेल

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में पेसा एक्ट के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में 900 से अधिक नई ग्राम सभाओं का गठन हुआ है। ग्राम सभाओं में 11 हजार से ज्यादा प्रकरणों का चौपालों के माध्यमों से समाधान किया गया है। इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा विभागीय अधिकारियों को लक्ष्य भी दिए गए है। यह जानकारी रविवार को राज्य स्तरीय सूचना, शिक्षा एवं संचार प्रशिक्षण सह कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने दी। पटेल भोपाल के बरखेड़ी कलां स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र में दो दिवसीय कार्यशाला का समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि खनन पट्टों, लघु वनोपज के संग्रहण तथा ग्राम स्तर की शांति व्यवस्था जैसे विषयों पर ग्राम सभा की भूमिका सर्वोपरि है। पेसा अधिनियम मात्र एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के स्वाभिमान, परंपराओं और अधिकारों की संवैधानिक पुनर्स्थापना का सशक्त माध्यम है। जल-जंगल-जमीन अब केवल नारा नहीं, बल्कि शासन की नीतियों और जमीनी क्रियान्वयन के माध्यम से ठोस वास्तविकता बन चुका है। पटेल ने बताया कि पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश आज महाराष्ट्र के बाद पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। मंत्री पटेल ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल फाइलों की गति से नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले परिवर्तन से आंकी जानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ग्राम सभाओं को प्रशासनिक बाधाओं से मुक्त रखें तथा जिला एवं विकासखंड समन्वयक केवल प्रतिवेदन तक सीमित न रहकर ग्राम सभाओं को जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएं। कलेक्टर्स को जिला स्तर पर तथा एसडीओ (राजस्व) को अनुविभाग स्तर पर नियमित पाक्षिक समीक्षा सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

ग्राम सभाओं को सीधे मिलेगी राशि

मंत्री पटेल ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में ग्राम सभाओं को सीधे वित्तीय राशि हस्तांतरित करने की तैयारी की जा रही है, जिससे स्थानीय स्वशासन की अवधारणा को और अधिक बल मिलेगा। उन्होंने तकनीकी दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से सचिवों एवं मोबिलाइजरों को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के प्रभावी उपयोग के लिये प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए

गड़बड़ी स्टाफ की कमी से बंद होने के कगार पर स्टेट गैरेज, मंत्रियों और अफसरों की सुधरती हैं कारें

सरकारी वाहन सुधारने वाला स्टेट गैरेज खस्ताहाल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के मंत्रियों और आला अफसरों की चमचमाती गाड़ियों की रिपेयरिंग और मेंटेनेंस करने वाले स्टेट गैरेज खुद धक्का लगाकर चल रहा है। गृह विभाग के अधीन आने वाला सरकारी गैराज स्टाफ की भारी कमी और सालों से भर्तियां न होने के कारण लगभग बंद होने की कगार पर पहुंच गया है। स्टेट गैरेज के सेटअप पर नजर डालें तो यहां कुल स्वीकृत 222 पदों में से 109 पद खाली हैं। आलम यह है कि अधीक्षक, स्टोर ऑफिसर, लेखाधिकारी और मुख्य लिपिक जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद खाली हैं और फिलहाल प्रभारियों के हवाले हैं। तकनीकी अमले की बात करें तो फिटर, मैकेनिक और इलेक्ट्रिशियन जैसे पदों पर भी सालों से नई नियुक्ति नहीं हुई है।

यह है रिक्त पदों का गणित

तकनीकी स्टाफ की बात करें तो फिटर के 8 में से 6 पद खाली हैं, जबकि इलेक्ट्रिशियन और टर्नर के सभी रेगुलर पद रिक्त पड़े हैं। इसके अलावा नियमित वाहन चालकों के 64 में से 30 पद खाली हैं,इसके अलावा संविदा वाहन चालकों के भी 87 में से 44 पद रिक्त हैं। स्टेट गैरेज में स्टाफ की कमी का सीधा फायदा निजी गैरेज और कंपनियों को मिल रहा है। पहले जहां वाहनों की छोटी-मोटी रिपेयरिंग और मेंटेनेंस यहीं हो जाया करती थी, अब वह काम सीधे निजी हाथों में चला गया है। इसके कारण सरकार को हर साल वाहनों के रखरखाव पर करोड़ों रुपए की भारी-भरकम राशि निजी कंपनियों को भुगतान करनी पड़ रही है। भर्ती न होने के कारण वर्कशॉप में काम करने वाले हेड मिस्त्री और फोरमेन जैसे पद भी खाली हैं। एक कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर आरोप लगाया कि विभाग के आला अफसर जानबूझकर स्टेट गेरेज को बंद करना चाहते हैं। इस मामले पर विभाग के आला अफसरों ने भी कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

ये है पदों का लेखा-जोखा

पदनाम	कुल पद	कार्यरत	रिक्त
अधीक्षक	1	0	1
स्टोर ऑफिसर	1	0	1
लेखाधिकारी	1	0	1
मुख्य लिपिक	1	0	1
स्टोर कीपर	1	0	1
सहायक वर्ग2	2	0	2
सहायक वर्ग-3,	9	6	3
फोरमेन		1	01
हेड मिस्त्री	1	0	1
फिटर		8	26
सहायक मैकेनिक	3	1	2
विद्युतकार	2	0	2
टर्नर		1	01
अपहोल्स्टर	1	0	1
वेल्डर कम लोहार	1	0	1
चौकीदार (कांटी.)	3	2	1
क्लीनर (नियमित)	19	13	6
क्लीनर (कांटी.)	5	5	0
टाइम कीपर,	1	1	0
पेट्रोल इश्यूअर	4	3	1
भृत्य,	2	1	1
स्वीपर	1	1	0
डिस्पैच राइडर	2	1	1
नियमित वाहन चालक	64	34	30
कांटी. वाहन चालक	87	43	44
योग	222	113	109

उठावना

श्रीमती स्वर्णा रानी नंदा जी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूज्य माता जी
श्रीमती स्वर्णा रानी नंदा जी (पत्नी स्व. श्रीराम नंदा जी)
का बैकुंठवास दिनांक 06 फरवरी 2026 को हो गया है।
जिनका उठावना दिनांक 09 फरवरी 2026 (सोमवार) को
समयः सायं 4:00 बजे से 5:00 बजे।
स्थानः इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, मिसरोद पर रखा गया है।

शोकाकुल
अश्वनी नंदा, अशोक नंदा (चेयरमैन-इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, मिसरोद)
अनिल नंदा (पुत्र), आलोक नंदा एवं पुष्कर नंदा (पौत्र)
एवं समस्त परिवारजन
8461000000, 9303131823

media soul

वर्ष 69 ▸▸ अंक 132 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 09 फरवरी, 2026
▸▸ फाल्गुन कृष्ण पक्ष 08, विक्रम संवत् 2082
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जिज्ञासा, साहस से भी अधिक मजबूती से डर पर विजय पा लेती है।
-जेम्स स्टीफेंस

संक्षिप्त खबरें

खुले गड्ढे में मौत का मामला
सौरभ भारद्वाज समेत कई आप नेता गिरफ्तार

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के जनकपुरी इलाके में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदे गए खुले गड्ढे में गिरकर 25 वर्षीय कमल ध्यानी की मौत के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस घटना के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने रविवार शाम प्रदर्शन किया। इसी दौरान दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज समेत कई आप नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भारद्वाज ने एक्स पर आरोप लगाया कि हादसे के बाद छह थानों में एफआईआर दर्ज नहीं की गई। उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को हटाने की मांग की और कहा कि यह हादसा नहीं, बल्कि 'मर्डर' है। पुलिस ने इस मामले में सब-कॉन्ट्रैक्टर और एक मजदूर को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी है। वहीं, दिल्ली सरकार ने घटना को गंभीर मानते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं।

पादरियों के मंदिर प्रवेश संबंधी याचिका खारिज

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। केरल हाईकोर्ट ने हिंदू मंदिर में दो ईसाई पादरियों के प्रवेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कानून और नियमों की व्याख्या इस तरह नहीं की जानी चाहिए, जिससे विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच वैमनस्य या असहमति फैले। साथ ही हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि वह यह विचार करे कि मंदिरों में गैर-हिंदुओं के प्रवेश को प्रतिबंधित करने वाले नियम को मौजूदा रूप में रखा जाए या उसमें संशोधन किया जाए। यह मामला अदूर स्थित श्री पार्थसारथी मंदिर से जुड़ा है, जो राज्य-संचालित त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के अधीन आता है। एक श्रद्धालु सनील नारायणन नाम्पूथिरी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मंदिर प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि वर्ष 2023 में मंदिर के निमंत्रण पर दो ईसाई पादरियों को मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई, जो कानून के खिलाफ है।

कानूनों की व्याख्या ऐसे न की जाए कि समुदायों में वैमनस्य फैले

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र की 6 योजनाओं में वास्तविक खर्च बजट अनुमान का 10 प्रतिशत से भी कम रहा

9 महीनों में बड़ी योजनाओं पर खर्च महज 40% के आसपास

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और बजट खर्च को लेकर एक अहम तस्वीर सामने आई है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में सरकार ने बड़ी योजनाओं पर बजट का महज 40 प्रतिशत से थोड़ा अधिक खर्च किया है।

संकेत हैं कि वित्त वर्ष के अंत तक भी इन योजनाओं में कुल खर्च 75 प्रतिशत से कम रह सकता है। यह जानकारी बजट दस्तावेजों और संशोधित अनुमानों के विश्लेषण से सामने आई है। इस विश्लेषण में वे 53 प्रमुख योजनाएं हैं, जिनका बजट अनुमान वर्ष 2025-26 में 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक था। इनमें से अधिकांश योजनाएं ऐसी हैं, जिन्हें केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर तयशुदा हिस्सेदारी के आधार पर लागू करती हैं। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि जमीन पर खर्च की रफ्तार, घोषणाओं और वादों की तुलना में काफी धीमी रही है। हालांकि मनरेगा, छात्रवृत्ति ओर प्राकृतिक खेती पर खर्च 100 फीसदी से ज्यादा रहा है।

3 योजनाओं में पूरा, 3 में ज्यादा खर्च

- पूरे बजट के बराबर खर्च (आरई=बीई) सिर्फ तीन योजनाओं में हुआ। इनमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से जुड़ी कुछ इंफ्रास्ट्रक्चर मेंटेनेंस योजनाएं, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना और अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना शामिल हैं।
- तीन योजनाएं ऐसी भी रहीं, जिनमें खर्च बजट अनुमान से 100 प्रतिशत से ज्यादा रहा। इनमें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), अनुसूचित जनजाति छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप, प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन शामिल हैं।

कुल बजट और खर्च का हाल

इन 53 योजनाओं के लिए सरकार ने कुल मिलाकर 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट अनुमान रखा था। हालांकि बाद में इसे घटाकर 3.8 लाख करोड़ रुपये से कम का संशोधित अनुमान किया गया, जो मूल बजट का करीब 74.4 प्रतिशत है। 9 महीनों यानी 31 दिसंबर तक सरकार ने इन योजनाओं पर 2 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक खर्च किया, जो बजट अनुमान का 41.2 प्रतिशत और संशोधित अनुमान का 55.4 प्रतिशत है।

बड़ी योजनाएं, बेहद कम खर्च

- **जल जीवन मिशनः** 67,000 करोड़ रुपये के बजट अनुमान के मुकाबले 9 महीनों में खर्च बेहद सीमित रहा।
- **पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडियाः** 7,500 करोड़ रुपये के बजट के मुकाबले खर्च 500 करोड़ रुपये से भी कम रहा।
- **प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजनाः** 2,140 करोड़ रुपये के बजट के सामने खर्च बेहद मामूली रहा।

कृषि सिंचाई योजना को बड़ा झटका

47 योजनाओं में संशोधित अनुमान, बजट अनुमान से कम रहे। सबसे बड़ा झटका प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) को लगा। इस योजना के लिए जहां बजट अनुमान 850 करोड़ रुपये था, वहीं संशोधित अनुमान घटकर महज 150 करोड़ रुपये रह गया, यानी बजट का लगभग छठा हिस्सा। इसके अलावा कई योजनाओं में संशोधित अनुमान बजट के 40 प्रतिशत से भी कम हैं। इनमें जल जीवन मिशन/राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल मिशन, पीएम ई-बस सेवा, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, पीएम किसान सिंचाई योजना का कमांड एरिया डेवलपमेंट हिस्सा, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का कंप्यूटरीकरण, पीएम आवास योजना (शहरी) के कुछ घटक शामिल हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि 6 योजनाओं में वास्तविक खर्च बजट अनुमान के 10 प्रतिशत से भी कम रहा।

राज्यों की भागीदारी और प्रशासनिक तैयारी पर उठे हैं सवाल

बजट खर्च पर विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति महज बजट प्रबंधन पर नहीं, बल्कि योजनाओं के क्रियान्वयन, राज्यों की भागीदारी और प्रशासनिक तैयारियों पर भी सवाल खड़ा करती है। बड़े-बड़े ऐलान और भारी बजट आवंटन के बावजूद, अगर जमीन पर खर्च नहीं हो रहा, तो योजनाओं का लाभ आम लोगों तक समय पर नहीं पहुंच पाएगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्यों की भूमिका प्रभावित हुई है। कुल मिलाकर, यह तस्वीर दिखाती है कि सरकार की कई प्रमुख योजनाओं में वादे बड़े हैं, लेकिन खर्च की रफ्तार धीमी, जिससे नीति और अमल के बीच की खाई एक बार फिर उजागर होती है।

शहडोलः सीएम ने जनजातीय हितग्राही सम्मेलन में कीं कई घोषणाएं

जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण सरकार की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में है। सरकार किसानों की आय बढ़ाने और युवाओं के लिए रोजगार सृजित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। प्रदेश का विकास तेजी से हो, इसे लेकर रणनीति के तहत सरकार योजनाएं बनाकर काम कर रही है।

सीएम रविवार को शहडोल जिले के गंधिया स्थित सीतामढ़ी धाम में आयोजित जनजातीय हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोल समाज की कुल देवी शबरी मैया हम सबके लिए सदैव आराध्य हैं। प्रदेश में पीएम जन-मन योजना के अंतर्गत 98 करोड़ 30 लाख रुपए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 401.56 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया जा चुका है। हमारी सरकार ने जनजातीय समाज के नायकों की गौरव गाथाओं को शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है।

इससे पहले सीएम ने धनपुरी में कहा कि सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की पहचान है। माता बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित है इसीलिए लाड़ली बहना योजना सहित महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। लखपति दीदी योजना, लखपति ड्रोन दीदी योजना, रजिस्ट्री में माता-बहनों को 2 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। लोकसभा-विधानसभा में भी बहनों को आरक्षण मिलने वाला है। केंद्र हो या राज्य सरकार युवा, गरीब, किसान और महिलाओं का कल्याण सर्वोपरि है। मध्यप्रदेश कृषि हो या उद्योग सभी क्षेत्रों में लगातार प्रगति कर रहा है।

धार्मिक पर्यटन केंद्र बनेगा सीतामढ़ी धाम

मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी धाम को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने तथा वन्य जीव पर्यटन गतिविधियों के विकास-विस्तार के लिए क्षेत्रीय संजय डूबरी टाइगर रिजर्व का एक गेट ब्यौहारी की तरफ भी खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में महुआ और कटहल बहुतायत से होता है। इसीलिए इन दोनों से बनने वाली औषधियों एवं अन्य उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में उद्योग, रोजगार एवं निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री ने यहां एक औद्योगिक विकास केंद्र भी खोला जाएगा।

महिला को घर में बंधक बनाकर दिनदहाड़े लूटा

- नाबालिग समेत दोनों आरोपी गिरफ्तार, नौकरानी का बेटा है आरोपी
- चाकू की नोक पर 12 मिनट में नकदी 1.68 लाख समेत आईफोन छीनकर भागे
- हत्या के प्रयास के मामले में जेल से जनवरी में छूटा था आरोपी, लोन चुकाने के लिए की वारदात

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। खनिज विभाग की महिला कर्मचारी को दिनदहाड़े घर में बंधक बनाकर लूटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। नौकरानी के बेटे ने महिला के हाथ-पैर बांधकर चाकू की नोक पर घर में रखी 1.68 लाख नकदी और आईफोन समेत दो मोबाइल लूट लिए। इस पूरी वारदात को महज 12 मिनट में अंजाम देकर आरोपी भाग निकले। आरोपी ने महिला को धमकाया कि यदि पुलिस के पास गईं, तो तुम्हारे पिता को मार दूंगा।

आरोपी हत्या के प्रयास के मामले में जनवरी में जेल से जमानत पर रिहा हुआ है। पीड़िता की रिपोर्ट पर टीटीनगर पुलिस ने नाबालिग समेत दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे लूट के 1.68 लाख रुपए और एक मोबाइल बरामद किया है। आईफोन उन्होंने तोड़ दिया। मुख्य आरोपी को जेल भेजा है, जबकि नाबालिग को बाल संप्रेषण गृह भेज दिया है। टीटीनगर थाना प्रभारी गौरव दोहर ने बताया कि 28 वर्षीय अर्चना वर्मा माता मंदिर के पास रहती हैं। वह खनिज विभाग में असिस्टेंट ग्रेड-3 हैं। अर्चना ने हाउस कीपिंग के लिए मेड काजल रायकवार को रखा है। काजल का बेटा आशीष भी अर्चना के घर आता रहता है। उसी ने अपने नाबालिग मौसेरे भाई के साथ वारदात की।

लूट के सामान के साथ आरोपी।

डायल-112 पर किया कॉल

अर्चना बीमार चल रही हैं। शनिवार को अर्चना घर में अकेली थीं। दोपहर करीब तीन बजे आशीष, अपने 15 साल के नाबालिग मौसेरे भाई के साथ पहुंचा। दोनों अर्चना के गले पर चाकू रखा। मौसेरे भाई ने रस्सी से हाथ-पैर बांध दिए। गला रेतने की धमकी दी। आशीष ने पूछा कैश कहां रखा है। अर्चना ने अलमारी की ओर इशारा किया। इसके बाद आरोपियों ने 1.68 लाख रुपए और आईफोन समेत दो मोबाइल छीन लिए। घटना के बाद अर्चना काफी घबरा गई। उन्होंने डायल-112 को कॉल कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने अर्चना की रिपोर्ट पर पुलिस ने तुरंत आशीष के घर पर दबिश दी। देर रात दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि समूह लोन भरने के लिए लूट की वारदात की थी।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में बोले भागवत

... तो छोड़ दूंगा पद, कोई भी हिंदू बन सकता है संघ प्रमुख

मुंबई, जेएनएन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि संघ उनसे पद छोड़ने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है। जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वही सरसंघचालक (संघ प्रमुख) बनता है। भागवत मुंबई में आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रममें बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया गया तो इससे पुरस्कार की गरिमा और बढ़ेगी।

- समान नागरिक संहिता सभी को विश्वास में लेकर बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढ़ने चाहिए।
- उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा।
- घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है।
- आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है।

अनिरुद्धाचार्य के कार्यक्रम में भीड़ बेकाबू

रेलिंग टूटी; 2 महिलाएं बेहोश, कई लोग घायल

रक्सौल (पू. चंपारण), जेएनएन। बिहार के रक्सौल में रविवार को अनिरुद्धाचार्य की श्रीमद्भागवत कथा के दौरान भीड़ प्रबंधन में भारी चूक सामने आई। हवाई अड्डा परिसर में चल रहे कथा महायज्ञ में कथावाचक के मंच पर पहुंचते ही श्रद्धालुओं की भीड़ बेकाबू हो गई। हजारों लोग एक साथ पंडाल में प्रवेश करने लगे, जिससे मुख्य गेट की रेलिंग टूट गई और अफरातफरी मच गई। भीड़ के दबाव में कई श्रद्धालु गिर पड़े और चोटिल हो गए। इस दौरान दो महिलाएं बेहोश हो गईं, जबकि कई बच्चे अपने परिजनों से बिछड़ गए। पुलिस ने भीड़ को पीछे हटाकर रास्ता खाली कराया और हालात काबू में किए। घटना के बाद श्रद्धालुओं में आयोजन समिति की वीआईपी व्यवस्था को लेकर गहरा रोष देखा गया।

फिक्की सर्वे 51 फीसदी अधिकारियों को कारोबार पर असर की चिंता

साइबर हमले कंपनियों पर सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की कंपनियों के सामने साइबर सुरक्षा अब सबसे बड़ा जोखिम बनकर उभरी है। फिक्की-ईवाई जोखिम सर्वे 2026 के मुताबिक, देश की 51 प्रतिशत शीर्ष नेतृत्व टीमों ने साइबर सुरक्षा उल्लंघन और साइबर हमलों को अपने संगठनों के प्रदर्शन के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। यह सर्वे रविवार को जारी किया गया, जिसमें अलग-अलग सेक्टर के वरिष्ठ निर्णयकर्ताओं की राय शामिल है। बढ़ता डिजिटलीकरण, डेटा पर निर्भरता और ऑनलाइन सिस्टम के विस्तार के साथ साइबर हमलों का जोखिम भी बढ़ गया है। कंपनियों को न केवल वित्तीय नुकसान का डर है, बल्कि ब्रांड की साख और ग्राहकों के भरोसे पर पड़ने वाले असर को लेकर भी गंभीर चिंता है।

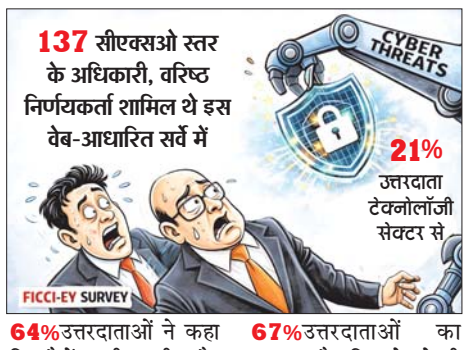

64% उत्तरदाताओं ने कहा कि टैलेंट की कमी और स्किल गैप कंपनी के प्रदर्शन को कर सकते हैं प्रभावित।

67% उत्तरदाताओं का मानना है कि रेगुलेटरी बदलावों से निपटने के लिए पहले से तैयारी जरूरी है।

59% ने बताया कमजोर सक्सेशन प्लानिंग को कारोबारी स्थिरता के लिए खतरा

तकनीकी जोखिम सीधे बिजनेस निरंतरता से जुड़े

रिपोर्ट के मुताबिक, 61 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि तेज तकनीकी बदलाव और डिजिटल डिसरप्शन उनकी प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। उतने ही यानी 61 प्रतिशत लोगों ने साइबर अटैक और डेटा ब्रीच को बड़े वित्तीय और प्रतिष्ठागत जोखिम के रूप में देखा।

सर्वे में शामिल 57 प्रतिशत वरिष्ठ अधिकारियों ने संभावित डेटा चोरी और अंदरुनी धोखाधड़ी को गंभीर जोखिम बताया। वहीं 47 प्रतिशत ने स्वीकार किया कि लगातार जटिल होते जा रहे साइबर खतरों से निपटना उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई कंपनियां अभी भी पारंपरिक सुरक्षा ढांचे पर निर्भर हैं, जो आधुनिक साइबर हमलों के सामने कमजोर साबित हो रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

जैन समाज ने मनाया सुपार्श्वनाथ व चंद्रप्रभु का ज्ञान-मोक्ष कल्याणक

जागरण, भोपाल। चंदन नगर जैन समाज द्वारा रविवार को जैन धर्म के सातवें तीर्थंकर श्री 1008 सुपार्श्वनाथ भगवान एवं आठवें तीर्थंकर श्री 1008 चंद्रप्रभु भगवान के ज्ञान व मोक्ष कल्याणक दिवस अति श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाए गए। इस अवसर पर जैन मंदिर में निवार्ण लाडू, श्रीफल अर्पण सहित विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। समाज के श्रद्धालु रातीबड़ के पास स्थित समसगढ़ अतिशय क्षेत्र पहुंचे, जहां अति प्राचीन श्री 1008 शांतिनाथ भगवान का महाअभिषेक एवं शांतिधारा की गई। शांतिधारा करने का सौभाग्य महेंद्र कुमार एवं नितिन जैन वस्त्रालय परिवार को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात विधान, चालीसा पाठ, 1008 बार ध्यानपूर्वक जाप एवं महाआरती संपन्न हुई। कार्यक्रम में राजेश जैन, अरविंद सिंघई, राकेश सिंघई, इंद्रेश जैन सहित अनेक श्रद्धालु, महिला मंडल एवं पाठशाला के बच्चे उपस्थित रहे। सभी के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था भी की गई।

संघ के शताब्दी वर्ष पर सुभाष नगर में जन गोष्ठी का आयोजन

जागरण, भोपाल। राजधानी के सुभाष नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण जन गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की बड़ी भागीदारी रही। कार्यक्रम में प्रांत संघ चालक अशोक पांडे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के पूजन से हुई। पांडे ने अपने संबोधन में संघ के 100 वर्षों के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य केवल राष्ट्रभक्ति जागृत करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़कर सशक्त सामाजिक ताना-बाना तैयार करना है। उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वावलंबन और नागरिक कर्तव्यों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने युवाओं से संघ के मार्गदर्शन में राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने संघ के आदर्शों को अपनाने और समाज व देश की सेवा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और वंदे मातरम् के साथ हुआ।

एससी/एसटी एक्ट के दुरुपयोग के विरोध में हस्ताक्षर अभियान

जागरण, भोपाल। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में 1 फरवरी से 20 फरवरी तक पूरे देश में एक करोड़ हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया है, जिसे भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा जाएगा। इस संबंध में महासभा पदाधिकारियों की बैठक इंदौर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में हुई, जिसमें एससी/एसटी एक्ट के कथित दुरुपयोग पर रोक लगाने और भर्ती व शिक्षा में जातिगत आरक्षण के स्थान पर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग पर सहमति बनी। राष्ट्रीय अध्यक्ष राज बहादुर सिंह राणा ने बताया कि यह आंदोलन पूरी तरह सामाजिक है और किसी राजनीतिक दल से प्रेरित नहीं है। संगठन मंत्री अंजनी सिंह चौहान ने कहा कि वर्तमान आरक्षण व्यवस्था की विसंगतियों के कारण कई पेशेवर पाठ्यक्रमों से सवर्ण समाज के लोग वंचित हो रहे हैं, जिससे समाज और देश पिछड़ रहा है। पत्रकार वार्ता में विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मान 2026 समारोह में एस्ट्रो पूजा सम्मानित

जागरण, भोपाल। जीवन वैभव अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजक हेमचंद पांडे के नेतृत्व में दीप प्रज्वलन एवं मां वीणा वादिनी के वंदन के साथ हुआ। समारोह में विश्व प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य आचार्य एके दुबे पद्मेश (लखनऊ), मोहनभाई पटेल (अहमदाबाद) सहित अनेक विद्वान उपस्थित रहे। सम्मेलन में व्याकरण माला के अंतर्गत आठ प्रमुख सत्र आयोजित किए गए। चौथा सत्र ऋषि भारद्वाज को समर्पित रहा, जिसमें एस्ट्रो पूजा नितेश दुबे ने अंक शास्त्र विषय पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया। उन्होंने अंक शास्त्र के सिद्धांतों एवं उनके फलित का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति पर संस्था द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के बाद पूजा नितेश दुबे के इष्ट मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाइयां दीं।

जागरूकता रथ हुए रवाना

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को बाल विवाह मुक्ति रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। सेंट्रल फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्ति रथ 100 दिवसीय अभियान के तहत प्रदेश भर का भ्रमण करेंगे। मंत्री ने कहा कि अभियान समाज में जागरूकता बढ़ाने और बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि बच्चों को सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त भविष्य प्रदान करें। आइए, मिलकर बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प को साकार करें।

भोपाल से हटेगा माल गोदाम, मंडीदीप के इटायां में बनेगा नया लॉजिस्टिक पार्क

बजट राशि में किया गया प्रावधान, गोदाम हटने से हो सकेगा भोपाल स्टेशन का विस्तार

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन के पास बना माल गोदाम बहुत जल्द यहां से हटाया जाएगा। इसके हटने से स्टेशन के विस्तार का रास्ता साफ हो जाएगा। भोपाल को सीधे निशातपुरा स्टेशन से जोड़ने की जो योजना है, रेलवे प्रशासन उस पर तेजी से काम कर सकेगा। इसी के साथ भोपाल स्टेशन के पास से हटने वाले माल गोदाम को मंडीदीप के पास इटायाकलां में स्थापित किया जाएगा। यहां रेलवे द्वारा करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से नया लॉजिस्टिक पार्क विकसित किया जा रहा है, जिसमें माल गोदाम को जगह दी जाएगी। रेलवे ने इन दोनों प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है।

माल गोदाम हटने से यह फायदा

वर्तमान में मौजूद माल गोदाम भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के बीना छोर पर बना है। यह निशातपुरा और भोपाल स्टेशन के बीच का हिस्सा है। इस गोदाम में ज्यादातर सीमेंट व गेहूं का लदान आता है। माल भाड़ा के आने व जाने के कारण यहां ट्रांसपोर्टेशन से जुड़ी कई प्रकार की गतिविधियां होती हैं। कई ट्रक और कंटेनर यहां लंबी लंबी लाइन लगाकर खड़े रहते हैं। इससे भानपुर व छोला की सड़क से जुड़े यातायात को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं मालगाड़ियों के रैक भी अनावश्यक रूप से खड़े रहते हैं। इससे भोपाल स्टेशन का रेलवे यातायात भी प्रभावित होता है। माल गोदाम के यहां से हटने पर भोपाल स्टेशन को उक्त दोनों समस्याओं से निजात मिल जाएगी। माल गोदाम हटने के बाद भोपाल को सीधे तौर पर निशातपुरा स्टेशन से जोड़ दिया जाएगा। जिसका सीधा फायदा लाखों यात्रियों को होगा।

मंडीदीप में बढ़ेंगी आर्थिक गतिविधियां: भोपाल के नजदीक विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक पार्क बनने से मंडीदीप में आर्थिक गतिविधियां बढ़ जाएंगी। इसके निर्माण पर 100 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके बनने से गोविंदपुरा और मंडीदीप स्थित उद्योगों के उत्पाद आसानी से देश के विभिन्न स्थानों पर पहुंच सकेंगे। ये लॉजिस्टिक पार्क मंडीदीप से 10 किमी दूर नेशनल हाईवे 46 (भोपाल-नर्मदापुरम् रोड) से सिर्फ 500 मीटर अंदर इटायाकलां में बनेगा। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया का कहना है कि अभी मंडीदीप में स्थान की कमी की वजह से रेक लगने में समस्या होती है। इस कारण मंडीदीप के एक्सटेंशन के रूप में इटायाकलां का चयन किया गया है। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि जल्द यहां पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। 2026 के मध्य तक इसका निर्माण पूरा होगा।

लॉजिस्टिक पार्क में होंगी यह खूबियां

- लॉजिस्टिक पार्क 4 मंजिला ग्रीन बिल्डिंग के रूप में होगा। इसमें सोलर हाइब्रिड पॉवर, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के साथ डी-कार्बोनाइजेशन की व्यवस्था रहेगी। इसके ऑफिस कॉम्प्लेक्स में रेलवे का स्पेसिफिक ऑफिस एरिया भी बनाया जाएगा।
- यहां रैक लगने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होगी। साथ ही सामान की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए इंटरनेशनल स्तर की अत्याधुनिक सुविधाएं और प्रक्रिया अपनाई जाएंगी।
- इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रॉनिक मोशन ब्रिज का निर्माण होगा। सामान आसानी से लोड हो सकेगा। कैंटीन भी होगी।
- मोबाइल कन्वीयर बेल्ट सिस्टम रहेगा। स्कॉडा सिस्टम के माध्यम से कम्युनिकेशन सहित वेस्ट वॉटर मैनेजमेंट सिस्टम को कंट्रोल किया जाएगा।

34 एकड़ में बनेगा, क्षमता होगी 11 लाख टन

इटायाकलां में बनने वाले इस पार्क से हर माह करीब 90 हजार टन व सालभर में 11 लाख टन माल की लोडिंग की जा सकेगी। इसे करीब 34 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। वर्तमान में मंडीदीप में मौजूद गुड्स शेड 5 एकड़ जमीन पर बना है और हर माह 50 हजार टन और सालभर में 6 लाख टन माल की लोडिंग ही होती है।

अधिकृत रूप से कजलीखेड़ा चौकी घोषित, अब बनेगा थाना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस रिकार्ड में दर्ज कजलीखेड़ा सहातया केंद्र रविवार को अधिकृत रूप से कजलीखेड़ा चौकी घोषित किया गया। अब जल्द ही कजलीखेड़ा थाना बनेगा। राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट को लागू हुए चार साल बाद थाना कजलीखेड़ा बनने जा रहा है। यह थाना एक साल पूर्व स्वीकृत हो गया था। लेकिन, अलग-अलग कारणों से इसके शुरु होने का मामला अटकता रहा। रविवार को नवागत पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कोलार थाने और उसके अंतर्गत आने वाले कजलीखेड़ा का निरीक्षण किया। जहां वास्तविकता से परिचय होकर जल्द ही इसे थाना बनाने के निर्देश दिए। जानकारी के मुताबिक, कोलार रोड थाने की कई कॉलोनियों को काटने के बाद कजलीखेड़ा थाना बनाया गया है। इसे तेरह सदस्यीय महिला स्टाफ पुलिस चौकी के रूप में घोषित कर दिया गया है। वर्तमान में इसके प्रभारी एसआई केशांत शर्मा हैं। उनका आदेश आधिकारिक रूप से जारी नहीं हैं। इससे पहले यहां के प्रभारी संतोष रघुवंशी थे, जिन्हें वहां से हटा दिया गया है। इससे पहले थाने की कॉलोनी और सीमांकन का विवाद आने के कारण कजलीखेड़ा थाने का रूप नहीं ले पाया था। थाना कोलार रोड का करीब 45 फीसदी हिस्सा कजलीखेड़ा थाने में आ रहा है। दो दिन पहले डीसीपी जोन-4 मयूर खंडेलवाल ने यहां का निरीक्षण किया था।

पुलिस कमिश्नर ने किया कोलार थाने और कजलीखेड़ा का निरीक्षण

आनंद नगर फ्लाईओवर के निर्माण में अड़चन हटाने में लगेंगे 2-3 दिन

जागरण संवाददाता, भोपाल। आनंद नगर फ्लाईओवर के निर्माण में अड़चन बन रहीं दुकानों को भले ही प्रशासन ने हटा दिया हो, लेकिन अन्य बाधाओं को हटाने में प्रशासन को करीब दो से तीन दिन का समय और लग जाएगा। रविवार को अवकाश के कारण कार्रवाई बंद रही। हालांकि इस दौरान नगर निगम द्वारा वार्ड कार्यालय की दूसरी जगह शिफ्ट कर लिया गया है। दूसरी ओर पुलिस चौकी और मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित प्रतिमाओं को दूसरे स्थान पर विराजित करने का काम भी चल रहा है। प्रतिमाओं की दूसरी जगह प्राण प्रतिष्ठा होते ही प्रशासन द्वारा यहां बुलडोजर की कार्रवाई कर बाधाओं को हटा दिया जाएगा। पुलिस द्वारा भी पुलिस चौकी की शिफ्टिंग का काम किया जा रहा है। गोविंदपुरा एसडीएम भुवन गुप्ता ने बताया कि आनंद नगर तिराहे पर दुकानों को तोड़ने की कार्रवाई पूरी हो चुकी है। 95 प्रतिशत कार्रवाई हो चुकी है। बाकी का कार्य अगले दो से तीन दिन में पूरा कर लिया जाएगा।

हबीबगंज की सब्जी मंडी में कब्जाधारियों का वर्चस्व

आवंटी व्यापारियों को किया बाहर, एक व्यापारी की दुकान छीनने की कोशिश

नगर संवाददाता, भोपाल। भेल क्षेत्र की हबीबगंज सब्जी मंडी में इन दिनों कब्जाधारियों का बोलबाला है। यहां मूल आवंटियों को बेदखल कर यह कब्जाधारी धड़ल्ले से कारोबार कर रहे हैं। इस मामले में अभी तक भेल प्रशासन की ओर से भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जानकारी अनुसार हबीबगंज की सब्जी मंडी में वर्ष 2013 में भेल के संपदा विभाग ने कुल 13 दुकानों का आवंटन किया था। इसमें दुकान नंबर 4 अफजल खान और दुकान नंबर 6 राजा कुरैशी को आवंटित की गई थी। लेकिन इन दोनों दुकानों पर अब नसीम पहलवान नाम के व्यक्ति का कब्जा है और वही अब यहां कारोबार कर रहा है। अवैध रूप से व्यापार करने के साथ साथ नसीम अब यहां अन्य व्यापारियों को भी धमका रहा है, ताकि यह दुकान नंबर 4 व 6 पर अवैध रूप से कब्जा कर व्यापार करने वाले नसीम पहलवान की प्रताड़ना से तंग आकर दुकान नंबर 5 के आवंटी व्यापारी जुबैर कुरैशी ने भेल प्रशासन की शरण ली है। जुबैर ने भेल के संपदा विभाग में एक आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसमें उसे लिखा है कि नसीम पहलवान व उसके परिजन उसे आए दिन प्रताड़ित कर रहे हैं, उसे हर दिन व्यापार करने में मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। नसीम द्वारा जुबैर पर दबाव बनाया जा रहा है कि वह दुकान नंबर 5 को बेच दे और यहां से भाग जाए। इसी बात को लेकर पिछले दिनों दोनों पक्षों के बीच झगड़ा भी हुआ है, जिसकी एफआईआर गोविंदपुरा पुलिस थाने में दर्ज की गई है।

दुकानदार अपनी दुकान उसके हवाले कर मंडी से बाहर हो जाएं। इसको लेकर कई बार नसीम पहलवान व उसके परिजनों द्वारा कई बार झगड़ा भी किया जा चुका है।

बीच वाला दुकानदार पहुंचा भेल के पास

नसीम कर रहा किसानों व व्यापारियों के साथ दुर्व्यवहार

हबीबगंज सब्जी मंडी में भेल प्रशासन द्वारा जिन 13 व्यापारियों को दुकानें आवंटित की गई हैं, उन्हें एक निश्चित क्षेत्रफल में व्यापार करने की मंजूरी है। लेकिन नसीम पहलवान द्वारा दुकान नंबर 4 व 6 पर अवैध रुप से कब्जा कर व्यापार किया जा रहा है और इन दुकानों के आस पास अन्य दुकानों की जगह पर भी वह कब्जा जमा चुका है। हर दिन होने वाली नीलामी के दौरान वह किसानों व मंडी में अपनी उपज लाने वाले व्यापारियों के साथ भी दुर्व्यवहार करता है। इससे मंडी के अन्य लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

कब्जाधारी का बेटा बोला, हमारे रिश्तेदार हैं

जब इस मामले में नसीम पहलवान से बात करना चाही तो उसके बेटे हाजी कुरैशी ने अपना पक्ष रहा। हाजी कुरैशी ने कहा कि दुकानें उसके रिश्तेदार की हैं, जिन्होंने अब कारोबार बंद कर दिया है। जब उनसे पूछा गया कि आपको आवंटन नहीं हुआ है तो वह उस पर कोई जवाब नहीं दे सका। जबकि भेल प्रशासन का नियम है कि जिस व्यापारी को दुकान का आवंटन हुआ है वही इस पर कारोबार कर सकता है। किसी ओर व्यापारी को दुकान किराए पर देने या उसे बेचने को अधिकार किसी को नहीं है।

> हमारे संज्ञान में यह मामला आया है। हम चाहते हैं कि सभी व्यापारी आपस में मिल जुल काम करें। मैं इस मामले में यूनियन की बैठक कर हल निकालूंगा।
>
> ■ **हाजी नवाब,** अध्यक्ष हबीबगंज सब्जी मंडी यूनियन

होली खेलें मशाने में... शिव महापुराण का भव्य समापन

भोपाल के साईं बाबा नगर में चल रही शिवमहापुराण कथा का भूतों की होली के साथ समापन हो गया। इस दौरान मणिकर्णिका घाट के तर्ज पर मसान की होली के साथ फागोत्सव मनाया गया। आचार्य शशांक ने महाकाल के इस होली में अपने भजनों से आनंद भर दिया।श्रोताओं ने भी जमकर नृत्य करते हुए भजनों का आनंद लिया।

यूजीसी फैसलों के विरोध में भोपाल में क्षत्रिय करणी सेना का मशाल जुलूस

यूजीसी निर्णयों से सामाजिक संतुलन बिगड़ने का आरोप

भोपाल। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) से जुड़े हालिया फैसलों के विरोध में रविवार शाम राजधानी भोपाल में क्षत्रिय करणी सेना द्वारा मशाल जुलूस निकाला गया। यह जुलूस भारत माता चौराहा से प्रारंभ होकर राजभवन तक जाना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से पुलिस ने इसे मार्ग में ही रोक दिया। इसके बाद राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के लिए संगठन के केवल पांच प्रतिनिधियों को राजभवन जाने की अनुमति दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर यूजीसी के निर्णयों के प्रति समाज की आपत्तियां दर्ज कराईं। इस अवसर पर क्षत्रिय करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा ने यूजीसी के हालिया निर्णयों को काला कानून बताते हुए उन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि ये फैसले छात्र हितों के खिलाफ हैं और समाज में असंतुलन पैदा कर सकते हैं।प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष एवं भोपाल जिला अध्यक्ष आशु सिंह ने बताया कि मशाल जुलूस का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष इंदल सिंह राणा एवं प्रदेश महिला अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने किया। उन्होंने बताया कि भोपाल सहित आसपास के जिलों से सैकड़ों करणी सैनिक शामिल हुए। सवर्ण समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने भी प्रदर्शन में भाग लिया।

लोकतांत्रिक तरीके से विरोध रहेगा जारी

आशु सिंह ने कहा कि यूजीसी के कुछ हालिया निर्णयों को लेकर समाज में गहरी नाराजगी है, क्योंकि इनसे छात्र हितों के साथ-साथ सामाजिक संतुलन भी प्रभावित हो सकता है। इसी असंतोष को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से शासन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मशाल जुलूस का आयोजन किया गया। करणी सेना ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो भविष्य में भी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन जारी रखा जाएगा।

शिविर भोपाल केंद्रीय जेल में दिगंबर जैन महासभा का आध्यात्मिक शिविर

केंद्रीय जेल में गूंजा प्रायश्चित से प्रगति का संदेश

जागरण, भोपाल। राजधानी की केंद्रीय जेल में दिगंबर जैन महासभा द्वारा आध्यात्मिक शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों के भीतर आत्म-सुधार, प्रायश्चित और सकारात्मक वन परिवर्तन की भावना जागृत करना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से पुनः जोड़ने का संदेश देना रहा। कार्यक्रम के दौरान पूरा जेल परिसर भक्ति, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत दिखाई दिया। शिविर में उपाध्याय मुनि विशोक सागर महाराज ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरक प्रवचनों के माध्यम से बंदियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जेल केवल सजा काटने का स्थान नहीं है, बल्कि यह आत्म-परिवर्तन और आत्म-निर्माण की एक महत्वपूर्ण कार्यशाला है। मुनि ने 'प्रायश्चित से प्रगति' का मंत्र देते हुए बंदियों को प्रेरित किया कि वे अपने अतीत की गलतियों से सीख लेकर भविष्य में संयमित, नैतिक और सकारात्मक वन की ओर अग्रसर हों। उन्होंने बताया कि आत्मचिंतन, पश्चाताप और सदाचार के मार्ग पर चलकर हर व्यक्ति अपने वन को नई दिशा दे सकता है। कार्यक्रम के समापन पर मुनि संघ के सान्निध्य में सैकड़ों बंदियों ने हाथ उठाकर यह संकल्प लिया कि वे भविष्य में किसी भी प्रकार के अनैतिक, असामाजिक और हिंसक कार्यों से दूर रहेंगे तथा समाज में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में वन व्यतीत करेंगे। इस मानवीय और सामाजिक पहल में प्रशासनिक अधिकारियों का भी पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम में एसडीएम आदित्य जैन, जेल अधीक्षक राकेश भांगरे, जेलर एमएस मारावी एवं मुवेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। महासभा की ओर से हरीश चंद्रा, संतोष जैन, शैलेंद्र जैन, दीपेश टेलर, उज्जवल जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। दिगंबर जैन महासभा द्वारा किया गया यह अनूठा आध्यात्मिक प्रयास राजधानी भोपाल में चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसे प्रशासन, समाज और जनमानस द्वारा सराहना प्राप्त हो रही है।

बंदियों में शांति, धैर्य और आत्मबल का संचार

इस अवसर पर श्रवण मुनि विनीबोध सागर महाराज की मंगलमय उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी आध्यात्मिक बना दिया। उनके आशीर्वचनों से बंदियों में शांति, धैर्य और आत्मबल का संचार हुआ। महासभा के अध्यक्ष संजय जैन मुंगावली ने अपने भावपूर्ण संबोधन में बंदियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि महासभा उन्हें अपराधी के रूप में नहीं, बल्कि समाज के उस भविष्य के रूप में देखती है जो बाहर आकर राष्ट्र और समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि जेल की दीवारें शरीर को कैद कर सकती हैं, लेकिन आत्मा, विचार और संकल्प को नहीं। उनके प्रेरक शब्दों से अनेक बंदी भावुक हो उठे।

मां ने चूहे मारने के लिए भभूत में मिलाकर रखा था जहर, बेटी की मौत

जागरण,भोपाल। ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में परिजनों की लपरवाही से छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय वैष्णवी सेन पिता मनोज लांबाखेड़ा की रहने वाली थी। वह 12 वीं की छात्रा थी। उसके पिता मजदूरी करते हैं। जबकि मां गृहणी है। 26 जनवरी को घर के मंदिर में पूजा कर रही थी। इस दौरान वहां पर रखा प्रसाद और भभूत खा लिया। इसके बाद वह कोचिंग चली गई। शाम को वापस लौटने पर उसके पेट में तेज दर्द होने लगा। बेटी की तबीयत बिगड़ता देख परिजनों ने उससे पूछा तो उसने भभूत खाने की बात कही। मां ने कहा कि भाभूत में चूहा मारने की दवाई रखी थी। बाद में हालत ज्यादा खराब होने पर परिजनों तुरंत उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां रविवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दैनिक जागरण
भोपाल, 09 फरवरी 2026

राजधानी जागरण

05

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 27.4°c न्यूनतम 11.0°c
राजधानी में सर्दी का मौसम खत्म हो रहा है। तापमान बढ़ने की संभावना है

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

नाट्य समारोह
- **समय:** शाम 7:00 बजे से
- **स्थान:** रंगश्री लिटिल बैले ट्रुप, भोपाल
- **आयोजक:** रंग महिमा थिएटर समिति
- **प्रस्तुति:** पीएल देशपांडे लिखित नाटक विट्ठल आला रे का मंचन (निर्देशन: अनूप शर्मा)। यह एक मराठी रूपांतरित हास्य नाटक है।

ओरिएंटेशन एवं एम्पॉवरमेंट सेशन
- **समय:** दोपहर 3:00 बजे से
- **स्थान:** गणेश शंकर विद्यार्थी ऑडिटोरियम
- **आयोजक:** रेखी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर द साइंस ऑफ हैप्पीनेस
- **विशेषज्ञ:** रेखी फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सतिंदर सिंह रेखी, डॉ. श्रीहरि कृष्णा और डॉ. रितु पांडेय शर्मा।

कला प्रदर्शनी
- **समय:** दोपहर 2:00 बजे से
- **स्थान:** भारत भवन, भोपाल
- **आयोजक:** भारत भवन
- **आयोजन:** मप्र में पहली बार चौंसठ योगिनी पर आधारित विशेष कला प्रदर्शनी।

चित्र प्रदर्शनी 'उद्भव'
- **समय:** शाम 6:00 बजे
- **स्थान:** आलियांस फ्रांसेज दे भोपाल, बी-75 शाहपुरा
- **आयोजक:** आलियांस फ्रांसेज दे भोपाल
- **आयोजन:** चित्रकार पंचाल की एकल प्रदर्शनी का शुभारंभ। इसमें भारतीय ज्योतिष और जन्म कुंडली के प्रतीकों को समकालीन कला से कैनवास पर उतारा गया है।

रिटायर्ड कोल माइंस अधिकारी से 72 लाख की ठगी

मोतीलाल ओसवाल कंपनी का वेंचर बताकर की ठगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छत्तीसगढ़ कोल माइंस से रिटायर्ड इंजीनियर के साथ 72 लाख की आनलाइन ठगी सामने आई है। मोतीलाल ओसवाल कंपनी का वेंचर बताकर उनसे ठगी की गई। शेयर मार्केट में निवेश करवाकर जालसाजों ने रकम ऐंठ ली। उनके वर्चुअल खाते में 3 करोड़ दिखने लगे जब पीड़ित ने यह रकम निकालना चाही तो असलियत सामने आई। इस संबंध में उन्होंने ई-जीरो एफआईआर की थी। बाद में हबीबगंज थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी की असल कायमी की। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जालसाजों ने उनसे आधा दर्जन से ज्यादा बैंक खातों में रकम जमा कराई है। एक दर्जन मोबाइल नंबर से बात की गई। पुलिस के मुताबिक, अभय शरद मोहगांवकर (63) पिता शरद मोहगांवकर ई-वन अरेरा कालोनी में रहते हैं। वह छत्तीसगढ़ स्थित एक कोल माइंस में इंजीनियर के पद से रिटायर्ड हैं। अभय दिसंबर 2025 में फेसबुक चला रहे थे। तभी सुजलोन एनर्जी का विज्ञापन डिस्प्ले हुआ। जिसके बाद सिया वर्मा नाम की युवती ने उनसे संपर्क किया। सिया ने बताया कि यह कंपनी मोतीलाल ओसवाल से संबद्ध कंपनी है। जिसकी निगरानी स्वयं रामदेव अग्रवाल करते हैं। इसके बाद उन्हें वाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। इसके बाद एपीके फाइल डाउनलोड करवाई गई। जिसमें पुल अप स्टॉक, ब्लॉक ट्रेडिंग और आईपीओ में मुनाफा दिलाने का झांसा देकर निवेश कराया गया। अभय को उनके वर्चुअल खाते में भारी मुनाफा दिखाया गया।

30 लाख रुपए का और निवेश करने को बोला

जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में उन्हें खाते में तीन करोड़ रुपए, 41 लाख रुपए का लाभ दिखाया गया। इससे पहले यह मुनाफा कमाने के लिए उन्होंने 72.26 लाख रुपए का निवेश आरोपियों के बताए खातों में जमा कराया गया। इस दौरान उनसे बातचीत करने वाले आरोपियों ने अपना नाम मानिक और सिया वर्मा बताया था। उन्होंने खाते से 30 लाख रुपए निकालना चाहा तो उनसे बोला गया कि यह तभी संभव है जब वे पूरी तरह से शेयर खरीदेंगे। इसके लिए 72 लाख रुपए का निवेश करना होगा। उन्होंने बताया कि यह रकम में से 30 लाख रुपए उधार लेकर जमा किए हैं तो आरोपी अपनी चैट मिटाने लगे। इसके बाद उन्हें शक हुआ तो आरोपियों ने सारे नंबर ब्लॉक कर लिए। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने इसकी शिकायत की।

डिजिटल अरेस्ट: टेरर फंडिंग का डर दिखाकर युवक से तीन दिन में डेढ़ लाख रुपए ऐंठे, एनआईए का अधिकारी बनकर झाड़ा रौब

पुलिस लिखी स्कोर्पियो दिखाई, पुलिस ने खाता होल्ड करवाकर पीड़ित को मुक्त कराया

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में डिजिटल अरेस्ट का मामला सामने आया है। जालसाजों ने एनआईए का अधिकारी बनकर रौब झाड़ा। टेरर फंडिंग के नाम पर युवक से तीन दिन में डेढ़ लाख रुपए ऐंठ लिए। गिरफ्तारी और एनकाउंटर का डर दिखाकर वारदात को अंजाम दिया। विश्वास दिलाने के लिए वीडियो कॉल पर पुलिस लिखी स्कोर्पियो दिखाई।

मामले की शिकायत मिलते ही पुलिस ने संबंधित खातों को होल्ड कराया और पीड़ित को आरोपियों के चंगुल से मुक्त कराया। एसीपी अक्षय चौधरी ने बताया कि 45 वर्षीय राजकुमार चौहान छोला मंदिर इलाके में रहता है। वह निजी काम करता है। तीन दिन पहले उसके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को एनआईए का अधिकारी बताया और कहा कि उसके खाते में टेरर (आतंकी) फंडिंग की गई है। यह सुनकर पीड़ित घबरा गया। जालसाजों ने तस्दीक के नाम पर उसे वीडियो कॉल पर आने को कहा। वीडियो कॉल पर आते ही बदमाशों ने पुलिस लिखी स्कोर्पियो दिखाई। नंबर बंद करने या फरार होने की कोशिश करने पर एनकाउंटर की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित उनके सवालों के जबाव देने लगा। उनसे स्वयं को निर्दोष बताया। जाल में फांसने के लिए जालसाजों ने कहा कि वह भला आदमी लगता है और उसे मामले से बाहर निकाल देंगे, लेकिन डिजिटल निगरानी में रहना होगा। पीड़ित ने हामी भर दी।

कई किश्तों में पैसे ट्रांसफर करवाए

शुक्रवार से रविवार सुबह तक पीड़ित उनकी निगरानी में रहा। इस बीच ठग अधिकारी बनकर उससे पूछताछ करते रहे। मामले को रफा-दफा करने के नाम पर कई किश्तों में उससे करीब डेढ़ लाख रुपए ट्रांसफर करवाए। रविवार को परिजन ने मामले की जानकारी छोला मंदिर थाने में दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित को आरोपियों के चंगुल से छुड़वाया। इसके बाद जिन खातों में पैसा गया, उन्हें होल्ड करवाया।

कोलार डैम के आसपास बढ़ा व्यावसायिक उपयोग, बिगड़ रही है पानी की गुणवत्ता

60 फीसदी आबादी को सप्लाई हो रहा कोलार का पानी, अतिक्रमण पर नहीं लग रही लगाम

जागरण संवाददाता, भोपाल। बड़े तालाब के बाद अब कोलार डैम के पानी की सेहत खराब हो रही है। यहां लगातार बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों के कारण डैम में प्रदूषण बढ़ रहा है। वर्तमान में शहर की 60 फीसदी से ज्यादा आबादी को कोलार डैम से पानी की सप्लाई की जाती है, लेकिन अब बड़े तालाब की तरह कोलार के पानी की सेहत भी खराब हो रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मानें तो कोलार डैम के पानी की गुणवत्ता बी कैटेगिरी की हो गई है। यदि यही स्थिति रही तो गुणवत्ता सी कैटेगिरी की भी हो सकती है। जिससे इसका सीधा असर शहर की बड़ी आबादी पर पड़ेगा। बता दें कि यहां के पानी में कॉलीफॉर्म बैक्टीरिया की उपस्थिति पीने के पानी के मानकों से अधिक पाई गई है। इसके कारण पानी को बिना उपचार के पीना खतरनाक हो सकता है। दरअसल कोलार डैम जंगल से घिरा होने से पहले यहां मानवीय दखल कम था, लेकिन कुछ समय से मानवीय दखल बढ़ने से डैम में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। पानी में मौजूद कोलीफार्म की उपस्थिति यही दिखाती है। मामले में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि हर माह में दो बार डेम के आसपास सघन गश्त अभियान चलाया जाता है और अतिक्रमण हटाए जाते हैं।

बी कैटेगिरी का है कोलार का पानी

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल (सीपीसीबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में कोलार का पानी बी कैटेगिरी का है। जबकि बड़े तालाब और कलियासोत डैम का पानी सी कैटेगिरी का है। शहर की 60 फीसदी आबादी को कोलार का पानी सप्लाई किया जाता है, जबकि शहर में अब भी कुछ इलाकों में बड़े तालाब के पानी की सप्लाई होती है। जबकि कलियासोत डैम के पानी का उपयोग केवल सिंचाई कार्यों के लिए किया जाता है, लेकिन भविष्य में कलियासोत डैम के पानी का उपयोग भी आबादी को सप्लाई करने के लिए किया जा सकता है। इसके बाद भी इन सभी जलस्रोतों के पानी की गुणवत्ता को सुधारने के लिए सख्ती नहीं की जा रही है। ग्रीन बेल्ट एरिया और फुल टैंक लेवल में कई निर्माण हो गए हैं।

ऐसे रोका जा सकता है जल स्रोतों का प्रदूषण

- जलस्रोतों के आसपास सघन पौधरोपण करने से यहां की जैव विविधता सुधरेगी। ग्रीन बेल्ट एरिया में घना जंगल तैयार हो जाएगा।
- डैम और जलस्रोतों के आसपास अतिक्रमणों पर रोक लगाकर अवैध निर्माणों को हटाना होगा।
- डैम में मछली पालन पर रोक लगाई जाए।
- निर्माण से पहले वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की अनुमति अनिवार्य करनी होगी।

ऐसे समझें कैटेगिरी के आधार पर पानी की उपयोगिता

ए कैटेगिरी : यह पानी सर्वोत्तम होता है। इस पानी को जलस्रोत से सीधे पी सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में कुछ नदियों का पानी ए कैटिगिरी का होता है।

बी कैटेगिरी : यह पानी कम प्रदूषित होता है। घर पर फिल्टर करने के बाद पी सकते हैं। कोलार डैम का पानी बी कैटिगिरी का है।

सी कैटेगिरी : इस पानी को पीने से पहले उपचारित करना जरूरी होता है। अन्यथा पेट से जुड़े रोग हो सकते हैं।

डी कैटेगिरी : इस पानी का उपयोग वाहन धोने और सफाई के लिए ही कर सकते हैं। इससे नहाने से बीमार हो सकते हैं।

ई कैटेगिरी : यह पानी किसी भी तरह से उपयोग नहीं हो सकता है। उपयोग करने पर गंभीर त्वचा रोग उत्पन्न कर सकता है।

> पहले ही बड़े तालाब को प्रदूषित कर दिया गया है। अब कोलार डैम को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।
>
> **डॉ. सुभाष सी पांडेय,** पर्यावरणविद

दुष्कर्म मामले में आरोपी को बचाने के आरोप में हवलदार निलंबित

थाने की गोपनीय जानकारी कर रहा था साझा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दुष्कर्म और लव जिहाद के मामले में सहआरोपी को बचाने के आरोप में कोहेफिजा थाने के हवलदार ज्ञानेंद्र द्विवेदी को निलंबित किया गया है। हवलदार पर थाना प्रभारी शुक्ला ने आरोप लगाए हैं किहवलदार का चरित्र पूर्णतः पुलिस विभाग के विपरीत है। वह थाने की गोपनीय जानकारी थाना क्षेत्र व दीगर थाना क्षेत्रों में रहने वाले बदमाशों को सांझा करता है। इस संबंध में प्रतिवेदन मिलने पर डीसीपी जोन-श्री अभिनव चौकसे ने ज्ञानेंद्र को निलंबित कर जोन-श्री डीसीपी कार्यालय में अटैच किया है। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक, ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा ने बीती 2 जनवरी को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। पीड़िता ने आरोपी ओसाफ अली खान (19) पर रेप, धर्म बदलने का दबाव बनाने तथा अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने के आरोप लगाए थे। इस मामले में पुलिस ने आरोपी ओसाफ अली खान को 3 जनवरी को गिरफ्तार किया। आरोपी ने सहआरोपी माज खान की थार जीप में खांनूगांव में पीड़िता से रेप किया था। पुलिस माज खान की तलाश में जुटी थी। इस बीच कोहेफिजा थाने के हवलदार ज्ञानेंद्र ने आरोपी माज खान के साथ डील कर ली। इसकी भनक थाना प्रभारी को लगी। हवलदार आरोपी से सांठगांठ कर रहा है। थाने की गोपनीय जानकारी सांझा की जा रही है, जिससे उसकी गिरफ्तारी नहीं हो पा रही है। मामले में थाने के हवलदार ज्ञानेंद्र की भूमिका संदेहास्पद पाई गई। माज के साथ लंच किया। इस संबंध में प्रतिवेदन बनाकर डीसीपी-जोन श्री को भेजा गया। प्रतिवेदन आने के बाद डीसीपी ने हवलदार को निलंबित कर उनके कार्यालय में अटैच कर दिया है। शनिवार देर रात आरोपी माज खान को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

नाबालिग से युवक ने पांच महीने तक किया दुष्कर्म

जागरण, भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र में नाबालिग से पांच महीने तक युवक ने दुष्कर्म किया। आरोपी ने उसका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर पीड़िता को डराता धमकाता रहा। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय नाबालिग पीड़िता थाना क्षेत्र इलाके में रहती है। 20 वर्षीय आरोपी रिश्ते में उसका भाई लगता है और उसी मोहल्ले में रहता है। एक अक्टूबर 2025 को नाबालिग अपने घर में सो रही थी। तभी रात 11 बजे आरोपी ने उसके घर में घुसकर पीड़िता को कमरे में अकेला पाकर उसके साथ जबरन ज्यादती की। इस दौरान उसने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। बाद में वह लगातार उसका शारीरिक शोषण करता रहा। वह चार-पांच बार ऐसा कर चुका था। 12 जनवरी को उसने आखिरी बार दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान उसने उसका अश्लील वीडियो बना लिया और फिर वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर डराने लगा। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर पीड़िता ने शनिवार को थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

उवेज बना राजा, हिंदू युवती से दुष्कर्म, भेजा जेल

इधर, राजा बनकर हिंदू युवती से रेप के मामले में कटारा हिल्स पुलिस ने आरोपी उवेज खान को जेल भेज दिया है। हिंदू संगठन ने शुक्रवार को पकड़कर आरोपी को पीटा, इसके बाद पुलिस को सौंपा था। शनिवार को पीड़िता थाने पहुंची और आरोपी राजा उर्फ उवेज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। युवती का कहना है कि उसे बाद में पता चला कि राजा का असली नाम उवेज है। कटारा हिल्स थाना प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि यह लव जिहाद का मामला नहीं है। पीड़िता बैतूल की रहने वाली है। यहां डेढ़ साल से अपने परिवार के साथ बगरौदा औद्योगिक केंद्र में झुग्गी बस्ती में रहती है। परिवार एक फैक्ट्री में काम करता है। पास फैक्ट्री में आरोपी उवेज काम करता है। पीड़िता का आरोप है कि यूपी निवासी उवेज ने राजा बनकर युवती से दोस्ती की। प्रेस प्रसंग के जाल में फांसकर शारीरिक संबंध में बनाए। इस दौरान आरोपी ने अश्लील वीडियो बना लिए, जिसे वायरल करने की धमकी देकर रेप करता रहा।

कोहेफिजा में टर्न लेते समय ट्राले की टक्कर से युवक की हुई मौत

जागरण, भोपाल। कोहेफिजा क्षेत्र में टर्न लेते समय ट्राले की टक्कर से युवक की मौत हो गई । घटना के वक्त युवक अपने कर घर जा रहा था। हादसे के बाद चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 20 वर्षीय जैकी कहर पिता रविशंकर गांधीनगर में रहता था। वह प्राइवेट जॉब करता था। जैकी घर का इकलौता बेटा था। शनिवार रात साढ़े ग्यारह बजे वह लालघाटी होते हुए घर जा रहा था। तभी द्रोणाचार्य टर्निंग प्वाइंट के पास टर्न लेते समय जैकी एक ट्राले में फंस गया। घटना के बाद चालक ट्राला छोड़कर मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने तुरंत घायल को हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई।

सड़क पर सो रहे गार्ड को ट्रक ने कुचला: शाहपुरा थाना क्षेत्र में सड़क पर सो रहे सिक्योरिटी गार्ड को ट्रक ने कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। 46 वर्षीय भूपेंद्र अहिरवार पिता मन्नूलाल मूल रूप से गंजबासौदा के रहने वाले थे। वह दस साल से पत्नी के साथ बावड़िया कला में रह रहे थे। सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। 10 दिन पहले पत्नी मायके से लौटकर घर आई थी। हाल ही में पत्नी से हुए विवाद के चलते वह घर नहीं जा रहा था। शनिवार को इंडस गार्डन के सामने फेस वन ग्राउंड के पास खाली जगह पर वह सो गए थे। इस दौरान देर रात भारी वाहन बैक करते समय उनके ऊपर से गुजर गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

भविष्य के परिवहन की झलक देखने निकले बच्चे, समझा मेट्रो में सफर करने का तरीका

जागरण संवाददाता, भोपाल। भविष्य में शहर का परिवहन कैसा होगा? इसकी झलक देखने के लिए सोमवार को केंद्रीय विद्यालय-1 के छात्रों ने केंद्रीय विद्यालय मेट्रो स्टेशन से एम्स स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया। भोपाल मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन द्वारा बच्चों के लिए आयोजित इस विशेष शैक्षणिक सत्र में बच्चों को समझाया गया कि वे मेट्रो में सफर करने के लिए किस तरह से टिकट खरीद प्लेटफार्म तक जा सकते हैं और सफर के दौरान कौन से नियमों का पालन करना अनिवार्य है? आयोजन के दौरान बच्चों को बताया गया कि मेट्रो में सफर करने के दौरान कुछ विशेष सावधानियां बरतनी जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि सफर के दौरान वे कौन सी वस्तुओं को मेट्रो के अंदर नहीं ले जा सकते हैं?

बच्चों को दिए गए रियायती टिकट

शैक्षणिक सत्र के दौरान बच्चों को मेट्रो प्रबंधन की ओर से रियायती टिकट दिए गए, जिनका भुगतान करने के बाद बच्चों को प्लेटफार्म पर ले जाया गया। इसके बाद वे मेट्रो में बैठकर सीधे एम्स स्टेशन तक गए। यात्रा के दौरान बच्चों ने मेट्रो के सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित संचालन को देखा। अमूमन सिटी बस और ई रिक्शा से यात्रा करने के दौरान बच्चों को ऐसी सुविधाएं नहीं मिलतीं। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार जब तक यह छात्र बड़े होकर कॉलेज पहुंचेंगे। तब तक भोपाल में दो मेट्रो लाइन पूरी तरह से शुरू हो जाएंगी। जिसका लाभ इन छात्रों को सीधे मिलेगा। इस कारण छात्रों को प्लेटफॉर्म प्रबंधन, ट्रेन संचालन और यात्री सुरक्षा की जानकारी दी जा रही है। प्रबंधन ने छात्रों को बताया कि दो मेट्रो लाइन शुरू होने से शहर में यातायात दबाव में कमी आएगी। इससे शहर में परिवहन के दौरान उनके समय की बचत होगी और प्रदूषण नियंत्रण करने में भी मदद मिलेगी।

बंसल कॉलेज की पार्किंग में छात्र ने छात्रा को पीटा

जागरण, भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र में बंसल कॉलेज की पार्किंग में छात्र ने छात्रा को पीटने के बाद हंगामा हुआ। युवक ने अपनी नस काटने की कोशिश की तो उसे बचाने में छात्रा का भी हाथ का कट गया। जिससे दोनों को चोटें आई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 24 वर्षीय डिंपल शर्मा बंसल कॉलेज में एमबीए की पढ़ाई कर रही है। क्लास में पढ़ने वाले 22 वर्षीय अनिकेत दोस्त है। छात्रा उससे बिना पूछे शादी समारोह में चली गई थी। जिस पर आरोपी युवक नाराज था। शनिवार शाम को इसी बात पर पार्किंग में दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। अनिकेत ने गाली गलौज कर युवती के साथ मारपीट कर स्कूटी का कांच तोड़ दिया और फिर उसे जान से मारने की धमकी दी।

सुविधा अपडेट यूनिट को मार्च तक शुरू करने की योजना, मरीजों को मिलेगी राहत

जेपी की फिजियोथैरेपी यूनिट में आएंगी 40 लाख की मशीनें

नगर संवाददाता, भोपाल। जयप्रकाश अस्पताल की फिजियोथैरेपी यूनिट बहुत जल्द एडवांस स्वरूप में बदलने वाली है। यहां 40 लाख रुपए कीमत की हाइटेक मशीनें आ रही हैं। इनसे मरीजों को कई प्रकार की सुविधाएं मिल सकेंगी। उल्लेखनीय है कि अभी जेपी अस्पताल की फिजियोथैरेपी यूनिट छोटे स्तर पर संचालित हो रही है। इसमें वह आधुनिक मशीनें नहीं हैं, जिनकी वर्तमान में जरूरत है। इस कमी को देखते हुए भौतिक चिकित्सक महासंघ के अध्यक्ष सुनील पांडे ने कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह से मुलाकात की और उन्हें इन मशीनों के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही मशीनों की उपयोगिता के बारे में भी जानकारी दी। इसके बाद कलेक्टर ने जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए। प्रस्ताव मिलने के बाद कलेक्टर ने करीब 40 लाख रुपए के बजट को स्वीकृति दी है।

कई बीमारियों में मिलेगी राहत

जेपी अस्पताल में फिजियोथैरेपी से जुड़ी जिन मशीनों को स्थापित किए जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। उसमें लेजर मशीन, शॉक वेव मशीन सहित कई उन्नत तकनीक की मशीनें शामिल हैं। इन मशीनों का इस्तेमाल स्त्री रोग, जीरियाटिक समस्याएं, ऑर्थो, मांसपेशी, कैंसर जैसी बीमारियों में आने वाली समस्याओं को दूर करने में किया जाएगा। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार जेपी अस्पताल की फिजियोथैरेपी यूनिट को मार्च के अंत तक अपग्रेड करने का प्लान है। अपग्रेड करने के साथ साथ इस यूनिट का एरिया भी बढ़ाया जाएगा। जिससे ज्यादा मरीजों को आसानी से उपचार दिया जा सके।

सात विशेषज्ञों को नियुक्त करने की मांग

भौतिक चिकित्सा महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुनील पांडे ने यूनिट को अपग्रेड किए जाने का स्वागत किया है। इसी के साथ उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि अपग्रेड होने वाली यूनिट में सात विशेषज्ञों को नियुक्त किया जाए। जिसका फायदा यहां आने वाले हर प्रकार के मरीज को मिल सके। उन्होंने बताया कि फिजियोथैरेपी के क्षेत्र में सात विषयों में पीजी कोर्स कराए जाते हैं, जिससे सात प्रकार के विशेषज्ञ बनते हैं। यह विशेषज्ञ कई जटिल बीमारियों में मरीजों को राहत पहुंचाते हैं। इनमें ऑर्थोपेडिक, न्यूरोलॉजी, स्पोर्ट्स, गायनेकोलॉजी, पिड्याट्रिक और ऑन्कोलॉजी विषय शामिल हैं।

मकान में चल रही चिकन शॉप, निगम ने जुर्माना लगाकर बंद करवाई दुकान

जागरण संवाददाता, भोपाल। अशोका गार्डन 80 फीट रोड स्थित वर्धमान ग्रीन पार्क कालोनी के बाहर मकान में संचालित जमजम चिकन शॉप को नगर निगम के अमले ने कार्रवाई कर बंद करवा दिया है। दरअसल चिकन शॉप का संचालक लाभ कमाने के चक्कर में कालोनी के पास ही शॉप का संचालन कर रहा था, जिसके कारण यहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानी होती थी। नगर निगम को मिली शिकायत के बाद जोन 9 के एएचओ बलबीर मलिक ने कार्रवाई करते हुए दुकान को बंद कराया और दुकान संचालक से रहवासी इलाके में संचालन करने और गंदगी करने के एवज में 4 हजार रुपए का स्पॉट फाइन भी वसूला। बता दें कि दुकानदार दुकान हटाने में

आनाकानी कर रहा था, जिसके बाद नगर निगम के अमले ने मकान संचालक को बुलाकर दुकान को खाली करवाया। मकान मालिक को भी हिदायत दी गई कि रहवासी इलाके में चिकन मटन शॉप संचालकों को दुकान किराए पर न दें।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार बन रहा जान का जोखिम

मेघालय की खदान में मरने वाले गरीबों और नोएडा के उच्च मध्यवर्गीय लोगों की लड़ाई एक है। जरूरी है कि वे आपसी हमदर्दी महसूस करें, तभी साझा दुश्मन से लड़ पाएंगे... मेघालय में एक अवैध कोयला खदान में हुए विस्फोट में अठारह मजदूरों की मौत हो गई, एक गंभीर रूप से जख्मी मजदूर अस्पताल में भर्ती है और अंदेशा है कि कुछ अन्य मजदूर अभी भी खदान में फंसे हों। यह 'रैट होल' खदान है, जिसमें इतनी संकरी सुरंगें बनाकर खनन किया जाता है, जिनसे मजदूर रेंगकर ही घुस या निकल सकते हैं। ये खदानें पर्यावरण के लिए भी बहुत घातक हैं। इनकी असुरक्षित व अमानवीय परिस्थिति की वजह से ही सुप्रीम कोर्ट और ग्रीन ट्रिब्यूनल ने इनको प्रतिबंधित किया हुआ है, लेकिन पूर्वोत्तर भारत में ऐसी खदानें धड़ल्ले से चल रही हैं। अनुमान है कि सिर्फ मेघालय में लगभग 25,000 ऐसी गैर-कानूनी खदानें चल रही हैं। जाहिर है, इतने बड़े पैमाने पर यह अवैध काम बिना प्रशासनिक मिलीभगत और भ्रष्टाचार के संभव नहीं है। इसके पहले मेघालय में ही 2018 में बड़ी दुर्घटना हुई थी, जिसमें पंद्रह मजदूर मारे गए थे। बहुत संभव है कि और भी दुर्घटनाएं इन खदानों में होती हों, जिनकी खबर तक बाहर नहीं आ पाती हो।

ऐसा नहीं है कि प्रशासनिक नेकनीयती व सख्ती से ऐसे गैर-कानूनी और अमानवीय कारोबार पर रोक नहीं लगाई जा सकती, लेकिन प्रशासनिक तंत्र में भ्रष्टाचार का जाल इतना मजबूत है कि उसके आगे तमाम कानून और आदेश व्यर्थ हो जाते हैं। देश में कई बार भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन हुए, कुछेक बार इन आंदोलनों की वजह से सरकारें भी बदलीं, लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत ही होती गईं। 'ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल' जैसी संस्थाओं की रिपोर्ट से तो यही जाहिर होता है। भ्रष्टाचार कम करने के लिए जरूरी है कि सरकारी तंत्र और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता व सरलता लाई जाए, पर होता यह है कि भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर प्रक्रियाओं को ज्यादा जटिल और अपारदर्शी बना दिया जाता है, जिससे अधिकारियों व संस्थानों की जवाबदेही और कम हो जाती है। ऐसे में, भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने वाली संस्थाओं को स्वतंत्र व मजबूत बनाने के लिए जरूरी कदम उठाने की इच्छा हमारी राजनीतिक संस्कृति में नहीं है, इसलिए इसमें पकड़े जाने की गुंजाइश जितनी कम है, पकड़े जाने पर सजा मिलने की गुंजाइश उससे भी कम है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत के आम नागरिक की गरिमा, उसके अधिकार, उसकी जान की परवाह भी हमारे तंत्र में कम ही है, बल्कि यह परवाह हमारे समाज में ही नहीं है, जो इन आम नागरिकों से बना है। हमारे समाज के लोगों में ही दूसरे लोगों, खासकर अलग वर्ग, समुदाय या क्षेत्र के, यानी अपने से अलग लगने वाले लोगों के दुख-दर्द या समस्या के प्रति वैसी हमदर्दी नहीं देखने को मिलती, जैसी एक देश में अपेक्षित है और भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में तो हमेशा ही ज्यादातर लोग हमसे अलग ही होंगे। मेघालय की किसी खदान में मरने वाले गरीब मजदूरों की पीड़ा जब तक महानगरों के लोग महसूस नहीं करेंगे, तब तक हम सब अलग-अलग इस भ्रष्टाचार और लापरवाही के शिकार होते रहेंगे या सिर्फ शिकार नहीं होंगे, बल्कि जाने-अनजाने उसके जिम्मेदार भी होंगे। अभी एक खबर आई है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के नोएडा ट्विन टावर मामले में सरकारी जांच कमेटी ने 11 अफसरों को दोषी पाया है। इससे पता चलता है कि मेघालय की खदान में मरने वाले गरीब मजदूर और नोएडा के उच्च मध्यवर्गीय लोगों की लड़ाई दरअसल एक ही है, इसलिए जरूरी है कि वे आपस में हमदर्दी और भाईचारा महसूस करें, तभी वे इस साझा दुश्मन से लड़ पाएंगे।

पेंशन नीति

कर्मचारियों की जिंदगी की असलियत सामाजिक सुरक्षा प्रबंध से मेल नहीं खा रही

सुरक्षा के लिए पेंशन रीडिजाइन करना जरूरी

उत्तम प्रकाश, नवेंदु राय

भारत में संभावित पेंशन पाने वालों की तुलना में कंट्रीब्यूटर की संख्या लगभग तीन गुना ज़्यादा है, यह बैलेंस जल्द ही बदल जाएगा। जब तक यह चलता है, भारत को सैलरी की लिमिट के मकसद पर फिर से सोचने और प्लेटफॉर्म, शॉर्ट कॉन्ट्रैक्ट और कई इनकम सोर्स से बने लेबर मार्केट के लिए पॉलिसी आर्किटेक्चर को फिर से बनाने की ज़रूरत है।

भारत सामाजिक सुरक्षा का ढांचा फिर से बना रहा है। लेबर कोड लागू होने के करीब आ रहे हैं, ड्राफ्ट नियम पब्लिक कंसल्टेशन के तहत हैं, कई राज्य नियम बनाने की शुरुआत कर रहे हैं, और बदलाव के लिए तैयारी कर रहे हैं। इस समय, एक मुख्य सवाल सामने आता है- क्या सामाजिक सुरक्षा का बदलता डिजाइन कर्मचारियों की जिंदगी की असलियत से मैच करेगा? एक सवाल यह है कि प्रोविडेंट फंड कैसे मिल रहे हैं।

जून 2025 में, एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइज़ेशन (ईपीएफओ) ने एडवांस क्लेम के लिए ऑटो-सेटलमेंट लिमिट रु1 लाख से बढ़ाकर रु5 लाख कर दी। इसके बाद के 10 हफ़्तों में, करीब 70 परसेंट पीएफ एडवांस क्लेम ऑटोमैटिकली प्रोसेस हो गए। प्रशासनिक नज़रिए से, यह एक कामयाबी है। साथ ही यह इस बात की गहरी जांच को बढ़ावा देता है कि वर्कर्स क्या उम्मीद करते हैं।

पीएफ को लंबे समय की बचत के ज़रिये के तौर पर सोचा गया था। असल में, कर्मचारी आय और खर्च में आने वाली ज़रूरी रुकावटों को मैनेज करने के लिए इनका ज़्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका सीधा सा कारण कमज़ोर वित्तीय प्रबंधन है। यह समझ एक गहरी सच्चाई को नज़रअंदाज़ करती है। भारत के वर्कफोर्स के एक बड़े हिस्से के लिए, लिक्विडिटी कोई पसंद नहीं है; यह एक रुकावट है। आज एक रुपया दशकों बाद के रुपये से कहीं ज़्यादा कीमती है। जब सैलरी कम हो और अनिश्चितता बनी रहे, तो पैसे की टाइम वैल्यू हर फैसले पर भारी पड़ती है।

इस तरह से देखा जाए, तो पैसे निकालना पीएफ आइडिया का फेलियर नहीं है। यह इस बात का सिग्नल है कि कर्मचारी कामकाजी जिंदगी में अलग-अलग खर्च को कैसे कंट्रोल करते हैं। इसलिए, बड़ा सवाल यह नहीं है कि पैसे निकालने को रोका जाना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि कामकाजी जिंदगी के पूरे समय पीएफ की क्या भूमिका होनी चाहिए और बुढ़ापे की इनकम की जिम्मेदारी आखिर में किस पर आनी चाहिए।

इसके लिए, भारत का संवैधानिक फ्रेमवर्क एक सहारा देता है। आर्टिकल 366(17) पेंशन को बड़े पैमाने पर बताता है, जिसमें न केवल समय-समय पर होने वाले रिटायरमेंट पेमेंट बल्कि ग्रेच्युटी और पीएफ कंट्रीब्यूशन से मिलने वाले रिटर्न भी शामिल हैं। इस नज़रिए से देखा जाए, तो पेंशन न तो चैरिटी है और न ही डेफर्ड पे। यह इनकम सपोर्ट है जो तब भी जारी रहता है जब कमाने की क्षमता कम हो जाती है या खत्म हो जाती है।

एम्प्लॉई पेंशन स्कीम (ईपीएस) को इसी लॉजिक को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया था, लेकिन सिर्फ थोड़ा सा। 10 साल की मिनिमम सर्विस कंडीशन और कम सर्विस के लिए रिफंड को उपायों के तौर पर लाया गया था। समय के साथ, इनका उल्टा असर हुआ है, जिससे पेंशन पूल लगातार कम होता गया है। इसे अक्सर 'कोबरा इफ़ेक्ट' कहा जाता है, जहाँ इंसेंटिव उस नतीजे को कमज़ोर कर देते हैं जिसे वे पक्का करना चाहते थे। पेंशन कंपोनेंट को रिटायरमेंट तक लॉक करने से एक अनुमानित इनकम फ़्लोर बन सकता है और गड़बड़ियों को रोका जा सकता है। यूएन के आंकड़े बताते हैं कि भारत की लगभग 68 फीसद आबादी कामकाजी उम्र की है, जबकि केवल लगभग 7 फीसद 65 से ऊपर की है। कंट्रीब्यूटर संभावित पेंशनर्स से लगभग तीन गुना ज़्यादा हैं, यह बैलेंस ज़्यादातर एडवांस्ड इकॉनमी ने बहुत पहले ही खो दिया था। यह कोई गारंटी नहीं है; यह एक मौका है। कामकाजी उम्र वाली आबादी का ज़्यादातर हिस्सा कंट्रीब्यूटरी सिस्टम से पूरी तरह बाहर है। यही वजह है कि डिज़ाइन चॉइस मायने रखती है।

भारत का युवा वर्ग जो अभी भी 29 साल से कम है। उम्र बढ़ने की रफ़्तार बढ़ने से पहले वर्कफोर्स अगले दो से तीन दशकों तक बढ़ती रहेगी। भारत को आज जो रुकावट का सामना करना पड़ रहा है, वह डेमोग्राफी नहीं, बल्कि इंस्टीट्यूशनल पहुंच है। हाल की पॉलिसी पहले से ही इस दिशा में बदलाव दिखाती है। विकसित भारत रोज़गार योजना के तहत, कर्मचारियों को बढ़ते वेज बैंड में हर महीने रु1,000, रु2,000 और रु3,000 का ग्रेडेड इंसेंटिव मिलता है। रु3,000 का कैप्ड इंसेंटिव मोटे तौर पर रु25,000 के आसपास के वेज लेवल पर एम्प्लॉयर के 12 परसेंट कंट्रीब्यूशन के साथ मेल खाता है। एलिजिबिलिटी और सब्सिडी को जानबूझकर अलग किया गया है। यह लॉजिक पेंशन रिफॉर्म को गाइड कर सकता है क्योंकि वेज सीलिंग पर फिर से विचार किया जा रहा है।

यह पल नीति संरचना पर गहराई से फिर से सोचने के लिए भी कहता है। भारत का सामाजिक सुरक्षा तंत्र कर्मचारी और नियोक्ता के आस-पास बना हुआ है। यह लॉजिक लंबे समय तक काम करने वालों और स्थिर फर्मों वाली इकॉनमी को दिखाता है। यहां कानून को कोड से बदलने की बात नहीं है। बल्कि जहाँ मुमकिन हो, सिस्टम डिज़ाइन में कानूनी जिम्मेदारियों को आहरित करने की जरूरत है, जिससे बाद में लागू करने पर निर्भरता कम हो। इंटरनेशनल तुलनाएँ दिखाती हैं कि पेंशन सिस्टम सबसे अच्छा तब काम करते हैं जब फ़ायदे काफ़ी हों, फाइनेंसिंग टिकाऊ हो और इंस्टीट्यूशन पर भरोसा किया जाए। भारत कवरेज के मामले में कम है, इसलिए नहीं कि इसकी ज्यादातर आबादी वरिष्ठ उम्र की है, बल्कि इसलिए कि बहुत कम लोग कंट्रीब्यूटरी सिस्टम में इतने लंबे समय तक रहते हैं कि अच्छी पेंशन बन सके। ईपीएस को बढ़ाकर और इसके पेंशन कंपोनेंट को सोच-समझकर लॉक करके दोनों कमियों को दूर किया जा सकता है।

भारत को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान से पहचान मिली है, जिसने एक दशक पहले के लगभग 19 प्रतिशत से आज 64 प्रतिशत से ज़्यादा कवरेज बढ़ाने के लिए भारत को मान्यता दी है, जो असली तरक्की है। लेकिन यह तो बस एक शुरुआत है। डेमोग्राफिक दबाव बढ़ने से पहले देश के पास अब बुढ़ापे में इनकम पाने का एक छोटा सा मौका है। अगर इस पल का सही इस्तेमाल किया जाए, तो यह एक ऐसे विकसित भारत को बनाने में मदद कर सकता है जहाँ काम करने की जिंदगी में ग्रोथ के साथ इज़्ज़त भी हो।

(लेखक द्वय कोच्चि और लक्षद्वीप व बेंगलुरु के रीजनल पेंशन कमिश्नर हैं)

खुला मंच

ना मांगूं सोना चांदी... ये मेरे किस काम के

शमीम शर्मा

अब चांदी का हाल यह है कि वह गहना नहीं, खबर बन गई है। सुबह अखबार में चांदी शाम को टीवी डिबेट में चांदी। आम आदमी सोचता है कि पहनने को मिलती तो बात थी, यहां तो सिर्फ सुनने को मिल रही है।

बॉबी फिल्म का गाना 'ना मांगूं सोना चांदी ना चाहूं हीरा मोती ये मेरे किस काम के' अपने समय का हिट सांग है। तब सोने-चांदी पर किसी का ध्यान नहीं था। अब तो सब सुबह उठते ही सोने-चांदी के भाव पर नजर डालते हैं। मुकेश के गाये एक गाने ने भी खूब धूम मचाई थी–'चांदी की दीवार ना तोड़ी प्यार भरा दिल तोड़ दिया।' चांदी हमेशा से ही हमारे संबंधों में आड़े आती रही है।

ज्ञानप्रकाश का एक शे'र है–चांदी सोना एक तरफ, तेरा होना एक तरफ। एक तरफ तेरी आंखें, जादू टोना एक तरफ। पर आज का प्रेमी अपनी प्रेयसी की तरफ खड़ा होने की बजाय चांदी की तरफ रुख करता दिखाई देगा। पहले चांदी घर की थी या सुनार की। अब चांदी का हाल यह है कि वह गहना नहीं, खबर बन गई है। सुबह अखबार में चांदी शाम को टीवी डिबेट में चांदी। आम आदमी सोचता है कि पहनने को मिलती तो बात थी, यहां तो सिर्फ सुनने को मिल रही है।

जो चांदी कभी 'गरीब का गहना' कहलाती थी, कभी शादी-ब्याह में थाली बनकर इज्जत बढ़ाती थी, बच्चे के गले में ताबीज बनकर भरोसा देती थी और बहू की पायल बन छन-छन कर घर की रौनक कहलाती थी, आज वही चांदी ऐसी उछली है कि जैसे सूखे तालाब में अचानक मगरमच्छ नाचने लग जाये। कल तक जो गरीब की कलाई पकड़े हुए थी, आज बाजार की छाती पर चढ़ बैठी। चांदी ने गरीब से ऐसा मुंह मोड़ा है जैसे चुनाव जीतने के बाद नेता जी जनता की तरफ पीठ कर लेते हैं। है तो यह आज भी गरीबों के गहनों की पर इसके भाव अमीरों वाले हो गये हैं।

चांदी थोड़ी-बहुत गिरी भी है। अख़बारों ने हेडलाइन लगाई- चांदी लुढ़की। मगर गरीब ने जब दाम पूछे तो समझ आया कि यह गिरावट भी अमीरों के लिए थी। गरीब के लिए तो चांदी आज भी वही दूरी बनाए खड़ी है जैसे स्टेशन की टिकट विंडो पर आकर भी टिकट न मिले।

एक जमाना था जब चांदी पहनना सादगी की पहचान थी। अब चांदी पहनना भी साहस का काम हो गया है। चांदी की चाल देख लो तो मुंह से निकलता है कि अब यह पायल नहीं, पावर दिखाती है। एक मनचले का कहना है कि चांदी तो छत पे चढ़ गई, हम नीचे खाट पे ही रह गये।

प्रसंगवश

परिपक्व उम्र में ही हो सोशल मीडिया तक पहुंच

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति-सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक-टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन-मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा।

वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता-पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

व्यापार समझौता

यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन

आर्थिक परिदृश्य में व्यापार संबंधों की पुष्टि

राजेश अग्रवाल

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है। अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं। इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे। अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की।

एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे। गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे। 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है। यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है।

इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं। यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है,

वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना

समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापार मूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत निःशुल्क प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकला और समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि, भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है।

इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है। इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। वित्तीय सेवाओं पर संलग्नक भारत और ईयू के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों पर अधिक सहभागिता का प्रावधान करता है। यह समझौता आयुष और पारंपरिक चिकित्सा कर्मियों को भी अधिक निश्चितता के साथ ईयू में अपनी सेवाएँ प्रदान करने की संभावना पेश करता है।

इस सहभागिता का मुख्य उद्देश्य नीति संवाद, तकनीकी सहायता और वित्तीय उपकरणों और संसाधनों को जुटाने पर है। दोनों पक्षों ने त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, गैर-उल्लंघन शिकायतें और स्वतंत्र परिशिष्ट जैसी व्यवस्थाओं पर भी बातचीत की है, जो कुछ नीति उपायों या उत्पाद-विशिष्ट उपायों के संबंध में उनकी विशिष्ट चिंताओं का समाधान कर सकते हैं। असल चुनौती यह थी कि कुछ महत्वपूर्ण हितधारकों, जैसे कि डेयरी और कृषि क्षेत्र, की चिंताओं और संवेदनशीलताओं की अनदेखी किए बिना बाजार खोलने के उच्च महत्वाकांक्षा को हासिल किया जा सके। छोटे और सीमांत किसानों और कुछ उद्योग क्षेत्रों की आय और जीवनयापन की चिंताएं हमारे मन में सबसे पहले थीं। ईमानदारी से कहें तो, इस मामले में यूरोपीय संघ ने आवश्यक लचीलापन भी दिखाया।

भारत की एफटीए रणनीति का पूरक

आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के युग में, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता; भारत-यूके एफटीए, ईएफटीए और अन्य व्यापक व्यापार समझौतों से हुए लाभ में पूरक की भूमिका निभाएगा। 2021 से, भारत ने 9 व्यापक व्यापार समझौते किए हैं और अगले कुछ महीनों में कई प्रमुख आर्थिक साझेदारी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता कर रहा है। भारत-ईयू व्यापार समझौते का निष्कर्ष भारत की नई आर्थिक और व्यापारिक पहलों को तेज करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता विस्तारित बाजार पहुंच, नजदीकी आर्थिक एकीकरण और विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक स्वायत्तता और सुदृढ़ता प्राप्त करने में एक बड़ा कदम है। आर्थिक समृद्धि सबसे अच्छे तरीके से तब प्राप्त की जा सकती है जब राष्ट्र न्यायपूर्ण, नियम-आधारित और पूर्व अनुमान योग्य कानूनी रूपरेखा और संस्थानों के आधार पर व्यापार करते हैं। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता समय पर खरे उतरे इस सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास करता है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं।)

जीवन दर्शन

स्थायी सुख-शांति और आनंद चाहिए तो अहंकार को त्यागें

जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं होता है। समय के साथ हर चीज बदलती रहती है तो उसके साथ मनुष्य के विचार और कार्य भी। हर इंसान की इच्छा होती है कि उसके जीवन में सुख-शांति और आनंद स्थायी रहे लेकिन ऐसा होता नहीं है। अगर ये चीज स्थायी चाहिए तो जीवन में इस तरह के बदलाव करने पड़ेंगे, तभी आपको ये चीजें मिलेंगी...

याद रहे, पुण्य और पाप कर्म दोनों ही बांधते है। एक लोहे की जंजीर है तो एक सोने की। लोहे की जंजीर से छुटकारा पाने का मन भी करता है। लेकिन अगर जंजीर सोने की हो, तो छूटने का मन नहीं करेगा। पाप कर्म बंधन है तो पुण्यकर्म भी बंधन है। जब तुम सुख में होते हो तो इसमें एक इच्छा होती है। फिर मन करता है कि अब यह परिस्थिति बनी रहे। हमेशा सुख बना रहे। यह कामना जब मन में उत्पन्न होती है तो हम भूल जाते हैं कि परिस्थिति परिवर्तनशील होती है। कोई भी परिस्थिति कायम नहीं रहती। कभी राजा, कभी रंक, कभी बहुत कुछ, कभी कुछ भी नहीं। क्या समुद्र में रहकर कोई जहाज एकदम शांत रह सकता है? जब समुद्र के पानी में ही लहरें उठ रही हों, तो भला जहाज कैसे शांत रह सकता है।

समय बदलता रहता है। बदलाव समय का स्वरूप है। इक्कीस साल पहले हमारा जो शरीर था, वह आज नहीं है। गंगा के घाट पर बैठकर गंगाजी को देखते हो तो तुम्हें लगता है कि गंगा वही है, ऐसा नहीं है। गंगा वही नहीं है, बल्कि घाट वही है। देखते-देखते गंगा में बहुत जल बह गया। समय का चक्र चलता ही रहता है। हमारी दृष्टि में वर्तमान, भूत, भविष्य काल ऐसे भेद हो सकते हैं। समय अपने आप में न भूत है, न वर्तमान है, न भविष्य है। सब कुछ समय के भीतर हो रहा है, और समय में सब बदल रहा है। लेकिन समय नहीं बदलता। वह अव्यय, अखंड है। यह समय, यह काल परमात्मा का ही स्वरूप है। गीता में कहा गया है कि परमात्मा सबके भीतर है, सबके बाहर भी है। जो भीतर है उसको हम अंतर्यामी कहते हैं, और जो बाहर है उसको हम काल स्वरूप कहते हैं। अंतर्यामी हैं प्रभु। तुम्हारे भावों, तुम्हारे विचारों सबके वह साक्षी हैं। तुम उनसे कुछ छिपा नहीं सकते। बाहर वह काल स्वरूप हैं। भीतर हैं तो तुम्हारी सांसें चल रही हैं। मजे की बात है, भीतर रहकर वह जीवन दे रहे और बाहर रहकर वो जीवन हर रहे हैं। हर सांस के साथ तुम्हारा जीवन नष्ट होता जा रहा है। जिस तरह से प्रकाश और सागर की तरंगें होती हैं। वैसे ही हम भी एक तरंग हैं चैतन्य के महासागर की। उठी हुई तरंग को जीवन कह दो, लेकिन वास्तव में वह तरंग पैदा नहीं हुई। वह उसी चैतन्य के महासागर में तुम्हें दिखी। वह दिखना जब बंद हो गई तो उसको चाहे तुम मृत्यु कह लो। वास्तव में मृत्यु जैसी कोई चीज है ही नहीं। गीता में भगवान श्रीकृष्ण समझाते हैं, आत्मा किसी काल में भी न तो जन्म लेती है, न मरती है और न उत्पन्न होकर फिर होने वाली ही है। मनुष्य के जीवन में तीन बातें है। शोक, मोह और भय। मोह इसलिए कि सुख नहीं है, और भय इसलिए कि शांति नहीं है। तुम चाहते हो आनंद, सुख-शांति और ये तीनों स्थायी हों तो शोक, मोह, भय को छोड़ो। ईश्वर हम सभी के हृदय में है पर हमारा अहंकार उन्हें प्रकट नहीं होने देता। अहंकार को त्यागना है क्योंकि मन की ऐसी स्थिति में मनुष्य सोचने लगता है कि सब मेरा है। यह विनाश का मूल है।

संत रमेश भाई ओझा

गीता ज्ञान

श्लोक

उद्धरेदात्मनाऽत्मानं नात्मानमवसादयेत।
आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥

भावार्थ

मनुष्य को स्वयं ही अपना उद्धार करना चाहिए और स्वयं को पतन की ओर नहीं ले जाना चाहिए, क्योंकि आत्मा ही आत्मा का मित्र और शत्रु होती है।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

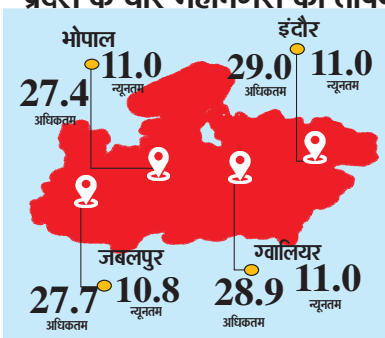

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
25.1 अधिकतम	11.8 न्यूनतम	34.6 अधिकतम	19.7 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
35.0 अधिकतम	16.0 न्यूनतम	35.0 अधिकतम	16.0 न्यूनतम

सूर्यास्त 6:11 PM
सूर्योदय 6:58 AM
चन्द्रोदय 5:30 AM
चन्द्रास्त 11:19 PM

प्रदेश में फैलता नशे का कारोबार, ब्यावरा के जंगल में मिला 5 करोड़ का ड्रग्स बनाने वाला कैमिकल

शनिवार को ही गांधी सागर के बैक वाटर क्षेत्र में मिला का नशे का कारखाना, दो गिरफ्तार

जागरण, ब्यावरा/भोपाल। प्रदेश में नशे का कारोबारा लगातार बढ़ता जा रहा है। हालत यह है कि चार दिन में दो फैक्टरी का भंडाफोड़ हुआ है। शनिवार की रात जहां मंदसौर जिले के गांधी सागर के बैक वाटर क्षेत्र में एमडी ड्रग्स की फैक्टरी पकड़ाई थी। यहां से 13 करोड़ का केमिकल, उपकरण व अन्य सामान जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। वहीं ब्यावरा से लगे जंगल में एमडी ड्रग्स बनाने का 5 करोड़ रुपए का कैमिकल मिला है। तीन दिन पहले ब्यावरा के ही एक गांव से ड्रग्स की फैक्टरी पकड़ी गई थी।

जिले के घोघटपुर गांव में ड्रग फैक्ट्री के भंडाफोड़ के चार दिन बाद माचलपुर थाना क्षेत्र में एक बार फिर ड्रग नेटवर्क की बड़ी कड़ी सामने आई है। शनिवार देर रात आदमपुरा के जंगल में खेत की खंती से करीब 5 करोड़ रुपए कीमत का ड्रग बनाने वाला केमिकल पाउडर बरामद किया गया। आशंका है कि फैक्ट्री से जुड़े तस्करों ने कार्रवाई के डर से यह केमिकल जंगल में फेंक दिया। उल्लेखनीय है कि 3 फरवरी को ही 4 करोड़ के ड्रग्स केमिकल और फॉर्च्यूनर पुलिस ने जब्त की थी। माचलपुर पुलिस 8 फरवरी की रात करीब 1 से 4 बजे के बीच नियमित पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि आदमपुरा के जंगल में संदिग्ध गतिविधि देखी गई है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो खेत पर बनी एक खंती में नीले रंग के 5 ड्रम पड़े मिले। जांच में ड्रमों के भीतर एमडी ;ड्रग्सद्ध बनाने में उपयोग होने वाला क्रिस्टल जैसा केमिकल पाउडर पाया गया। कुल वजन 266.9 किलोग्राम निकला, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 5 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस का मानना है कि अज्ञात आरोपी यह केमिकल चार पहिया वाहन से लाए और जंगल में सुनसान जगह देखकर फेंककर फरार हो गए। तरीका और पैकिंग वही है जो हाल ही में घोघटपुर में पकड़ी गई अवैध ड्रग फैक्ट्री में मिली सामग्री से मेल खाती है।

घर से चल रही थी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री

चार दिन पहले राजस्थान और मध्यप्रदेश पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में घोघटपुर गांव स्थित रघुनन्दन पाटीदार के घर से ड्रग फैक्ट्री का खुलासा हुआ था। उस दौरान करोड़ों के केमिकल, उपकरण और एक लग्जरी कार जब्त की गई थी, जबकि फैक्ट्री संचालक रघुनन्दन फरार हो गया था। अब जंगल से मिला यह केमिकल उसी नेटवर्क का हिस्सा माना जा रहा है। पुलिस को शक है कि फरार आरोपी और उसके सहयोगियों ने बचा हुआ स्टॉक नष्ट करने या ठिकाना बदलने के लिए जंगल में फेंका।

मंदसौर में एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, 12.50 करोड़ की दवाएं जब्त

जागरण, मंदसौर। जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध एमडी ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। सुरजाना गांव के एक खेत में चल रही इस फैक्ट्री पर शनिवार शाम को छापा मारकर पुलिस ने भारी मात्रा में नशीली दवाएं, केमिकल और ड्रग्स बनाने के उपकरण जब्त किए हैं। साथ ही इस मामले में दो लोगों को मौके से गिरफ्तार भी किया है। पुलिस के मुताबिक, छापेमारी के दौरान फैक्ट्री से 100 ग्राम से ज्यादा एमडी यानी मेफेड्रोन और इसे तैयार करने में इस्तेमाल किया जाने वाला गाढ़ा केमिकल मिश्रण बरामद किया गया। मौके पर दोनों आरोपी एक स्टील के बर्तन में तेज गंध वाले केमिकल को मिलाकर एमडी तैयार कर रहे थे। यहां छाछ बनाने वाली मशीन समेत कई उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा था।पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान 102 ग्राम एमडी, 12.61 किलोग्राम केमिकल मिश्रण, 3.54 किलोग्राम पारदर्शी तरल और 680 ग्राम सफेद केमिकल पाउडर जब्त किया गया है। ये सभी पदार्थ नशीली दवाएं बनाने में इस्तेमाल किए जाते थे। इसके अलावा मौके से पुलिस ने भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया है। इसमें एक गैस सिलेंडर, सेंट्रीफ्यूज मशीन, स्टोव भट्टी, स्टील के बर्तन, इलेक्ट्रिक वायरिंग, अर्थिंग रॉड और दो मोबाइल फोन शामिल हैं।

पहले भी सामने आ चुके मामले, अब तक चार बड़ी फैक्टरी मिलीं

बीते चार महीनों में ही प्रदेश में ड्रग्स कारोबार का बड़ा नेटवर्क पकड़ाया है। भोपाल, रायसेन, इंदौर में तीन बड़ी फैक्टरियां पकड़ी गई थीं। इनके अलावा इसी साल जनवरी में भी राजस्थान और गुजरात पुलिस ने मध्यप्रदेश पुलिस पुलिस संयुक्त कार्रवाई करते हुए नशा बनाने की फैक्टरी पकड़ी हैं। इनमें 10 जनवरी को आगर-मालवा में खेत में एमडी ड्रग बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई थी। नारकोटिक्स विभाग ने 50 करोड़ रुपए की 31 किलो 250 ग्राम एमडी ड्रग जब्त की थी। वहीं 16 जनवरी को रतलाम के चिकलाना गांव में मकान में 3 करो? की 10 किलो 930 ग्राम एमडी ड्रग जब्त की थी। मकान आजाद समाज पार्टी के समर्थक दिलावर खान का मिला था। दिलावर को परिवार सहित पुलिस गिरफ्तार कर राजस्थान ले गई है।

ग्वालियर में स्ट्रीट डॉग ने अब तक 12 लोगों को काटा

जागरण, ग्वालियर। शहर में स्ट्रीट डॉग्स के आतंक का मामला सामने आया है। जहां स्ट्रीट डॉग ने अब तक 12 लोगों को काट लिया है। जब लोगों ने स्ट्रीट डॉग्स को पकड़वाने के लिए नगर निगम की टीम को बुलाकर उन्हें भिजवाना चाह तो डॉग लवर ने स्ट्रीट डॉग्स को अपने घर में बंद कर ले जाने से मना कर दिया। लोगों ने जब इसका विरोध किया तो इसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। स्थानीय लोग और डॉग्स लवर्स आपस में भिड़ गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र 24 बीघा कॉलोनी इलाके के स्ट्रीट डॉग्स आए दिन स्थानीय लोगों को काट रहे हैं। अब तक 12 स्थानीय लोगों को स्ट्रीट डॉग अपना निशाना बना चुके हैं। इनमें महिला, पुरुषों के अलावा बच्चे भी शामिल हैं। ऐसे में लोग बेहद परेशान हैं। यही वजह है कि स्थानीय लोगों ने स्ट्रीट डॉग्स को पकड़वाने के लिए नगर निगम को सूचना देकर बुलवाया। स्ट्रीट डॉग्स की धर-पकड़ के मद्देनजर एक स्थानीय महिला डॉग लवर ने कुछ डॉग्स को अपने घर में बंद कर दिया। जब स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई और स्ट्रीट डॉग्स को घर से बाहर निकालने की मांग की, तो गुस्साई डॉग्स लवर ने अपने साथियों को बुला लिया। इसके बाद दोनों पक्षों में जमकर विवाद हुआ और बात मारपीट तक आ गई। इसी दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया है। अब यही वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं दोनों पक्षों ने थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायती आवेदन दिया है।

रतलाम के हरथल गांव में उल्टी-दस्त के 6 मरीज मिले

जागरण, रतलाम। जिले के गांव हरथल में शनिवार को उल्टी दस्त के मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है। प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में पहुंची। इस दौरान उल्टी दस्त के 6 रोगी पाए गए। जिसमें 4 बच्चे हैं व दो बड़े हैं। लोगों ने हैंडपंप का पानी पीने की बात बताई। अधिकारियों ने हैंड पंप चलाकर देखा तो काई युक्त पानी आया। पानी का सैंपल लेकर पीएचई विभाग को जांच के लिए दिया है। सैलाना एसडीएम तरुण जैन ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रावटी अंतर्गत हरथल में उल्टी दस्त के मरीज की सूचना प्राप्त हुई थी। वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर क्षेत्र में डॉ. दीपक मेहता, सेक्टर सुपरवाइजर एमएल डाबी, सीएचओ हरथल राजू हारी व आशा सुपरवाइजर नीता गरवाल एवं आशा कार्यकर्ता की सर्वे टीम भेजी गई। हरथल स्थित हैंडपंप से काई युक्त पानी की बात सामने आई। तत्काल हैंडपंप के पानी का सैंपल लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को भेजा गया। हैंडपंप में पानी साफ नहीं आने तक पीने के पानी के लिए टैंकर उपलब्ध करवाने के लिए ग्राम पंचायत को निर्देशित किया है। एचडब्लूसी हरथल टीम को क्षेत्र में अगले 7 दिन तक निगरानी कर रिपोर्ट देने के लिए आदेशित किया है। सर्वे टीम द्वारा क्षेत्र के 45 घरों में 291 ग्रामीणों का सर्वे किया गया। सर्वे में कुल 6 उल्टी दस्त के रोगी पाए गए। सभी सामान्य दस्त के रोगी है जिनका उपचार किया जा रहा है। सभी की हालात ठीक है।

तेज रफ्तार पिकअप ने 3 महिलाओं को रौंदा, एक की मौत दो की हालत गंभीर

जागरण, अनूपपुर। जिले के राजेंद्रग्राम थाना अंतर्गत रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सड़क पार कर रही तीन महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पुष्पराजगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। दरअसल यह दुर्घटना राजेंद्रग्राम वेटरनरी चिकित्सालय तिराहा के पास हुई। जानकारी के अनुसार, तीनों महिलाएं बाजार से खरीदारी कर घर लौटने के लिए मुख्य मार्ग पार कर रही थीं। इसी दौरान अनूपपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 21 जी 2032 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए तीनों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी बस से जा टकराई। हादसे में 35 वर्षीय पप्पी बैगा, निवासी ग्राम करौदापानी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 52 वर्षीय बतसिया बाई, निवासी ग्राम जरही एवं 24 वर्षीय शिववती, निवासी ग्राम उमनिया गंभीर रूप से घायल हो गईं। बताया गया कि रविवार को राजेंद्रग्राम में साप्ताहिक बाजार लगता है, जिससे क्षेत्र में भारी भीड़ रहती है।

सड़क हादसों में गई 5 की जान, तीन गंभीर घायल

राँग साइड से आई बाइक ने डिप्टी रेंजर की ली जान, आमने-सामने टकराने से दो युवकों की मौत

जागरण, झाबुआ। ड्यूटी से घर लौट रहे डिप्टी रेंजर की राँग साइड से तेज गति में आई बाइक ने जान ले ली। टक्कर लगने से डिप्टी रेंजर उछलकर सड़क पर दूर जाकर गिरे। सिर से गंभीर चोट आने से मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं विदिशा जिले के ग्रामीण इलाके में दो बाइक आमने-सामने से टकरा गई। इस भीषण टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि तीन युवकों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया है। झाबुआ-दाहोद मार्ग पर रविवार रात वन विभाग के डिप्टी रेंजर बापूसिंह बिलवाल अपने स्कूटर से घर लौट रहे थे। तभी गेहलर के पास विपरीत दिशा से आई तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वे सड़क से काफी दूर जा गिरे और सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बिलवाल झाबुआ वन विभाग में पदस्थ थे और उनके पास सजेली नानया क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार भी था। वे अपनी कर्तव्यनिष्ठा के लिए जाने जाते थे। हादसे की खबर मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचे। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

विदिशा: दो मोटरसाइकिल की टक्कर में दो युवकों की मौत

जागरण, बहादुरपुर। रविवार शाम विदिशा जिले के दीपनाखेड़ा थानांतर्गत बामौरी शाला में सिरोंज मार्ग पर पेट्रोल पंप के बाद एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में तेज गति में चल रहीं दो मोटरसाईकिलें आमने-सामने भिड़ गईं, जिससे दोनों मोटरसाईकिलों पर सवार पांच युवक लहूलुहान हो गए। इन में से युवकों को दीपनाखेड़ा थाना में तैनात एफआरव्ही 112 एवं दो युवकों को दीपनाखेड़ा थाने की पुलिस गाड़ी लेकर बहादुरपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची। जहां ड्यूटी डॉक्टर शिवम यादव ने परीक्षण के बाद दो युवकों को मृत घोषित कर दिया जबकि तीन युवकों को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल रिफर कर दिया। दुर्घटना में मृत हुए युवकों के नाम गोलू विष्वकर्मा निवासी लिधौरा सिरोंज उम्र 30 वर्ष एवं जितेन्द्र अहिरवार उम्र 25 वर्ष निवासी केशलोन अशोकनगर बताए गए हैं। इस दर्दनाक हादसे में एक ओर जहां दो युवकों की जान चली गई वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग की बदहाल व्यवस्थाएं, पुलिस की अमानवीयता और स्टाफकी मनमानी की तस्वीर सामने आई है।

बैतूल: सड़क हादसे में दंपती की मौत, ढाई साल की बेटी घायल

जागरण, बैतूल। बाइक सवार परिवार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने भोपाल-बैतूल नेशनल हाईवे पर कुचल दिया। हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी ढाई साल की मासूम बच्ची भी घायल हो गई, लेकिन उसकी जान सुरक्षित है। टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।
पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है। यह दर्दनाक हादसा शनिवार रात पाढर और बरेठा के बीच बांचा जोड़ के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, सोहागपुर निवासी विजय यादव (47) अपनी पत्नी आरती यादव (40) और ढाई साल की बेटी के साथ बाइक से इटारसी जा रहे थे। इसी दौरान भोपाल से बैतूल की ओर आ रहा तेज रफ्तार ट्रक संकरी पुलिया पर बाइक से टकरा गया। टक्कर मारने के बाद ट्रक अनियंत्रित हो गया और पति-पत्नी को कुचलते हुए निकल गया। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सड़क पर बच्ची घायल अवस्था में रोते हुए मिली, जिसे स्थानीय लोगों और पुलिस ने शाहपुर अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को जब्त कर लिया है।

धारकुंडी आश्रम : परमहंस सच्चिदानंद ब्रह्मलीन, आज दी जाएगी समाधि

सीएम और डिप्टी सीएम ने किया अंतिम दर्शन, उमड़े भक्त

जागरण, सतना। प्रसिद्ध धारकुंडी आश्रम के संस्थापक परमहंस स्वामी सच्चिदानंद महाराज का पार्थिव देह रविवार को आश्रम लाया गया। 102 वर्षीय सच्चिदानंद महाराज ने शनिवार का निधन हो गया था। जैसे ही उनका पार्थिक देह आश्रम में पहुंचा दर्शन करने वालों की भीड़ टूट पड़ी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भी अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। परमहंस सच्चिदानंद खुद ही अपना समाधि स्थल तय कर चुके थे। उसी स्थल पर सोमवार को समाधि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार नगर निगम परिषद के पूर्व अध्यक्ष सुधीर सिंह तोमर रविवार शाम धारकुंडी आश्रम पहुंचे। यहां स्वामी जी के अंतिम दर्शन कर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यात्मा का जाना हम सब के लिए कष्टकारी भी है। मैं बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि अपने धाम में स्थान दें।

इंदौर में यूथ वॉक ने बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

जागरण, इंदौर। शहर के नेहरू स्टेडियम से रविवार को 'यूथ वॉक-2026' शुरू हुई। इस युवा नशा-उन्मूलन जागरुकता वॉक ने वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (लंदन) में अपना नाम दर्ज कराया है। आयोजन में करीब 10 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया, जिससे नशा विरोधी जन-जागरूकता के क्षेत्र में यह कार्यक्रम एक विश्व रिकॉर्ड बन गया। 3 किलोमीटर लंबी यह वॉक नेहरू स्टेडियम से सुबह 9 बजे शुरू हुई। इसे लेकर यातायात पुलिस ने शहर के कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया। इस आयोजन में शामिल होने के लिए हजारों युवा पहुंचे।

उपजेलर पर मारपीट और अवैध वसूली के गंभीर आरोप, जांच शुरू

जागरण, गुना। जिले की चाचौड़ा उपजेल के भीतर कैदियों के साथ अमानवीय व्यवहार का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उपजेलर यूएस मोहाने कथित तौर पर कैदियों को पेड़ से लिपटाकर डंडे से पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि यह वीडियो करीब छह माह पुराना बताया जा रहा है, लेकिन वर्तमान में इसके सार्वजनिक होने के बाद जेल प्रशासन और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। सूत्रों के अनुसार, जेल में बंद कैदियों के परिजनों से सुविधाओं के बदले अवैध वसूली और पैसों की मांग की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं, जिन्हें अब इस वायरल वीडियो से बल मिला है।

बिजनेस प्लस

गेल लिमिटेड द्वारा भोपाल में 'सक्षम साइक्लोथॉन' का सफल आयोजन

भोपाल। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा 8 फरवरी 2026 को भोपाल में 'सक्षम साइक्लोथॉन' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल के मुख्य महाप्रबंधक एवं राज्य प्रमुख अजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ गेल इंडिया के आंचलिक मुख्य महाप्रबंधक रंजन कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं पेट्रोलियम उपक्रमों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। प्रातः 7 बजे मुख्य अतिथि ने झंडी दिखाकर 5 किमी साइकिल रैली का शुभारंभ किया, जो एमवीएम ग्राउंड से रोशनपुरा नानके पेट्रोल पंप और लिंक रोड होती हुई वापस एमवीएम ग्राउंड पर समाप्त हुई। इसमें स्कूलों, कॉर्पोरेट्स, साइकिल राइडर एसोसिएशनों और विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा लकी ड्रॉ के माध्यम से 4 विजेताओं को साइकिलें प्रदान की गईं।

होमियोविजन-3 राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन भोपाल में आयोजित

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयोजित होमियोविजन-3 राष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन में वरिष्ठ होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. एके द्विवेदी ने कहा कि एनीमिया जागरूकता अभियान अब मध्यप्रदेश की सीमाओं से आगे बढ़कर राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का रूप ले रहा है। हेल्दी वर्ल्ड विजन फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में उन्होंने अप्लास्टिक एनीमिया से पूर्णतः स्वस्थ हुए मरीजों के उपचार प्रकरण प्रस्तुत किए, जिन्हें चिकित्सकों और छात्रों ने सराहा। डॉ. द्विवेदी ने बताया कि यह अभियान इंदौर से शुरू होकर पिछले 27 वर्षों से निरंतर चल रहा है और अब इसे देशभर में विस्तार दिया जाएगा। इस वर्ष 17 फरवरी से 1 मार्च तक इंदौर में विशेष अभियान आयोजित होगा, जिसमें 70 लाख लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य है। अभियान के तहत एनीमिया के लक्षणों, पोषण, आयरन युक्त आहार, निःशुल्क जांच और परामर्श पर जोर दिया जाएगा। गर्भावस्था में एनीमिया को गंभीर राष्ट्रीय चुनौती बताते हुए उन्होंने नियमित जांच और संतुलित आहार की अपील की तथा मध्यप्रदेश में होम्योपैथी संस्थानों के विस्तार की मांग की।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई.डी. नं. 7800000107 आवेदन क्रमांक-10972 आवेदन दिनांक-04/02/2026
क्रमांक 1022/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 06/02/2026

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की पंचशील नगर योजना में स्थित भूखंड क्रमांक -107 (20*30), श्री नामदेव आत्मज स्व. श्री पतिराम गजभिये के नाम पर आवंटित है। आवंटी का स्वर्गवास दिनांक-02/12/2018 को एवं आवंटी के अविवाहित पुत्र श्री सिद्धार्थ का स्वर्गवास दिनांक -20/07/2017 को हो जाने के कारण आवंटी के समस्त वारिस क्रमशः 1. धर्मपत्नी श्रीमती विश्रांति बाई गजभिये 2. पुत्र गौतम नामदेव 3. पुत्री श्रीमती भाग्यश्री गजभिये 4, पुत्र श्री सूरज गजभिये 5. पुत्री श्री आम्रपाली गजभिये द्वारा आवेदन पत्र के साथ आवंटी का मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार कार्ड एवं समस्त वारिसों की सहमति/शपथ पत्र तथा वांछित प्रपत्रों को प्रस्तुत कर उक्त सम्पति अपने संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करे। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

जाहिर सूचना

एक किता डुप्लेक्स क्रमांक 620, सेक्टर-ए, राजा भोज आवासीय योजना, ग्राम गोंदरमउ, चरण-02, तहसील हुजूर जिला भोपाल के संबंध में।

मेरे पक्षकार ने असमा नवेद अली पत्नी श्री सैय्यद नवेद अली निवासी वी-21, वसुंधरा, स्टेट बैंक कॉलोनी, जहांगीराबाद, भोपाल, मध्यप्रदेश से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य एक किता दो मंजिला आवासीय मकान जो कि 620 पर निर्मित होकर सेक्टर-ए, बी.डी.ए. द्वारा विकसित कॉलोनी राजा भोज, आवासीय योजना ग्राम गोंदरमउ चरण 2, तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित जिसके भूखण्ड का क्षेत्रफल 7.50 मीटर गुणा 12.20 मीटर बराबर 91.5 वर्गमीटर अर्थात 984.54 वर्गफिट है जिस पर डुपलेक्स निर्मित है व उक्त सम्पत्ति भूमि खसरा क्रमांक 473/2, 474/2, 476/2/2 का अंश भाग पर स्थित है व जिसकी चतुर्थ सीमायें इस प्रकार है – पूरब में – 7.50 मीटर चौड़ा रोड, पश्चिम में – भूखण्ड क्रमांक 617, उत्तर में – भूखण्ड क्रमांक 621 एवं दक्षिण में – भूखण्ड क्रमांक 619 है, को क्रय करने का अनुबंध निष्पादित कर बयाना राशि अदा की गई है व उक्त सम्पत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, सोसायटी, या किसी अन्य को कोई आपत्ति हो या सम्पत्ति पर किसी प्रकार का दावा, झगड़ा, मांग, मतालबा या कोई अन्य विलेख निष्पादित किया गया हो, तो विज्ञप्ति दिनांक से 07 दिवस के अन्दर मेरे समक्ष सप्रमाण लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के बाद किसी आपत्ति पर विचार न किया जाकर मेरा पक्षकार अग्रिम कार्यवाही हेतु स्वतंत्र रहेगा, कृपया सूचित हो।

मो.अनस अहमद सिद्दीकी अधिवक्ता
फ्लेट नं. 2, प्रथम तल, दीपनिशा इनक्लेव, डी-110, फिरदोस नगर, बैरसिया रोड, भोपाल
मो.9981802782

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मध्य प्रदेश राज्य सरकार की 08, 16 और 21 वर्षीय प्रतिभूतियों की नीलामी

मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने नीलामी के माध्यम से कुल ₹ **5,000 करोड़ (अंकित मूल्य)** राशि की प्रतिभूतियों का पुनर्निर्गम का प्रस्ताव किया है।

एकाधिक मूल्य प्रारूप के अंतर्गत प्रतिफल आधारित नीलामी भारतीय रिज़र्व बैंक के कोर बैंकिंग सोल्यूशन **(ई-कुबेर)** पर **10 फ़रवरी 2026 (मंगलवार)** को आयोजित की जाएगी। व्यक्तिगत निवेशक भी **रिटेल डायरेक्ट पोर्टल (https://rbiretaildirect.org.in)** के माध्यम से गैर-प्रतिस्पर्धी योजना के अनुसार बोली लगा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट **(www.rbi.org.in)** पर **06 फ़रवरी 2026 (शुक्रवार)** की प्रेस प्रकाशनी देखें।

''पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं''

वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय,
देहरादून – 248195
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के खण्ड 3 के तहत)
(अधिसूचना संख्या एफ. 9–25/89–यू.3, दिनांक 6.12.1991 के द्वारा)

प्रवेश सूचना - 2026

1. **विज्ञान स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम**
आवेदन पत्र जारी करने की तारीख : 10 फरवरी, 2026
पूर्ण आवेदन पत्रों को प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2026
प्रवेश परीक्षा की तिथि : 03 मई, 2026
विश्वविद्यालय प्रशासन के स्व निर्णय एवं निष्पादन पर तिथियों में परिवर्तन किया जा सकता है।

क. **एम.एससी. वानिकी (43 सीट) पात्रता** : कम से कम एक विषय यथा वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भू–विज्ञान, गणित, भौतिक विज्ञान, प्राणि विज्ञान के साथ विज्ञान में तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री अथवा कृषि अथवा वानिकी में स्नातक की डिग्री।

ख. **एम.एससी. काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (43 सीट) पात्रता** : भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान के साथ तीन वर्षीय स्नातक डिग्री अथवा वानिकी में बी.एससी. डिग्री।

ग. **एम.एससी. पर्यावरण प्रबंध (43 सीट) पात्रता** : आधारिक अथवा प्रायोगिक विज्ञानों की किसी भी शाखा में तीन वर्षीय स्नातक की डिग्री अथवा वानिकी अथवा कृषि में स्नातक की डिग्री अथवा पर्यावरण विज्ञान में बी.ई./बी.टेक.।

घ. **एम.एससी. कोशाधु एवं कागज प्रौद्योगिकी (26 सीट) पात्रता** : एक विषय के रूप में रसायन विज्ञान के साथ विज्ञान में तीन वर्षीय स्नातक डिग्री अथवा बी.ई./बी.टैक. (कैमिकल अथवा मैकेनिकल इंजीनियरिंग)। इस पाठ्यक्रम के दूसरे वर्ष का आयोजन केन्द्रीय लुगदी एवं कागज अनुसंधान संस्थान, सहारनपुर में होगा।

2. **अंकों की प्रतिशतता** (अर्हता परीक्षा में) GEN/OBC/EWS/PH श्रेणी मे न्यूनतम 50% अंक और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति मे न्यूनतम 45% अंकों वाले अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।
3. **परीक्षा केन्द्र:** 1. देहरादून, 2. जबलपुर, 3. बंगलौर, 4. कोलकाता, 5. चण्डीगढ़, 6. दिल्ली, 7. लखनऊ, 8. जोधपुर, 9. शिमला, 10 रांची, 11. कोयम्बटूर, 12. जोरहाट, 13. हैदराबाद।
4. **आरक्षण** : प्रत्येक कार्यक्रम में SC/ST/OBC/EWS/PwD अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण भारत सरकार (GoI) की नीति के अनुसार होगा।
5. **भा.वा.अ.शि.प. कर्मचारीयों के लिए** – एम.एससी. के प्रत्येक पाठ्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प. एवं इसके संस्थानो के नियमित कर्मचारीयों हेतु 02 सीटें तय सीटों के अतिरिक्त आरक्षित हैं।
6. **आवेदन करने की प्रक्रिया:** सूचना बुलेटिन एवं आवेदन पत्र वेबसाइट **www.fridu.edu.in** से डाउनलोड किए जा सकते है। अभ्यर्थियों को विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र प्रत्येक प्रोग्राम के लिए रू0 1500/– **(रूपये एक हजार पांच सौ मात्र) Registrar, FRIDU, Dehradun के पक्ष में बैंक डिमांड ड्राफ्ट** के साथ कुलसचिव, वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय, पी.ओ. आई.पी.ई. कौलागढ़ रोड़, देहरादून–248195 उत्तराखंड को भेजना होगा।

कुलसचिव
वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय
दूरभाष सं0 0135–2224439/2224495

भोपाल हाट में आदि महोत्सव की धूम

24 हजारी नंदी और डिंडोरी के धातु शिल्प ने मोहा मन

जागरण, भोपाल। राजधानी का भोपाल हाट इन दिनों एक ऐसे लघु भारत में तब्दील हो गया है, जहाँ देश के कोने-कोने से आए जनजातीय कलाकारों के हुनर की गूंज सुनाई दे रही है। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित आदि महोत्सव में मध्य प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़, सिक्किम और असम की कला व संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। यहां मशीनी चमक नहीं, बल्कि शिल्पकारों के हाथों का जादू और उनकी मिट्टी की सोंधी महक लोगों को अपनी ओर खींच रही है। इस महोत्सव में 400 रुपये से लेकर हजारों रुपये तक के कलात्मक उत्पाद मौजूद हैं। शिल्पकारों के लिए यह मेला केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि उनकी साल भर की मेहनत को सही बाजार और सम्मान दिलाने का जरिया है।

सिंगल वुड से तराशे 24 हजारी नंदी

मेले में नवादा के शिल्पी संदी रखिया के स्टॉल पर लोगों की भारी भीड़ जुट रही है। उनके पास साबुन की लकड़ी से बनी अद्भुत मूर्तियाँ हैं। इस स्टॉल का सबसे खास आकर्षण 24,000 रुपये के नंदी हैं। इस भव्य मूर्ति की विशेषता यह है कि इसे किसी जोड़ के बिना एक ही लकड़ी (सिंगल वुड) से तराशा गया है। नंदी और भगवान राम जैसी बारीक मूर्तियां बनाने में कलाकार को एक महीने से च्यादा का समय और कड़ा परिश्रम लगा है।

डिंडोरी के लामन दीये और धातु शिल्प

डिंडोरी से आए कलाकार संतोष कुमार जनजातीय संस्कृति के उन प्रतीकों को लेकर आए हैं, जो अब शहरों में कम ही दिखते हैं। उनके पास पारंपरिक लामन दिया, हिरण के स्टैंड वाले दीये और आदिवासी जीवन की कहानियों को दर्शाने वाले मेटल पैनल उपलब्ध हैं। धातु शिल्प के ये उत्पाद वहां की लोक कथाओं और जनजातीय पहचान को जीवित रखे हुए हैं।

गौहर महल में सजी बाग प्रिंट की विरासत

बाघनी का बहता पानी और 300 ब्लॉकों की नक्काशी

जागरण, भोपाल। राजधानी के ऐतिहासिक गौहर महल में इन दिनों परंपरा की सोंधी महक बिखरी है। बाग-कुक्षी मेले में मध्य प्रदेश की 500 साल पुरानी बाग प्रिंट कला अपनी शुद्धता और कठिन परिश्रम की दास्तां बयां कर रही है। जहां मशीनें मिनटों में कपड़ा तैयार करती हैं, वहीं यहाँ का हर धागा कारीगरों के महीनों के धैर्य और प्रकृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव की गवाही दे रहा है।

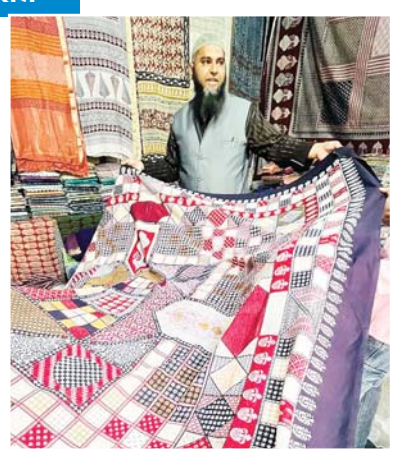

राष्ट्रपति अवार्ड के लिए तपस्या

मेले का सबसे बड़ा आकर्षण वह विशेष चादर है, जिसे तैयार करने में कारीगरों को 4 महीने का समय लगा। इसकी बारीकी का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसे छापने में 300 अलग-अलग लकड़ी के ब्लॉकों का इस्तेमाल हुआ है। घर के बुजुर्गों और अनुभवी कलाकारों की दिन-रात की मेहनत से बनी यह चादर अपनी विशिष्टता के कारण राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए नामांकित की गई है।

नदी और वनस्पति का संगम

बाग प्रिंट की रूह बाघनी नदी में बसती है। कारीगरों का दावा है कि इस नदी के पानी में मौजूद विशेष खनिज ही रंगों में वह निखार लाते हैं, जो किसी और पानी से संभव नहीं। यहाँ रंग रसायनों से नहीं, बल्कि प्रकृति से मिलते हैं-लाल रंग फिटकरी और इमली के चिया (बीज) से, तो अन्य रंग धवड़ी के फूलों और जड़ी-बूटियों से तैयार होते हैं।

शुद्धता की अनूठी कसौटी : इस कला में कपड़े को तैयार करने की प्रक्रिया (खारा करना) ही 30-35 दिन लेती है, जिसमें बकरी की मेंगनी और अरंडी के तेल का उपयोग होता है। खत्री परिवार की पीढ़ियों द्वारा सहेजी गई इस कला की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यदि कपड़े में एक धागा भी सिंथेटिक हो, तो ये प्राकृतिक रंग उस पर नहीं चढ़ते।

रील्स से रियल सक्सेस तक

नौकरी छोड़ी, रिस्क लिया और बनाई डिजिटल पहचान

आजकल कंटेंट क्रिएशन सिर्फ फन का तरीका नहीं, बल्कि करियर और खुद की ब्रांड बनाने का रास्ता भी बन चुका है। कंटेंट की लगातार क्रिएशन, सही लाइटिंग, साउंड और थोड़ी मेहनत ही आपको डिजिटल दुनिया में अपनी खास पहचान दिलाएगी। बस अपना आइडिया पकड़ें, रिकॉर्ड करें और शेयर करें बाकी तो सोशल मीडिया की जादूगरी आपको खुद वायरल कर देगी!

श्वेता कुमारी। सरकारी नौकरी, कॉर्पोरेट करियर और सुरक्षित जिंदगी का सपना छोड़कर जब कोई युवा अपने जुनून के पीछे निकल पड़ता है, तो वह सिर्फ अपना भविष्य नहीं गढ़ता, बल्कि दूसरों के लिए भी नई राह खोलता है। भोपाल के दो युवाओं प्रभात पोद्दार और चिन्मय ने यही कर दिखाया। एक ने बैंक की मैनेजर की कुर्सी छोड़कर मोटिवेशन और मैनेजमेंट की दुनिया में डिजिटल पहचान बनाई, तो दूसरे ने कैमरा उठाकर शहर की धड़कनों को सोशल मीडिया पर जिंदा कर दिया। आज दोनों ही अपने-अपने प्लेटफॉर्म के जरिए लाखों लोगों तक पहुंच बना चुके हैं और भोपाल की डिजिटल पहचान का चेहरा बन गए हैं। इनकी कहानियां बताती हैं कि अगर सोच साफ हो, मेहनत सच्ची हो और कंटेंट दमदार हो - तो सोशल मीडिया सिर्फ टाइमपास नहीं, एक मजबूत करियर भी बन सकता है।

सरकारी नौकरी छोड़ सोशल मीडिया में बनाई पहचान

इंस्टा आईडी- @prabhat.bhopal

फॉलोअर्स 4.67 लाख

प्रभात पोद्दार कभी एसबीआई में मैनेजर थे, लेकिन नौकरी में मन न लगने पर उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद स्टॉक मार्केट में नुकसान झेलना पड़ा, जिससे वे मानसिक रूप से टूट गए। इसी दौर से बाहर निकलने के लिए उन्होंने अपने अनुभवों पर वीडियो बनाना शुरू किया। मोटिवेशन, मैनेजमेंट और मार्केटिंग पर उनके सिंपल और रियल वीडियो लोगों को खूब पसंद आए। कार में या कॉफी शॉप पर शूट किए गए उनके वीडियो तेजी से वायरल होने लगे। टीचिंग के शौक ने उन्हें मैनेजमेंट क्लास और फिर आईपर कॉलेज में गेस्ट फैकल्टी तक पहुंचाया। आज प्रभात की मजबूत फॉलोइंग देखकर कई ब्रांड्स प्रमोशन के लिए संपर्क कर रहे हैं। फिलहाल वे महीने में एक से डेढ़ लाख रुपए तक कमा रहे हैं।

शौक से शुरू हुआ सफर, बना भोपाल की डिजिटल पहचान

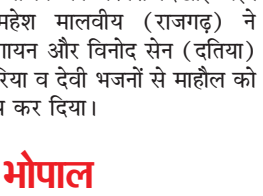

इंस्टा आईडी- update_bus_bhopal

फॉलोअर्स 1.72 लाख

फोटोग्राफी के शौक से शुरू हुआ 'अपडेट बस भोपाल' आज शहर का भरोसेमंद डिजिटल प्लेटफॉर्म बन चुका है। सिविल इंजीनियरिंग की नौकरी के दौरान चिन्मय शहर के इवेंट्स की तस्वीरें लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते थे। लोगों की दिलचस्पी बढ़ी तो 2019 में उन्होंने नौकरी छोड़कर इसे फुल-टाइम बना लिया। कोविड के दौरान यह प्लेटफॉर्म शहर का डिजिटल हेल्प डेस्क बना, जहां भोजन, दवा, अस्पताल और बेड से जुड़ी जानकारी दी गई। आज चिन्मय इंस्टाग्राम फूड, फैशन, एजुकेशन व रोजगार जैसी कई कैटेगरी में काम कर रहे है। चिन्मय गोधा को कोरोना वॉरियर समेत कई सम्मान मिल चुके हैं और उनका लक्ष्य 'अपडेट बस भोपाल' को शहर की सबसे भरोसेमंद डिजिटल आवाज बनाए रखना है।

जनजातीय संग्रहालय में गूंजे कबीर के पद और थिरके भगोरिया के कदम

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में कला, नृत्य और गायन पर केंद्रित साप्ताहिक श्रृंखला संभावना में इस रविवार दर्शकों को मालवा के भगोरिया नृत्य से लेकर निमाड़ की गणगौर परंपरा और कबीर गायन का अनूठा संगम देखने को मिला।

भगोरिया की मस्ती : धार के कलाकारों ने बिखेरी भगोरिया की छटा-कृष्णा मालीवाड़ और साथियों (धार) ने भील जनजाति का पारंपरिक भगोरिया नृत्य पेश किया। होली के अवसर पर होने वाले इस नृत्य में रंग-बिरंगी वेशभूषा, हाथ में तीर-कमान और पिरामिड नुमा शारीरिक मुद्राओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गणगौर और भक्ति

निमाड़ी संस्कृति और कबीर गायन- भोपाल की राखी बांके और टीम ने गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसमें रनुबाई और सूर्यदेव के रथों को सिर पर रखकर नाचने की परंपरा दिखाई गई। वहीं, महेश मालवीय (राजगढ़) ने कबीर गायन और विनोद सेन (दतिया) ने लांगुरिया व देवी भजनों से माहौल को भक्तिमय कर दिया।

ड्रीम ऑन रैम्प

- नाम- कोपल
- जन्मतिथि- 06 अप्रैल 2004
- आयु- 21 वर्ष
- ऊँचाई- 5 फीट 7 इंच
- वज़न- 54 किलोग्राम
- रंगत- गोरा
- आँखों का रंग- काला

मेरा नाम कोपल है। मैंने अपनी स्कूली शिक्षा होली फैमिली स्कूल से पूरी की है और वर्तमान में ग्रेजुएशन कर रही हूं। मैं पिछले 4 वर्षों से मॉडलिंग के क्षेत्र में सक्रिय हूं। मैंने एमपी टूरिज्म और यूपी टूरिज्म के लिए रैंप वॉक किया है तथा टाटा ब्रांड टनीरा के लिए भी वॉक कर चुकी हूं। इसके अलावा मैंने मिस इंडिया पेजेंट में भाग लिया है और मुंबई में भी मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। मैं सोशल मीडिया पेजेज़ हैंडल करने का अनुभव भी रखती हूं। मेरा लक्ष्य एक्टिंग के क्षेत्र में करियर बनाकर अपनी अलग पहचान बनाना है।

एलबीटी में नाटक मध्यांतर का मंचन

जीवन की भागदौड़ में 'मध्यांतर' जरूरी

जागरण, भोपाल। भागदौड़ भरी जिंदगी में क्या हम अपनों के लिए रुकते हैं? इसी सवाल का जवाब तलाशता नाटक मध्यांतर रविवार की शाम रंगश्री लिटिल बैले ट्रूप के मंच पर पेश किया गया। एकरंग सोशियो कल्चरल सोसाइटी की इस प्रस्तुति ने व्यंग्य के तीखे बाणों और गुदगुदाते संवादों के जरिए दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। प्रख्यात लेखक जयवर्धन की लेखनी और विभा श्रीवास्तव के निर्देशन ने इस शाम को यादगार बना दिया।

रिश्तों के बीच का ठहराव

नाटक मध्यांतर की पटकथा हमारे समाज और मध्यमवर्गीय परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी का आईना है। कहानी उन मानवीय रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां संवाद की कमी दूरियां पैदा कर देती है। मंच पर कलाकारों ने दिखाया कि कैसे जीवन की इस भागदौड़ में छोटे-छोटे ठहराव (मध्यांतर) जरूरी हैं, ताकि हम खुद को और अपने रिश्तों को दोबारा समझ सकें। नाटक में उन अनकही सच्चाइयों को बड़ी बेबाकी से पेश किया गया, जिन्हें हम अक्सर महसूस तो करते हैं लेकिन कह नहीं पाते। व्यंग्य के माध्यम से समाज की विसंगतियों पर जो प्रहार किए गए, उन्होंने दर्शकों को हंसने के साथ-साथ गंभीर चिंतन पर भी विवश कर दिया।

बोट क्लब पर जुटे लौह पुरुष

जमरान और एमिली ने जीती ट्रायथलॉन-ड्युथलॉन की चुनौती

जागरण, भोपाल। बोट क्लब पर रविवार को भोपाल रनर्स द्वारा आयोजित सरदार पटेल लौह पुरुष 70.3 ट्रायथलॉन और ड्युथलॉन के तीसरे संस्करण में खिलाड़ियों ने अपनी सहनशक्ति का लोहा मनवाया। सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस चुनौतीपूर्ण इवेंट में प्रतिभागियों ने स्विमिंग, साइकिलिंग और रनिंग के जरिए अपना दमखम दिखाया। सबसे कठिन मानी जाने वाली ट्रायथलॉन (1.9 किमी स्विमिंग, 90 किमी साइकिलिंग, 21 किमी रनिंग) में जमरान हुसैन पुरुष ओपन कैटेगरी के चैंपियन बने। वहीं, ड्युथलॉन में पुरुष वर्ग से शेखर चंद्र धुरुआ और महिला वर्ग में विदेशी एथलीट एमिली वैन लू ने बाजी मारी। 18-30 आयु वर्ग में दिव्यांशु और 45+ में नरेंद्र विश्वकर्मा अव्वल रहे। भोपाल रनर्स के अध्यक्ष डॉ. जुनैद रहीम ने बताया कि 300 वॉलेंटियर्स और रेस्क्यू टीमों की मौजूदगी में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम थे। मुख्य अतिथि रिटायर्ड मेजर जनरल टी.पी.एस. रावत ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

इतिहास के पन्नों में भोपाल

गोंडकालीन वैभव से लेकर सबसे छोटी मस्जिद तक का सफर

जागरण, भोपाल। शहर की साझी संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से जानने के लिए पुरातत्व इंडिया संस्था द्वारा एक विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। पुरातत्वविद शिवाजी राय के नेतृत्व में आयोजित इस वॉक में कला, शिक्षा और प्रशासन जगत की 30 प्रमुख हस्तियों ने हिस्सा लिया। कमला पार्क से शुरू होकर इकबाल मैदान पर समाप्त हुई इस यात्रा ने भोपाल के अनछुए ऐतिहासिक तथ्यों को उजागर किया। वॉक लीडर शिवाजी राय ने बताया कि कमलापति महल भोपाल का एकमात्र स्मारक है जो गोंड काल की याद दिलाता है। महल की सबसे बड़ी विशेषता यहां लगा पनचक्की संयंत्र है। वॉक के दौरान प्रतिभागियों ने बेगमों द्वारा निर्मित गौहर महल, मोती महल और शौकत महल की वास्तुकला को समझा। शौकत महल का आर्किटेक्चर गोथिक शैली में बना है, जिस पर फ्रांस के राजपरिवार (बोर्बन्स) का स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है। यह कभी नवाब हमीदुल्लाह के दौर का शाही गेस्ट हाउस था। गौरव की बात यह है कि मशहूर शायर अल्लामा इकबाल अपने भोपाल प्रवास के दौरान यहीं ठहरे थे।

भारत की सबसे छोटी इबादतगाह

इस हेरिटेज वॉक का समापन फतहगढ़ किले के बुर्ज पर बनी ढाई सीढ़ी मस्जिद पर हुआ। इसे भारत की सबसे छोटी मस्जिद होने का गौरव प्राप्त है। प्रतिभागियों ने जाना कि कैसे भोपाल का इतिहास अलग-अलग संस्कृतियों और शैलियों का एक खूबसूरत मिश्रण है।

जनजातीय संग्रहालय में कुम्हार सिंह की 'शलाका'

संतानों को बनाया 'गुरु', अब कैनवास पर उतरी पिता की कला

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की 'लिखन्दरा दीर्घा' में 70वीं 'शलाका' चित्र प्रदर्शनी का आगाज हुआ, जो इस बार डिंडोरी के पाटनगढ़ निवासी गोंड चित्रकार कुम्हार सिंह धुर्वे की कला को समर्पित है। यह प्रदर्शनी 28 फरवरी तक कला प्रेमियों के लिए विक्रय हेतु उपलब्ध रहेगी। कुम्हार सिंह की कला यात्रा परंपरा से बिल्कुल अलग और भावुक करने वाली है। उन्होंने चित्रकला किसी गुरु या पूर्वजों से नहीं, बल्कि अपने बेटों की संगत में सीखी। मूलतः किसान रहे 50 वर्षीय कुम्हार सिंह स्वयं शिक्षित नहीं हैं, लेकिन उन्होंने संघर्ष कर अपनी तीनों संतानों को पढ़ाया। आज जब उनके बच्चे गोंड कला में माहिर हुए, तो पिता ने भी उनके साथ रंग और ब्रश उठा लिए। कुम्हार सिंह अपनी इस सफलता का पूरा श्रेय अपनी संतानों को ही देते हैं। उनके चित्रों में डिंडोरी के घने जंगलों, ऊँचे पहाड़ों और पशु-पक्षियों का सहज ग्रामीण जीवन बड़ी खूबसूरती से उकेरा गया है। दिल्ली और प्रयागराज में अपनी कला का लोहा मनवा चुके कुम्हार सिंह के ये चित्र जनजातीय जीवन के गहरे दर्शन कराते हैं।

भारत भवन का 44वां स्थापना दिवस 13 से

जागरण, भोपाल। बहुकला केंद्र भारत भवन आगामी 13 से 22 फरवरी तक अपना 44वां वर्षगांठ समारोह आयोजित करने जा रहा है। कृतज्ञता और उत्सवधर्मिता की थीम पर आधारित इस 10 दिवसीय महोत्सव में शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, नाटक और कला प्रदर्शनी के विविध रंग देखने को मिलेंगे।

समारोह में कब क्या होगा

13 फरवरी: शाम 6 बजे से संतोष कुमार पांडेय का राई नृत्य, 44 महिला कलाकारों की प्रदर्शनी, मप्र नाट्य विद्यालय का रंग संगीत और पंडित हरिप्रसाद चौरसिया व शिष्यों का बांसुरी वादन।

14 फरवरी: सुबह 11 बजे ग्राफिक एवं सिरेमिक कला शिविर। शाम 4 बजे राजा भोज पर विमर्श और शाम 7 बजे विजय घाटे का तबला वादन।

15 फरवरी: दोपहर 2 बजे फिल्म 'सत्यकाम' (धर्मेंद्र स्मृति)। शाम 6 बजे निमाड़ी ऋतुगीत, मुसाधा गायन और पंडित दीपक महाराज व शिष्यों का कथक नृत्य।

16 फरवरी: दोपहर 2 बजे फिल्म 'आंखें'। शाम 7 बजे राजीव वर्मा के निर्देशन में नाटक 'कैक्टस फ्लावर' का मंचन।

17 फरवरी: दोपहर 2 बजे फिल्म 'चुपके-चुपके'। शाम 7 बजे वास्वती मिश्रा द्वारा निर्देशित 'बाल रामायण'।

18 फरवरी: दोपहर 2 बजे फिल्म 'अनुपमा'। शाम 7 बजे सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ के निर्देशन में नाटक 'डैडी' की प्रस्तुति।

19 फरवरी: शाम 6 बजे निनाद अधिकारी का संतूर वादन। शाम 7 बजे संजय श्रीवास्तव के निर्देशन में नाटक 'आनंद मठ'।

20 फरवरी: शाम 6 बजे मालवी ऋतुगीत, चंदन तिवारी का भोजपुरी गायन और शाम 7:20 बजे संजीव अभ्यंकर का शास्त्रीय गायन।

21 फरवरी: शाम 6 बजे आबिद हुसैन का सारंगी वादन। शाम 6:40 बजे लीलाधर जगूड़ी और उर्मिला शिरीष सहित अन्य साहित्यकारों का रचना पाठ।

22 फरवरी: शाम 6 बजे बुंदेली और बघेली ऋतुगीत। शाम 7 बजे समापन अवसर पर पंडित रतिकान्त महापात्र व साथियों का ओडिसी नृत्य।

शासकीय माध्यमिक शाला में नाट्य कार्यशाला व मंचन आयोजित

थिएटर इन एजुकेशन के जरिए 15 बच्चों ने सीखा अभिनय का ककहरा

जागरण, भोपाल। फ्लाइंग फैरीज नाट्य एवं सांस्कृतिक संस्था के तत्वावधान में शासकीय माध्यमिक शाला, भोईपुरा में एक विशेष नाट्य कार्यशाला और मंचन का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने सामाजिक चेतना पर आधारित नाटक हमारा स्कूल-संस्कारों का घर की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। नाट्य निर्देशक डॉ. आजम खान ने बताया कि थिएटर इन एजुकेशन पद्धति के तहत 15 से अधिक बच्चों को अभिनय की बारीकियां सिखाई गईं। इन बच्चों ने पहली बार मंच पर कदम रखा और पूरे आत्मविश्वास के साथ संवाद अदायगी की। नाटक के माध्यम से विद्यालय में स्वच्छता, अनुशासन और जिम्मेदारी जैसे गंभीर विषयों को हास्य और रोचकता के साथ पेश किया गया। नाटक में कूड़ा मास्टर और प्रधानाचार्य जैसे पात्रों ने दर्शकों को खूब हंसाया और साथ ही यह महत्वपूर्ण सीख दी कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ जीवन का आधार है। अंत में बच्चों और स्टाफ ने अपने परिवेश को साफ रखने और जीवन में अच्छे संस्कारों को अपनाने का संकल्प लिया। स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती अज़रा शेरवानी ने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मील का पत्थर साबित होती हैं।

संत हिरदाराम नगर में बिन बरसात सड़कों पर कीचड़ एवं जल भराव

जगह जगह बह रहा सीवेज का पानी, बदबू से जनता का बुरा हाल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर की अनेक सड़के इन दिनों जलमग्न है, और जगह जगह कीचड़ का आलम है, जबकि आसामान से एक बूंद भी टपक नहीं रही है, तेज धूप रोज ही खिल रही है, दरअसल सड़कों पर जमा पानी एवं कीचड़ के पीछे बरसात नहीं बल्कि यहां का पूरी तरह से बिगड़ चुका सीवेज सिस्टम है, और जगह जगह चैम्बर चैक हो रहे हैं, जिस कारण सड़कों पर से गुजरना मुश्किल हो रहा है। जहां जहां सीवेज का पानी सड़कों पर जमा है, उसके आस पास रहने वाले आम लोगों का बद्बू के मारे बुरा हाल है। इतना ही नहीं पंजाब नेशनल बैंक रोड पर तो लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल, साधु वासवानी स्कूल एवं स्वामी शांति प्रकाश स्कूल है, जहां पढ़ने के लिए आने वाले नन्हे मुन्नों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार लोग इसके प्रति बिलकुल भी सजग दिखाई नहीं दे रहे हैं, जिस कारण आम जनता में उनके प्रति गहरा असंतोष व्यापत है।

सीवेज का पुराना सिस्टम

संत हिरदाराम नगर की आबादी तेजी से बढ़ रही है, पूर्व में जहां केवल वार्ड तीन एवं चार तक ही यहा इलाका सिमटा हुआ था, वहीं तीन दशकों में वन ट्री हिल्स की नई कालोनी विकसित हुई है।

इसके अलावा लक्ष्मण नगर, निर्मन नर्सरी, वन ट्री हिल्स के आस पास बड़ी संख्या में बनी झुग्गियां, राजेन्द्र नगर, माझी नगर, फाटक रोड के आस पास बनी कालोनियों का भी दबाव पूरी तरह से पुराने सीवेज सिस्टम पर है। अनेक जगह घरों से निकलने वाला गन्दा पानी नालियों के अभाव में उसे सीवेज से जोड़ दिया गया है, ऐसे में वे बार बार ओवर फ्लो होकर चैक हो रही हैं, और सारी गन्दगी सड़कों पर बह रही है।

तत्काल अमल की जरूरत हालांकि लगभग 400 करोड़ की लागत से अमृत योजना के तहत समूचे उपनगर एवं राजधानी में अनेक जगहों पर सीवेज एवं पीने के लिए पाइप लाइनों का जाल बिछाया जाना है, लेकिन अगर बात की जाए केवल इस उपनगर की तो यहां साधु वासवानी कालेज के सामने नया ट्रीटमेंट प्लांट एवं पानी की अधिक क्षमता वाली पानी की टंकी का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है, और वहां से लेकर नेहरू पार्क तक पानी की पाइन लाइन की बिछाइ जा रही है, लेकिन जहां तक सीवेज सिस्टम का सवाल है, तो उसका काम अभी तक प्रारंभ नहीं हुआ है, जबकि लोगों को पीने के पानी से कहीं अधिक सीवेज सिस्टम के सुधार की जरूरत है, ताकि सड़कों पर चेम्बर चैक होने से गन्दगी भराव एवं अनेक घरों में चेम्बर ओवर फ्लो हो जाने के कारण सीवेज का जो पानी वापस घरों में घुस रहा है, उससे निजात मिल सके।

> पंजाब नेशनल बैंक रोड पर बार बार सीवेज चैक हो जाने से पानी सड़क पर फैल जाता है, इस मार्ग पर तीन तीन स्कूल हैं, ऐसे में बच्चों को भारी दिक्कत होती है, बीमारियां फैलने का भय बना हुआ है। **-किरणदेवी वाधवानी,** अध्यक्ष, महिला सिंधी पंचायत

नालियों का पानी भी सड़कों पर

संत हिरदाराम नगर में जहां सीवेज सिस्टम पुराना पड़ चुका है, और वर्तमान आबादी का बोझ ढोने में बुरी तरह से नाकाम है, जिस वजह से अनेक जगहों पर चेम्बर चैक हो रहे हैं, वहीं नालियों का गन्दा पानी भी सड़कों पर जमा हो रहा है। दरअसल उपनगर में खासतौर पर वार्ड तीन, चार एवं पांच में नालियों पर अवैध निर्माण किया गया है, उनकी निकासी अवरुद्ध हो गई है, निकासी के अभाव में नालियों का गन्दा पानी भी जहां भी जगह मिलती है, निकलकर सड़कों पर फैल रहा है। वार्ड चार में निरंकारी मण्डल रोड, पंजाब नेशनल बैंक रोड, डा. भंभानी क्लीनिक रोड, वार्ड 5 में कम्युनिटी हाल के आस पास, सिंधु समाज भवन के समीप, कम्युनिटी हाल से पार्किंग काम्पलेक्स जाती सड़क पर हमेशा नालियों का गन्दा पानी सड़कों पर फैलता देखा जाता है। सिंधु समाज भवन का एक हिस्सा तो पूरी तरह से नाले पर बना हुआ है, जहां पर गन्दगी की निकासी नहीं होने से आस पास की सड़के गन्दे पानी से लबालब देखी जाती हैं।

> हमने चार दिन पूर्व ही नगर निगम कमिश्नर से मुलाकात कर उनसे अमृत योजना के अन्तर्गत सीवेज लाइन का काम जल्द से जल्द प्रारंभ करने एवं तेजी लाने का आग्रह करते हुए ज्ञापन सौंपा है। **- राजेश हिंगोरानी,** एमआईसी सदस्य नगर निगम

कांग्रेस को योजना से नहीं, बल्कि उसके नाम से तकलीफ है: पटेल

जागरण, बैरसिया। मनरेगा योजना में यह पहला नहीं ,बल्कि चौथा बदलाव है। पहले रोजगार गारंटी हुई, फिर नरेगा हुई और इसके बाद मनरेगा हुई। यह तीन बदलाव हमने नहीं किए थे, बल्कि कांग्रेस शासनकाल में हुए थे, तब मैं सांसद था। अब जब हमने इसको बेहतर बनाने के लिए इसमें जो कमियां थी उन्हें हटाकर नहीं चीजें जोड़ कर जीराम जी नाम दिया तो कांग्रेस को तक्लीफ हो रही है। असल में कांग्रेस को तकलीक योजना से नहीं है, बल्कि राम जी के नाम से हो रही है।

यह बात पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने रविवार को जनपद पंचायत परिसर बैरसिया में आयोजित वीबी जीरामजी संगोष्ठी कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि इस योजना ग्राम पंचायतों की विकास की रफ्तार बढ़ेगी। इस रफ्तार को बढ़ाने का काम सरपंचों को करना है। जीरामजी में राज्य का अंश 40 प्रतिशत होने से अब रोजगार सहायकों को वेतन समय पर मिलना शुरू हो जाएगा। रोजगार सहायकों का वेतन बढ़ाने का प्रावधान भी इस बजट में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि हम पंचायतों में राशि देने में कोई कंजूसी नहीं करते है। मगर जो राशि पहले आपके पास है, उसे खर्च करें फिर योजना बनाकर लाएं, मै राशि दूंगा। मंत्री पटेल ने कहाकि अब 16 वां वित्त आयोग भी आने वाला है।

अब आपके तीन मद हो जाएंगे। उन्होंने कहाकि बैरसिया विधायक ने जनपद पंचायत भवन की मांग की है। यदि जनपद पंचायत के पास 2 एकड़ जमीन होगी तो अगली सूची में अटल सुशासन भवन देने पर विचार करेंगे। विधायक खत्री ने इस मौके पर कहा कि अब यदि किसी मजरे-टोले में 20 घर भी है और केवल 100 जनसंख्या है तो आगामी तीन साल के अन्दर हर जगह सड़क बन जाएगी। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने मंत्री प्रहलाद पटेल के सामने जनपद पंचायत बैरसिया में हुए विकास कार्य और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। संगोष्ठी से पहले मंत्री पटेल ने 58 सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुंवर नौरंग गुर्जर, जनपद पंचायत अध्यक्ष लता कुबेर सिंह गुर्जर सहित सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक आदि मौजूद रहे।

शिवरात्रि पर महाभंडारे के लिए भूमि पूजन

जागरण, भोजपुर। आगामी 15 तारीख को पड़ने वाली शिवरात्रि के अवसर पर ओम शिव शक्ति सेवा मंडल द्वारा प्रतिवर्षानुसार आयोजित किए जाने वाले महा भंडारे के लिए रविवार को भूमि पूजन किया गया। यह सेवा कार्य शिवशक्ति मंडल भोपाल एवं मंडीदीप के संयुक्त तत्वावधान में विगत 23 वर्षों से निरंतर और सफलतापूर्वक संपन्न किया जा रहा है। भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री विश्वास कैलाश सारंग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर भोपाल मंडल से रिंकु भटेजा एवं मंडीदीप से विपिन भार्गव विशेष रूप से शामिल हुए। विपिन भार्गव ने बताया कि शिवरात्रि पर प्रतिवर्ष लगभग एक से डेढ़ लाख श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करते हैं। वहीं उपवास रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए फलाहार की भी अलग से व्यवस्था की जाती है। भूमि पूजन अवसर पर बड़ी संख्या में शिवभक्त एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में दीक्षांत समारोह संपन्न

मंडीदीप। नगर के वार्ड 23 में स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कक्षा दशम के भैया-बहनों के सम्मान में दीक्षांत समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह का आयोजन कक्षा नवम के भैया-बहनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल तथा मुख्य अतिथि विद्यालय समिति सचिव डॉ. दीपेन्द्र पाल उपस्थित रहे। कक्षा दशम के विद्यार्थियों ने अपने विद्यालय जीवन के अनुभव साझा किए। विशिष्ट अतिथि श्री अग्रवाल ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विद्यालय व नगर का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में विद्यालय की उपलब्धि पर बधाई भी दी।

मुम्बई के अनिल भगत का होगा सिंधी कार्यक्रम

विक्रमादित्य महोत्सव को लेकर बैठक का आयोजन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हर साल की तरह इस बार भी 20 से 23 फरवरी तक चार दिवसीय राजा वीर विक्रमादित्य महोत्सव उत्साह एवं परम्परागत ढंग से मनाने की जोरदार तैयारियां की गई हैं। यह आयोजन पिछले 60 सालों से हिकया जा रहा है। इस बार समारोह के लिए रविवार को झूलेलाल मंदिर सभागार में विक्रमादित्मय मंदिर समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष किशोर तेजवानी ने की। अन्य पदाधिकारी सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, ईश्वरदास हिमथानी, लख्मीचंद नरियानी, सुरेश जसवानी, जेठानंद मूलचंदानी, नरेश चोटरानी, बसंत चेलानी, राज मनवानी, हीरो इसरानी, जानी मूलचंदानी, नरेश पेसवानी, नंदकुमार दादलानी, पुरूषोतम हरचंदानी,, गोविंद पेसवानी, प्रकाश मेहरचंदानी, बबलू टेकचंदानी, शम्मी गंनवानी, जानकीदास भारानी, केशवलाल पेसवानी व अजीत की मौजूदगी में हुई बैठक में तय किया गया कि इस बार अन्य सिंधी कलाकारों के अलावा मुम्बई के उल्हासनगर के विश्व प्रसिद्ध सिंधी भक्ति गीतों के प्रस्तुतकर्ता अनिल भगत का भी शानदार प्रोग्राम किया जाएगा। पहले दिन 20 फरवरी को विक्रमादित्य महोत्सव प्रोग्राम समिति के दिवंगत पदाधिकारी प्रेमचंद तेजवानी, नारीमल नरियानी, नारी तनवानी एवं रूपचंद रायचंदानी को समर्पित रहेगा जबकि 21 की सुबह 10 बजे चार दिवसीय मेले का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा। तीनों दिन सिंधी भक्ति गीतों का शानदार प्रोग्राम किया जाएगा।

किशोर व जेठानंद को बनाया प्रभारी : बैठक में समिति के मुख्य सलाहकार सुरेश जसवानी चार दिवसीय राजा वीर विक्रमादित्य महोत्सव का प्रभारी अध्यक्ष किशोर तेजवानी एवं महासचिव जेठानंद मूलचंदानी को बनाए जाने का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित करते हुए दोनो पदाधिकारियों को हर तरह का निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के अलावा सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं भगवानदास सबनानी को आमंत्रित किया जाएगा।

SUDOKU 142

2		9	8	7		5		
		4		2	3			
				1		9		4
	8	1						3
	9						1	
4						8	5	
9		8		6				
			7	9		3		
		3		5	8	7		9

SOLUTIONS 141

4	2	7	5	8	1	3	6	9
1	6	9	3	2	4	8	7	5
8	3	5	7	9	6	1	2	4
9	7	8	1	3	2	5	4	6
6	1	3	4	7	5	2	9	8
2	5	4	8	6	9	7	1	3
5	9	2	6	1	8	4	3	7
7	8	6	2	4	3	9	5	1
3	4	1	9	5	7	6	8	2

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं। मन अस्वस्थ हो सकता है।

वृषभ : आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग रहेंगे। व्यापार-धंधे में आर्थिक लाभ की स्थिति रहेगी। आय बढ़ेगी।

मिथुन : आपका आज का दिन शुभ फलदायी है। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे।

कर्क : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार मध्यम चलेगा और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र पर कामकाज की अधिकता रहेगी, सेहत का ध्यान रखें।

सिंह : आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बना सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें। परिवार का माहौल अनुकूल रहेगा।

कन्या : आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार-धंधे में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यों में सफलता मिलेगी।

तुला : आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूल वातावरण रहेगा और कार्यों में सफलता मिलेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी।

वृश्चिक : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

धनु : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। खर्चों में वृद्धि होगी।

मकर : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आकस्मिक धनलाभ के योग रहेंगे। यात्रा का योग बनेगा।

कुंभ : आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मीन : आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की के योग हैं। आकस्मिक धनलाभ होने की संभावना रहेगी।

आज का पंचांग: 09 फरवरी सोमवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **विशेष :** अष्टमी तिथि एवं विशाखा नक्षत्र वृद्धि। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी 30 घंटे 40 मिनट तक, विशाखा नक्षत्र 30 घंटे 40 मिनट तक, तत्पश्चात ध्रुव योग, तुला में चंद्रमा 25 घंटे 12 मिनट तक, तत्पश्चात वृश्चिक में।

शहरों में महामारी का रूप ले रहा मोटापा

नेचरोपेथी कालेज में आज से विशेष शिविर

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इसे गलत खान पान कहा जाए, या तनाव अथवा रात को देर सोने एवं सुबह देर से उठने की आदत लेकिन मोटापा एक तरह से महामारी का रूप ले रहा है, जिस कारण ही उच्च रक्तचाप, मधुमेह के हलावा हार्ट अटैक का खतरा भी दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। इससे लोगों को सावधान करने एवं जीवन शैली बदलकर किस तरह से मोटापे के साथ ही मोटापे के कारण होने वाली अन्य बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है, इसके लिए 6 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन सोमवार से किया जा रहा है। केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नेचरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज फॉर वूमेन भोपाल द्वारा मोटापे के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा इंटरवेंशन कार्यक्रम का 6 दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। कालेज से जुड़ी प्रो, प्रमिता दुबे परमार ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 9 फरवरी से 15 फरवरी तक मोटापे से ग्रसित लोगों के लिए योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से निशुल्क उपचार शिविर लगाया जाएगा। शिविर में योग प्राणायाम प्राकृतिक चिकित्सा उपचार के साथ आहार एवं जीवन शैली संबंधी परामर्श भी विशेषज्ञों द्वारा दिया जाएगा। यहां खासतौर पर मोटापे को दूर करने से संबंधित योगा, मेडीटेशन, कसरत व अन्य विधियों की जानकारी विस्तार से प्रदान की जाएगी।

भोजपुर में तीन दिनी महादेव-भोजपुर महोत्सव 15 से

जागरण, ओबेदुल्लागंज। महाशिवरात्रि पर प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा शिव-साधना, लोकआस्था एवं कला-सौंदर्य के समन्वित उत्सव के रूप में ऐतिहासिक भोजपुर शिव मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय 'महादेव भोजपुर महोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। यह महोत्सव 15 से 17 फरवरी तक प्रतिदिन सायं 6.30 बजे से मनाया जाएगा। पहले दिन सागर के ऋषि विश्वकर्मा का लोकगायन होगा। इसके अलावा सागर के उमेश नामदेव द्वारा प्रस्तुत बधाई एवं बरेदी लोकनृत्य तथा मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा का भक्ति गायन होगा। महोत्सव में दूसरे दिन भोपाल की शीला त्रिपाठी का लोकगायन, मुंबई की भावना शाह एवं साथी कलाकारों द्वारा शिव महिमा पर आधारित नृत्य-नाटिका का मंचन एवं मुंबई के प्रसिद्ध पार्श्व गायिका महालक्ष्मी अय्यर के सुगम संगीत की प्रस्तुति होगी। अंतिम दिन 17 फरवरी को भोपाल के बलराम पुरोहित के लोकगायन व आकृति जैन एवं साथी कलाकारों द्वारा शिव-केंद्रित नृत्य-नाटिका का मंचन एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन होगा। कवि सम्मेलन में देश के प्रतिष्ठित कवि अशोक चक्रधर दिल्ली, दिनेश बावरा मुंबई, प्रताप फौजदार आगरा, गजेन्द्र सोलंकी दिल्ली, रुचि चतुर्वेदी आगरा, पूनम वर्मा मथुरा तथा दिल्ली की मनु वैशाली अपना कविता पाठ करेंगे।

विशेष शिविर का समापन

सीहोर। वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का अंतिम दिन उत्साह, अपनापन और यादगार पलों के साथ संपन्न हुआ। शिविर के समापन दिवस की शुरुआत सुबह प्रभात फेरी से हुई। स्वयंसेवकों ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान देशभक्ति और प्रेरणादायक भजनों से वातावरण भक्तिमय और सकारात्मक ऊर्जा से भर गया।

भारतीय रिज़र्व बैंक सर्विसेज़ बोर्ड
RESERVE BANK OF INDIA SERVICES BOARD
विज्ञापन संख्या RBISB/BA/05/2025-26

भारतीय रिज़र्व बैंक में नॉन सीएसजी कैडर में विभिन्न पदों पर भर्ती – पैनल वर्ष 2026

पैनल वर्ष 2026 के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) में नॉन सीएसजी कैडर में निम्नलिखित विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्र.सं.	पद	रिक्तियां
1	ग्रेड 'बी' में विधि अधिकारी	06
2	ग्रेड 'बी' में प्रबंधक (तकनीकी-सिविल)	02
3	ग्रेड 'बी' में प्रबंधक (तकनीकी-इलेक्ट्रिकल)	01
4	ग्रेड 'ए' में सहायक प्रबंधक (राजभाषा)	04
5	ग्रेड 'ए' में सहायक प्रबंधक (शिष्टाचार एवं सुरक्षा)	08
	कुल	**21**

2. पात्रता मानदंड, रिक्तियों के आरक्षण, चयन योजना, ऑनलाइन आवेदन जमा करने और अन्य अनुदेशों जैसे अन्य सभी ब्योरों के लिए, कृपया **06 फरवरी 2026** को बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर और एम्प्लॉयमेंट न्यूज़/रोजगार समाचार के दिनांक **14 फरवरी 2026** के अंक/अनुवर्ती अंक में प्रकाशित किए जाने वाले विस्तृत विज्ञापन को देखें। उपरोक्त पदों के लिए उम्मीदवार बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) के माध्यम से केवल ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

3. महत्वपूर्ण तिथियां:

आवेदनों के ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन शुल्क/सूचना प्रभार के भुगतान के लिए वेबसाइट का लिंक खुला रहेगा	**06 फरवरी 2026 से 26 फरवरी 2026 (शाम 06 बजे तक)**
ऑनलाइन / लिखित परीक्षा	**14 मार्च 2026**

टिप्पणी: उपर्युक्त विज्ञापन के संबंध में यदि कोई शुद्धिपत्र / अनुशेष जारी किया जाता है तो उसे केवल बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर प्रकाशित किया जाएगा।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रीवा परिक्षेत्र रीवा (म.प्र.)
website:www.mppwd.gov.in Email:-cepwdrewa@mp.nic.in phone no. 07662-255200, Fax : 255380

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 13/सा./ 2025-26 रीवा दिनांक 03.02.2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	संभाग का नाम	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा फार्म (रुपये में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_478221_1	सिंगरौली	उपसंभाग चितरंगी अंतर्गत मुख्य जिला मार्ग एम.डी.आर-12-02 चितरंगी से चितावल, तमई, झरकटा, बरवाडीह (धोरावल) यू.पी. बार्डर मार्ग लं. 45.20 कि.मी. का निर्माण कार्य यूटीलिटी शिफ्टिंग कार्य सहित।	प्रथम	24 माह वर्षाकाल सहित	10707.56	5000000/-	50000/-
2	2024_PWDRB_479819_1	सतना	उपसंभाग मझगवां अंतर्गत पिण्ड्रा बरौंधा खोही भियामऊ म.प्र. सीमा तक (मु.जि.मा.) लं. 35.40 कि.मी. का निर्माण कार्य।	प्रथम	18 माह वर्षाकाल सहित	8773.78	4386900/-	50000/-
					Total :	19481.34		

उपरोक्त वेबसाईट आनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा । निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा आनलाईन बिड सबमिशन की प्रारंभिक तिथि दिनांक 9.02.2026 से अंतिम तिथि 06.03.2026 सायं 18.00 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखा जा सकता है । निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट में किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा ।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. रीवा परिक्षेत्र रीवा

जी-25560/25

संचालनालय नगर तथा ग्राम निवेश मध्य प्रदेश
कचनार ई-5 पर्यावरण परिसर अरेश कालीनी, हबीबगंज पुलिस थाना के पास, भोपाल-462016
ई-मेल- metownplan@mp.gov.in दूरभाष-0755-2427096

सूचना

भोपाल, दिनांक 06/02/2026

क्रमांक 1/503134/2026 /टीसी/22/बैलून/उपा/नग्रनि/2026 भोपाल, मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 (क्रमांक-23 सन् 1973) की धारा 23-क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन एतद द्वारा सार्वजनिक जानकारी हेतु यह अधिसूचित किया जाता है कि संचालक, नीचे दी गई अनुसूची में यथानिर्दिष्ट बैतूल विकास योजना 2035 में उपांतरण प्रस्तावित करता है।

क्रं	ग्राम/ तहसील एवं जिला	खसरा क्रमांक	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		विकास योजना में निर्दिष्ट भू-उपयोग	उपांतरण प्रश्चात प्रस्तावित भू-उपयोग
			कुल रकबा	उपांतरण हेतु प्रस्तावित रकबा		
1.	ग्राम टीकारी तहसील बैतूल नगर व जिला बैतूल म.प्र..	1081/2	0.8000	0.8000	वर्तमान आवासीय, आमोद प्रमोद के अन्तर्गत प्रस्तावित वृक्षारोपण एवं मार्ग (प्रस्तावित चौडाई 36.00 मीटर)	वाणिज्यिक एवं मार्ग (प्रस्तावित चौडाई 36.00 मीटर)
	कुल रकबा		0.8000	0.8000		

शर्त-
1. प्रश्नाधीन भूमि बैतूल-इटारसी मार्ग के पश्चिम दिशा में स्थित है। इस मार्ग की बैतूल विकास योजना 2035 में प्रस्तावित चौड़ाई 36.00 मीटर है। अतः मार्ग के मध्य से दोनों ओर 18.00 मीटर 18.00 मीटर भूमि मार्ग विस्तार हेतु सुरक्षित रखना आवश्यक होगा।
2. आवेदित भूमि में से एल.टी. इलेक्ट्रिक लाईन गुजरती है अतः म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियमानुसार इलेक्ट्रिक लाइन से निर्धारित दूरी छोडना आवश्यक होगा।
3. बैतूल विकास योजना, 2035 एवं म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा।
4. स्थल पर स्थित वृक्षों को यथासंभव यथास्थिति में रखा जाना आवश्यक होगा एवं वृक्षों को हटाने की दशा में संबंधित विभाग से अनुमति अनिवार्य होगी।
5. पर्यावरणीय एवं प्रदूषण के संबंध में संबंधित विभाग के निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा।
प्रस्तावित उपांतरण के ब्यौरे, सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन की समयावधि के लिये आम जनता को निरीक्षण के लिये सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला कार्यालय बैतूल म.प्र. तथा वेबसाईट www.mptownplan.gov.in पर भी उपलब्ध होंगे।
प्रस्तावित उपांतरण के संबंध में यदि किसी व्यक्ति के कोई आपत्ति / सुझाव हो तो, वह संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश म.प्र. भोपाल अथवा सहायक संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला कार्यालय, बैतूल म.प्र. को दैनिक समाचार पत्रों में इस सूचना प्रकाशन होने की दिनांक से 15 दिन के भीतर लिखित में प्रस्तुत कर सकेगा एवं ऐसी आपत्तियों या सुझाव, जो ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान होने से पूर्व प्राप्त हो, पर विचार किया जाएगा।

आयुक्त सह संचालक नगर तथा
ग्राम निवेश म.प्र. भोपाल

जी-25550/25

नेपाल के खिलाफ उलटफेर से बचा इंग्लैंड

टी-20 विश्व कप: सैम करन के आखिरी ओवर में 10 रन नहीं बना सका नेपाल, चार रन से हारा

जेएनएन, मुंबई

दो बार की विश्व चैंपियन इंग्लैंड ने रविवार को टी-20 विश्व कप ग्रुप-सी के बेहद रोमांचक मुकाबले में नेपाल की चुनौती से निपटते हुए अंत में चार रन की करीबी जीत दर्ज की। नेपाल इस मुकाबले में उलटफेर कर इतिहास रचने के बहुत करीब पहुंच गया था। उसने इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में छह विकेट पर 180 रन बनाए। लोकेश बाम (20 गेंद में नाबाद 39 रन) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल की उलटफेर भरी जीत की उम्मीद बनाए रखी, लेकिन आखिरी ओवर में जीत नहीं दिला सके। आखिरी ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की दरकार थी, लेकिन नेपाल के लिए बाउंड्री नहीं लग सकी। इस तरह बल्ले से उनका शानदार प्रदर्शन करीबी हार से खत्म हो गया। सैम करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम सिर्फ पांच रन ही बना पाई। लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा।

■ कप्तान रोहित पॉडेल (39), दीपेंद्र सिंह ऐरी (39), कुशाल भुर्तेल (29) और लोकेश बाम (चार चौके, दो छक्के) ने शानदार जज्बा दिखाया। नेपाल को आखिरी तीन ओवर में 46 रन चाहिए थे, तब बाम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर के 18वें ओवर में दो छक्के और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके लगाए। भुर्तेल ने शुरुआत में तेजी से रन जुटाए, जबकि पॉडेल और ऐरी के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की मजबूत साझेदारी ने नेपाल को मजबूती दी।

■ नेपाल ने आसिफ शेख (07) के रूप में शुरुआती विकेट गंवा दिया था, लेकिन भुर्तेल ने 17 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर लय बनाई। लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए। 14वें ओवर में पौडेल ने रन गति बढ़ाकर नेपाल को लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। उन्होंने इंग्लैंड के सबसे सीनियर गेंदबाज आदिल राशिद के ओवर में छक्का और चौका लगाया। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद ऐरी और पॉडेल की लय टूट गई। ऐरी ने 15वें ओवर में सैम करन की गेंद पर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद पॉडेल भी लियाम डॉसन की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर फिल साल्ट के हाथों कैच आउट हुए।

प्लेयर ऑफ द मैच : विल जैक्स

लोकेश बाम

ब्रूक-बेथेल के अर्धशतक से बड़ा स्कोर

इंग्लैंड ने सात विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बेथेल ने टी-20 विश्व कप पर्दापण में तेज अर्धशतक से शानदार प्रदर्शन किया। ब्रूक ने बेथेल के साथ चौथे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। इंग्लैंड ने पांचवें ओवर में दोनों ओपनर्स को खो दिया था। फिल साल्ट (01 रन) पारी के दूसरे ओवर की पहली गेंद पर ही आउट हो गए। जॉस बटलर ने 26 रन बनाया। सातवें ओवर की पहली गेंद पर टॉम बैंटन दो रन बनाकर आउट हुए। 57 के स्कोर पर तीन विकेट गिरने के बावजूद जैकब बेथेल (55 रन) के आक्रमण से इंग्लैंड अधिक परेशानी में नहीं दिख रही थी। बेथेल ने कप्तान हैरी ब्रूक (53 रन) के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 45 गेंदों में 71 रन जोड़े। इसके बाद इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 21 रनों की रही। विल जैक्स ने 18 गेंदों में नाबाद 39 रनों की पारी खेलते हुए इंग्लैंड को 184 के स्कोर तक पहुंचाया। करन केसी के आखिरी ओवर में कुल 21 रन आए थे। दीपेंद्र ऐरी ने तीन ओवर में 23 और नंदन यादव ने तीन ओवर में 25 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए।

08 विकेट नेपाल के गेंदबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी के हो गए। वे टी-20 विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। उन्होंने सोमपाल कामी के सात विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

82 रन की साझेदारी ऐरी और पॉडेल के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई, जो रिकॉर्ड है। इससे पहले पारस खड़का और मल्ला के बीच 80 रन की सबसे बड़ी साझेदारी हुई थी।

■ बतौर कप्तान रोहित पॉडेल ने नेपाल के लिए चौथा टी-20 विश्व कप मैच खेलकर रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही उन्होंने पारस खड़का को पीछे छोड़ा।

कीवियों के पंजे में फंसे अफगानी

न्यूजीलैंड की पहली जीत में चमके टिम सीफर्ट, सेंटनर और फिलिप्स

चेन्नई, जेएनएन। न्यूजीलैंड ने ग्रुप-डी में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। न्यूजीलैंड की जीत के नायक टिम सीफर्ट (42 गेंद में 65 रन) रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरे ओवर में 14 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद सीफर्ट ने ग्लेन फिलिप्स (42 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 74 रन की अहम साझेदारी कर टीम को मजबूती दी। न्यूजीलैंड को स्पिनर मुजीब उर रहमान ने शुरुआती झटका दिया, जिन्होंने दूसरे ओवर में फिन एलेन (1) और रचिन रविंद्र (0) को लगातार गेंदों पर बोल्ड किया। इसके बाद सीफर्ट और फिलिप्स ने पारी संभाली।

फिलिप्स ने कप्तान राशिद खान की गेंदों पर आक्रामक शॉट लगाए, हालांकि राशिद ने उन्हें बोल्ड कर साझेदारी तोड़ी। अफगानिस्तान ने छह विकेट पर 182 रन बनाए। गुलबदिन नायब (63 रन) ने सेदिकुल्लाह अटल (29 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 गेंदों में 79 रन की साझेदारी की।

सह मेजबान श्रीलंका ने आयरलैंड को 20 रन से हराकर शानदार शुरुआत की

कोलंबो, जेएनएन। सह मेजबान श्रीलंका ने टी-20 विश्व कप के अपने पहले मैच में आयरलैंड को 20 रन से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच कामिंदु मेंडिस के 19 गेंद में 44 रन और कुसल मेंडिस (43 गेंद में 56 रन) के अर्धशतक की मदद से श्रीलंका ने खराब शुरुआत से उबरते हुए छह विकेट पर 163 रन बनाए। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए कामिंदु के साथ 67 रन की साझेदारी की। जवाब में आयरलैंड 19.5 ओवर में 143 रन पर आउट हो गई। रोस एडेयर ने 34 और हैरी टेक्टर ने 40 रन बनाए। श्रीलंका के लिए महीष तीक्षणा ने चार ओवर में 23 और वानिंदु हसरंगा ने 25 रन देकर तीन-तीन विकेट लिए। आयरलैंड ने चौथे ओवर में कप्तान पॉल स्टर्लिंग का विकेट गंवा दिया जब स्कोर 24 रन था। रोस एडेयर ने हालांकि अच्छी बल्लेबाजी करते हुए टीम को पावरप्ले के आखिर में एक विकेट पर 45 रन तक पहुंचाया। श्रीलंका को एडेयर का विकेट मिला, जब वानिंदु हसरंगा ने अपने पहले ही ओवर में उन्हें रवाना किया। हैरी टेक्टर टीम को दस ओवर में दो विकेट पर 72 रन तक ले गए।

प्लेयर ऑफ द मैच कामिंदु

खेल एक नजर

बॉक्सैम एलीट: लवलीना और अरुंधति की अगुआई में भारत ने जीते नौ स्वर्ण

ला नूसिया (स्पेन), जेएनएन। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी की अगुआई में भारत ने बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 टूर्नामेंट में नौ स्वर्ण पदक जीते। शनिवार को सात एलीट महिला फाइनल में भारतीयों ने प्रतिनिधित्व किया। वहीं 54 किग्रा वर्ग में फाइनल दो भारतीयों के बीच हुआ। भारतीय महिलाओं ने प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीता। भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल रहा। मंजू रानी (48 किग्रा) और नीतू (51 किग्रा) ने क्रमशः स्पेन की मार्टा लोपेज और नोएलिया गुटिरेज पर सर्वसम्मत जीत के साथ शुरुआत की। फिर पूनम (54 किग्रा) ने एक कड़े मुकाबले वाले हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने यूक्रेनी प्रतिद्वंद्वियों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की। लवलीना (75 किग्रा) ने संयम से खेलते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4-1 से हराया। नैना (80 किग्रा) ने यूक्रेन की रायसा पिस्कुन पर जीत से क्लीन स्वीप पूरा किया।

एशियाई चैंपियनशिप: इलावेनिल-बबूता ने मिश्रित टीम स्वर्ण जीता

नई दिल्ली, जेएनएन। ओलंपियन इलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बबूता ने रविवार को एशियाई चैंपियनशिप (राइफल और पिस्टल) में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत की जीत की लय जारी रखते हुए हिमांशु ढिल्लों और शांभवी क्षीरसागर ने इसी स्पर्धा के जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की एयर राइफल स्पर्धा में शनिवार को स्वर्ण जीत चुकी इलावेनिल ने चार टीम के फाइनल में 24 शॉट में 253.4 का स्कोर किया, जबकि बबूता ने पदक दौर में खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए 251.6 अंक जुटाए, जिससे जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता। इलावेनिल और बबूता ने मिलकर 505.0 अंक बनाए, जिससे वे दक्षिण कोरिया की यूनजी क्वोन और किम वूरिम (501.0) से चार अंक आगे रहे, जिन्हें रजत पदक मिला। हिमांशु और शांभवी ने व्यक्तिगत सफलताओं के बाद मिश्रित टीम स्वर्ण पदक भी जीता। उन्होंने फाइनल में 502.4 का स्कोर बनाया जो एशियाई जूनियर रिकॉर्ड है। भारतीय जोड़ी ने कजाखस्तान की अलीना सतपायेवा और तामेरलान काबुलोव (488.6) से 13.8 अंक की बढ़त के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि मालदीव की ईशा शहीद और माईध मोहम्मद को कांस्य पदक मिला।

डेविस कप: सुमित नागल हारे, भारत-नीदरलैंड में 5वां मैच निर्णायक होगा

बेंगलुरु, जेएनएन। युकी भांबरी और दक्षिणेश्वर सुरेश ने मैराथन युगल मुकाबला जीता, लेकिन उलट एकल में सुमित नागल के हारने के बाद अब भारत और नीदरलैंड के बीच डेविस कप क्वालिफायर मुकाबले का फैसला निर्णायक पांचवें मैच से होगा। नागल एक सेट जीतने के बाद दुनिया के 88वें नंबर के खिलाड़ी जेस्पर डि जोंग से करीब तीन घंटे तक मुकाबला 7-5, 1-6, 4-6 से हार गए। अब मुकाबला 2-2 से बराबर होने के बाद नजरें पांचवें मुकाबले पर लगी है, जिसमें भारत के दक्षिणेश्वर सुरेश का सामना गाय डि ओडेन से होगा, जिसने नागल को हराया था। इससे पहले युगल मुकाबले में दक्षिणेश्वर और भांबरी ने डेविड पेल और सैंडर एरेंड्स को 7-6, 3-6, 7-6 से हराकर भारत को 2-1 से बढत दिला दी थी। तीन घंटे तक चले बराबरी के मुकाबले में एन श्रीराम बालाजी की जगह दक्षिणेश्वर को उतारने का भारतीय कप्तान रोहित राजपाल का फैसला सटीक साबित हुआ।

रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मुकाबले

उत्तराखंड पहली बार सेमीफाइनल में मप्र पर जीत के करीब जम्मू कश्मीर

इंदौर, जेएनएन। जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी ने तीन विकेट लेकर मध्यप्रदेश के शीर्षक्रम की बखिया उधेड़ दी और अपनी टीम को रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में जीत के करीब पहुंचा दिया। पांच विकेट पर 84 रन से आगे खेलते हुए जम्मू कश्मीर ने दूसरी पारी में 248 रन बनाए। 2021-22 की चैंपियन मप्र को जीत के लिए 291 रन का लक्ष्य मिला, लेकिन तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर उसके पांच विकेट 87 रन पर निकल गए थे। शुभम शर्मा 11 और वेंकटेश अय्यर सात रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं उत्तराखंड ने मयंक मिश्रा (पांच विकेट) और अभय नेगी (चार विकेट) की गेंदबाजी से झारखंड को पारी और छह रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह पक्की की। झारखंड दूसरी पारी में सिर्फ 130 रन पर ढेर हो गई। कल के पांच विकेट पर 282 रन से आगे खेलते हुए उत्तराखंड ने तीसरे दिन पहली पारी में 122.3 ओवर में 371 रन बनाकर 136 रन की बढ़त बनाई।

कर्नाटक जीत से 212 रन दूर

भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल (नाबाद 60 रन) के अर्धशतक से कर्नाटक ने मुंबई के 325 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप तक दो विकेट पर 113 रन बना लिए। कर्नाटक को जीत के लिए 212 रन की जरूरत है। मुंबई ने दूसरी पारी दो विकेट पर 189 रन से आगे शुरू की। विकेटकीपर आकाश आनंद (70) ने अपने रात के स्कोर में 17 रन जोड़े जबकि मुशीर खान ने 49 रन बनाए। तनुष कोटियान ने नाबाद 48 रन जबकि तुषार देशपांडे ने 47 रन की पारी खेली, जिससे मुंबई 98.3 ओवर में 377 रन पर ऑलआउट हो गई। उसने कर्नाटक के सामने जीत के लिए 325 रन का लक्ष्य रखा। वहीं सुदीप कुमार घरामी (नाबाद 216) ने पहली दोहरी शतकीय पारी खेली, जिससे बंगाल ने पहली पारी में 123 रन की अहम बढ़त हासिल की। बंगाल ने आंध्र के पहली पारी में 295 रन के जवाब में बंगाल को छह विकेट पर 418 रन तक बनाने में मदद की।

फुटबॉल का दिग्गज इटली टी-20 विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरू करेगा अपना अभियान

कोलकाता, जेएनएन। फुटबॉल की महाशक्ति इटली की टीम सोमवार को टी-20 विश्व कप के ऐतिहासिक पदार्पण मैच में स्कॉटलैंड का सामना करेगी, तो उसे क्रिकेट के सबसे बड़े मंच पर अपनी छाप छोड़ने का मौका मिलेगा। चार फीफा विश्व कप जीतने वाली इटली की टीम पिछले जुलाई में यूरोपीय क्षेत्रीय क्वालिफायर के जरिए टी-20 टीम के टूर्नामेंट में जगह बनाकर क्रिकेट में एक अनोखा अध्याय लिख रही है। क्वालिफायर में इटली और जर्सी ने पांच-पांच अंक हासिल किए। लेकिन बेहतर नेट रन रेट के आधार पर इटली ने दूसरा स्थान हासिल करके इस वैश्विक टूर्नामेंट में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की। जिस देश का क्रिकेट इतिहास 1793 का है, जब कथित तौर पर अंग्रेजी नौसैनिक होरेशियो नेल्सन ने नेपल्स में पहला रिकॉर्डेड मैच आयोजित किया था, उसके लिए यह क्वालिफिकेशन भूली हुई जड़ों की ओर एक दिलचस्प वापसी है। इटली ने अपने पिछले तीन मैच जीते हैं, जिसमें कनाडा और यूएई के खिलाफ दो अभ्यास मैच और फिर तैयारी के लिए सीरीज में आयरलैंड को हराया जो आईसीसी के पूर्ण सदस्य पर उनकी पहली जीत थी। उन्होंने यूरोपियाई क्वालिफायर में स्कॉटलैंड को 12 रन से हराकर भी चौंका दिया था, जो विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन पक्का करने में निर्णायक साबित हुई। हालांकि बांग्लादेश को बाहर किए जाने के बाद शामिल हुई स्कॉटलैंड अब भी खतरे से सावधान है।

कनाडा के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगा दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका को खिताब के लिए चुनौती पेश करनी है, तो सोमवार को अहमदाबाद में कनाडा के खिलाफ टी-20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू करते हुए अपने हालिया फॉर्म से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। कनाडा के पास मैच अभ्यास की कमी है, लेकिन टीम मजबूत छाप छोड़ने की कोशिश कर रही है। जून 2024 में भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप 2024 फाइनल हारने के बाद से दक्षिण अफ्रीका ने 32 मैच में से सिर्फ 12 में जीत हासिल की है। दूसरी ओर कनाडा ने पिछले चार महीने में शीर्ष स्तर का अधिक क्रिकेट नहीं खेला है। टीम अपना लगातार दूसरा टी-20 विश्व कप खेल रही है, जिसमें 23 साल के दिलप्रीत बाजवा ने निकोलस किर्टन से कप्तानी संभाली है। दूसरी तरफ पिछले टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद जिम्बाब्वे के पास खुद को साबित करने का मौका है। जिम्बाब्वे ने चार साल पहले फाइनल में पहुंचने वाले पाकिस्तान को हराया था और वे अपने दूसरे मैच में ग्रुप की प्रबल दावेदार टीम ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने से पहले ओमान के खिलाफ दबदबे वाली शुरुआत करना चाहेंगे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की लगातार चौथी जीत

मैनचेस्टर, जेएनएन। माइकल कैरिक के मार्गदर्शन में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग फुटबॉल में लगातार चौथी जीत हासिल की, जिससे कुछ हफ्ते पहले मुश्किलों में नजर आ रही टीम अब काफी बेहतर स्थिति में दिख रही है। शनिवार को यूनाइटेड ने टोटेनहम को 2-0 से हराकर मुख्य कोच के तौर पर कैरिक की शत प्रतिशत जीत का सिलसिला जारी रखा और पिछले दो वर्षों से चैंपियंस लीग से बाहर रहने के बाद वापसी की उम्मीदों को बढ़ाया। आर्सेनल ने शीर्ष पर नौ अंक की बढ़त बना ली है। टीम ने स्थानापन्न खिलाड़ी विक्टर ग्योकेरेस के दो गोल से संडरलैंड के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। आर्सेनल के 25 मैच में 56 अंक हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी (24 मैच में 47 अंक) लीवरपूल से खेलेगा, जबकि तीसरे स्थान पर मौजूद एस्टन विला (25 मैच में 47 अंक) ने बोर्नमाउथ के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। चेल्सी ने कोल पाल्मर की हैट्रिक से आखिरी स्थान पर मौजूद वॉल्व्स के खिलाफ 3-1 की जीत दर्ज की।

वैभव, कनिष्क और हेनिल आईसीसी अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल

दुबई, जेएनएन। वैभव सूर्यवंशी को आईसीसी की अंडर-19 विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह मिली, जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन की शानदार पारी खेलने के बाद टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए 14 साल के सूर्यवंशी के अलावा टीम के उनके साथी कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय टीम में जगह मिली। भारत ने रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीता। कनिष्क ने बल्ले और गेंद दोनों से लगातार महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि हेनिल के 11 विकेट में अमेरिका के खिलाफ 16 रन देकर पांच विकेट का शानदार स्पैल शामिल था।

टीम: वैभव सूर्यवंशी (भारत), विरान चामुदिथा (श्रीलंका), फैजल खान शिनोजादा (अफगानिस्तान), थॉमस रेव (विकेटकीपर, कप्तान) (इंग्लैंड), ओलिवर पीक (ऑस्ट्रेलिया), बेन मायेस (इंग्लैंड), कनिष्क चौहान (भारत), नूरीस्तानी उमरजई (अफगानिस्तान), विटेल लावेस (वेस्टइंडीज), अली रजा (पाकिस्तान), मैनी लुम्सडेन (इंग्लैंड), हेनिल पटेल (भारत)।

फुटबॉल मैच देखने मैड्रिड जाने वाले थे सिराज, आखिरी समय में बुलावा आने के बाद स्पेन का दौरा रद्द किया, पहले मैच में चमके

चोटिल हर्षित राणा के टी-20 विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम में मिला मौका

मियां बैग पैक कर और आ जा...

जेएनएन, मुंबई

मोहम्मद सिराज अपनी पसंदीदा फुटबॉल टीम रीयाल मैड्रिड को रीयाल सोसीदाद के खिलाफ खेलते हुए देखने के लिए दुनिया के दूसरी हिस्से में जाने की तैयारी कर रहे थे कि तभी उन्हें कप्तान सूर्यकुमार यादव का फोन आया। चोटिल हर्षित राणा के टी-20 विश्व कप से बाहर होने के बाद सूर्यकुमार ने भारतीय टीम के भरोसेमंद तेज गेंदबाज सिराज को टीम में शामिल किया। जसप्रीत बुमराह के बीमार होने के कारण सिराज को एकादश में शामिल किया गया और उन्होंने वही किया जो वह हमेशा करते हैं-हर गेंद पर अपना पूरा जोर लगाया। इस ईमानदार कोशिश के लिए उन्हें तीन विकेट मिले, जिससे भारत ने जोश से भरी अमेरिका की टीम को हराने में सफलता हासिल की।

टी-20 विश्व कप के पहले मैच में यूएसए के खिलाफ भारत की 29 रन की जीत में सबसे सफल गेंदबाज बनकर खुश सिराज ने अपनी वापसी की कहानी सुनाते हुए कहा, दो दिन पहले सूर्या (सूर्यकुमार) ने कहा मियां बैग पैक कर और आ जा (मुंबई)। मैंने उनसे कहा भाई मजाक मत करो क्योंकि यह तो होने वाला नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा मैं सच कह रहा हूं, तैयार हो जा। उन्होंने कहा, फिर (भारत के चयनकर्ता प्रज्ञान) ओझा भाई ने मुझे फोन किया, अल्लाह ने जो लिखा है उसे कोई नहीं बदल सकता। सिराज ने फौरन बैग पैक किया, विश्व कप के पहले दिन तड़के 3 बजे मुंबई में टीम से जुड़े, विरोधी टीम के बारे में थोड़ा होमवर्क किया और फिर थोड़ी सी नींद ली। नींद से उठते ही उन्हें मैसेज मिला कि वह यूएसए के खिलाफ सीधे प्लेइंग-11 में भी हैं। जब सिराज पूछा गया कि हैदराबाद के लिए कुछ रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के बाद उन्होंने फरवरी में ब्रेक के लिए क्या योजना बनाई थी तो उन्होंने कहा, 15 तारीख को रीयाल मैड्रिड का मैच है और मैं उसे देखने जा रहा था और उसके बाद रमजान है, लेकिन अल्लाह ने जो लिखा है। दरअसल जब टीम के स्ट्रैंथ एवं अनुकूलन कोच एड्रियन ले रॉक्स ने उन्हें मैसेज करके पूछा था कि क्या योजना है, तो सिराज ने जवाब दिया था, अभी मुझे मैसेज मत करो क्योंकि मैंने चार दिवसीय दो मैच खेले हैं और मुझे आराम चाहिए। इसके बाद देखूंगा कि क्या योजना है।

विश्व कप में खेलने के बारे में नहीं सोचा था

सिराज को फोन आने की उम्मीद नहीं थी, क्योंकि वह टूर्नामेंट के लिए भारत की योजनाओं का हिस्सा नहीं थे। यह तेज गेंदबाज बारबडोस में 2024 में टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा था। सिराज ने कहा, जब मैं विमान में था तो ऐसा लग रहा था जैसे मैं सपना देख रहा हूं, क्योंकि मैंने विश्व कप में खेलने के बारे में सोचा ही नहीं था। उन्होंने कहा, पिछले एक साल से योजना बनाई जा रही थी। जो लोग इसमें खेलने वाले थे उन्हें मौके मिल रहे थे और क्योंकि मैंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय नहीं खेले थे, इसलिए मुझे समझ आ गया था कि मैं इसका हिस्सा नहीं बनूंगा। सिराज ने जुलाई 2024 के बाद से कोई टी-20 नहीं खेला था, जो पिछले टी-20 विश्व कप में भारत की जीत के कुछ ही समय बाद की बात है। लेकिन जब शनिवार को उन्हें नई गेंद से गेंदबाजी करने का मौका मिला, तो उन्होंने उसे ऐसे स्विंग कराया जैसे उन्होंने कभी इस फॉर्मेट को छोड़ा ही न हो।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में प्राइवेट ट्रेनी विमान खेत में क्रैश

विजयपुरा, जेएनएन। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में रविवार को एक खेत में प्राइवेट ट्रेनी विमान क्रैश हो गया। हादसे से ठीक पहले दोनों पायलट विमान से बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे उनकी जान बच गई। दोनों को हल्की चोटें आई हैं। घटना बालेश्वर क्षेत्र के मंगलुरु गांव में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं और जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, यह विमान रेडबर्ड एविएशन का प्राइवेट ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट था, जो कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था।

अंकिता भंडारी हत्याकांड

महापंचायत में माता पिता भी हुए शामिल

देहरादून, जेएनएन। उत्तराखंड अंकिता हत्याकांड में वीवीआईपी को सजा दिलवाने और सीबीआई की जांच सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज से करवाने की मांग को लेकर देहरादून में महापंचायत रखी गई है। ये महापंचायत अंकिता न्याय यात्रा संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर के ताले की गई। महापंचायत में अंकित के माता और पिता भी शामिल हुए। महापंचायत में पांच प्रस्तावों को पारित किया गया है। इसके साथ ही महापंचायत में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच को लेकर पत्र भी भेजा गया है।

12वीं के छात्र ने महिला टीचर को जड़ा थप्पड़

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात के पंचमहल जिला में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां 12वीं कक्षा के एक छात्र ने क्लासरूम के अंदर महिला टीचर को थप्पड़ मार दिया। घटना 24 जनवरी को शेरा कस्बे के एसजे डेव हाई स्कूल में हुई। मामले का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद विवाद बढ़ा, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस के अनुसार, आरोपी छात्र 12वीं की दूसरी प्रीलिम परीक्षा देने के लिए देर से स्कूल पहुंचा था। परीक्षा कक्ष में ड्यूटी पर तैनात महिला इन्विजिलेटर ने जब उससे देरी की वजह पूछी, तो छात्र भड़क गया। उसने टीचर से कहा, 'घर में मुझसे कोई कुछ नहीं पूछता, आप कौन होती हैं सवाल करने वाली।' इसके बाद उसने महिला टीचर के गाल पर थप्पड़ मार दिया। आरोपी के आने पर गेट पर टीचर से बहस हुई।

शिक्षिका ने परीक्षा देने देरी से आने पर छात्र को टोका था

सूरजकुंड मेले का झूला हादसा

गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज

फरीदाबाद, जेएनएन। फरीदाबाद में सूरजकुंड मेले के दौरान झूला टूटने से हुए हादसे में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के तहत मामला दर्ज किया है। यह केस हिमाचल फन केयर के प्रोपराइटर मोहम्मद शाकिर के खिलाफ दर्ज किया गया है। हादसा 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प महोत्सव के दौरान रविवार शाम करीब 6 बजकर 15 मिनट पर हुआ, जब झूले पर 26 लोग सवार थे और अचानक झूला टूट गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में बचाव कार्य के दौरान पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई, जबकि कुल 12 लोग घायल हुए हैं।

जापान में तकाइची की प्रचंड विजय,300 सीटें जीतीं, प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

आम चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने जीती बहुमत से अधिक सीटें

टोक्यो, जेएनएन। जापान में रविवार को हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री साने तकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने प्रचंड जीत हासिल की है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक एलडीपी को 465 में से 300 सीटों पर जीत हासिल हुई है, जो बहुमत के लिए जरूरी 233 सीटों से काफी ज्यादा हैं। तकाइची की जीत पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मुझे विश्वास है आपके कुशल नेतृत्व में हम भारत-जापान मित्रता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। एलडीपी के नेतृत्व वाला गठबंधन सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी (इशिन) के साथ मिलकर 366 सीटें जीत सकता है। गठबंधन को 310 सीटें मिलते ही ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद कानून पास करने की ताकत मिल जाएगी।

लोगों ने बर्फबारी की बीच वोट डाले: मतदान के दौरान कई इलाकों में बर्फीले तूफान जैसे हालात रहे। परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, दर्जनों ट्रेन सेवाएं रोकी गईं और 230 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कई मतदान केंद्रों को समय से पहले बंद करना पड़ा। इसके बावजूद लोग बर्फ और कड़ाके की ठंड में मतदान के लिए पहुंचे। पिछले कुछ चुनावों में लोअर हाउस का टर्नआउट करीब 55 प्रतिशत के आसपास रहा है। अगर इस बार मतदान और घटता है, तो संगठित वोटिंग ब्लॉक्स का असर और बढ़ सकता है। ताकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है।

सोशल मीडिया पर साने ताकाइची का क्रेज बढ़ा

सोशल मीडिया पर साने ताकाइची को लेकर 'सानाकात्सु' नाम का ट्रेंड भी चर्चा में है। इसमें उनके इस्तेमाल किए गए सामान, जैसे हैंडबैग और संसद में इस्तेमाल किया जाने वाला गुलाबी पेन, युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गए हैं। एक हालिया सर्वे में 30 साल से कम उम्र के 90 प्रतिशत से ज्यादा मतदाताओं ने ताकाइची के पक्ष में रुझान दिखाया, हालांकि यह वर्ग आमतौर पर कम मतदान करता है।

तकाइची बुद्धिमान और शक्तिशाली नेता : ट्रंप

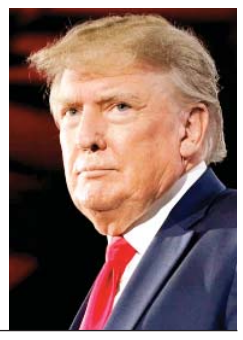

डोनाल्ड ट्रम्प ने 5 फरवरी को एक पोस्ट में साने ताकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने तकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में ताकाइची से मुलाकात करेंगे। यह समर्थन जापान के 8 फरवरी 2026 के चुनाव से ठीक दो दिन पहले आया है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान के किसी नेता को चुनाव में खुलकर समर्थन दिया है।

थाईलैंड में संविधान को लेकर जनमत संग्रह

थाईलैंड, जेएनएन। थाइलैंड के नागरिक को संसद के निचले सदन के 500 सदस्यों को चुनने के लिए मतदान हुआ। थाई प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने दिसंबर में संसद को भंग करने की मांग की थी। प्रधानमंत्री के आदेश के लागू होने के 45 दिन से पहले और 60 दिन के बाद नये आम चुनाव नहीं कराने थे। चुनावों के बाद, प्रधानमंत्री का चुनाव उम्मीदवार के लिए डाले गये कम से कम 251 वोटों की साधारण संसदीय बहुमत से होगा। इन चुनावों में तीन बड़ी पार्टियों मुख्य विपक्षी पार्टी फ्यू थाई पार्टी, सत्ताधारी भुमजैथाई पार्टी और पीपुल्स पार्टी के बीच मुकाबला होने की उम्मीद है। संविधान को लेकर मतसंग्रह में नागरिकों से कहा गया है कि वे मौजूदा 2017 के संविधान को बदलने के लिए हां या ना में मत करें। बड़ी राजनीतिक पार्टियों ने इस संविधान के पुराना होने के कारण इसकी आलोचना की है।

भारत का ईवी बाजार

51 फीसदी उछाल से हुई 2026 की शुरुआत

भारत का ईवी बाजार 2025-26 में रिकॉर्ड रफ्तार से बढ़ा और नई प्रतिस्पर्धा के साथ अगले चरण में प्रवेश कर गया।

2025 का बड़ा माइलस्टोन

23 लाख ईवी बिक्री

08% हिस्सेदारी कुल नए वाहन रजिस्ट्रेशन में

2.82 करोड़ कुल वाहन बिक्री

राज्यों की हिस्सेदारी

उत्तर प्रदेश	18%
महाराष्ट्र	12%
कर्नाटक	09%
दिल्ली	14%
केरल	12%
गोवा	11%
त्रिपुरा	18%
असम	14%

सरकारी कदम

10,900 इलेक्ट्रिक बस टेंडर

32% ई-थ्री-व्हीलर मार्केट बढ़ा

2026 की शुरुआत

18,059 यूनिट ईवी कार बिकीं इस साल जनवरी में

कंपनी मार्केट शेयर जनवरी 2026

- टाटा मोटर्स: 7,842 यूनिट/ 43.4 फीसदी
- एमजी मोटर: 4,591 यूनिट/ 25.4 फीसदी
- महिंद्रा: 3,579 यूनिट/ 19.8 फीसदी

बेटियां विश्व कप जीत रहीं पर समानता अभी दूर: हाईकोर्ट

कोलकाता, जेएनएन। कोलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक अहम टिप्पणी में कहा है कि भले ही देश की बेटियों ने क्रिकेट विश्व कप जैसे बड़े मंचों पर देश का नाम रोशन किया हो, लेकिन समाज में बालिकाओं और महिलाओं के लिए वास्तविक समानता अब भी दूर की मंजिल है। इसी टिप्पणी के साथ हाईकोर्ट ने दहेज हत्या के एक मामले में महिला और उसकी डेढ़ वर्षीय बेटी की मौत से जुड़े प्रकरण में महिला के ससुराल वालों को बरी किए जाने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति अपूर्बा सिन्हा राय राज्य सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा ससुराल पक्ष को बरी किए जाने को चुनौती दी गई थी। आरोप है कि पीड़िता को उसके ससुराल वालों द्वारा शारीरिक मानसिक क्रूरता का सामना करना पड़ा, बच्ची के जन्म को लेकर उसका उपहास किया गया और पांच लाख दहेज की मांग की गई। डेढ़ वर्ष की आयु में एक बच्ची और उसकी मां की मृत्यु यह याद दिलाती है कि बालिकाओं के लिए पूर्ण समानता प्राप्त करने के लिए हमें अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है।

ससुराल वालों पर सख्त हुआ कोर्ट

गाजियाबाद सुसाइड केस उलझा, पिता पर सवाल

लखनऊ/गाजियाबाद, जेएनएन। गाजियाबाद में 3 बच्चियों के बिल्डिंग से कूदकर सुसाइड केस जितना सीधा दिखा था अब वह उतना ही उलझता जा रहा। कभी पिता का बयान सवालों के घेरे में आता है, तो कभी दोनों मां का सामने न आना केस को संदिग्ध बनाता है। तीनों बच्चियां जिस जगह से नीचे गिरीं, वहां से उनका एक साथ कूदना संभव नहीं। एक बच्ची की लाश अपार्टमेंट की दीवार से महज 1 फीट दूर पड़ी थी। यह भी एक सवाल है। चेतन पहले जिस अपार्टमेंट में रहते थे, वहां उनकी साली की गिरकर मौत हो चुकी है। परिवार ने इसे एक दुर्घटना माना था। लेकिन, ताजा घटना के बाद लोग उस हादसे को इससे जोड़कर देख रहे हैं।

गोगोई का मामला गृह मंत्रालय भेजेगी असम सरकार

गंभीर आरोप: कांग्रेस सांसद की पत्नी के आईएसआई से संबंध

गुवाहाटी, जेएनएन। असम सरकार ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई से जुड़े कथित पाकिस्तान कनेक्शन के मामले को केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय को भेजने का फैसला किया है। यह निर्णय शनिवार को हुई असम कैबिनेट की बैठक में लिया गया, जिसकी जानकारी रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने पत्रकार वार्ता में दी। मुख्यमंत्री हिमंता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े लोगों से रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को देखते हुए असम सरकार इसे सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के संज्ञान में लाएगी, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं की गहन जांच हो सके।

गोगोई का पलटवार

आरोपों पर गोगोई ने कहा कि हिमंता ने मीडिया के सामने खुद को शर्मिंदा किया है और असम में उनकी बातों को कोई गंभीरता से नहीं लेता। गोगोई ने सवाल उठाया कि हिमंता परिवार ने कथित तौर पर असम में करीब 4,000 एकड़ जमीन कैसे हासिल की।

यह है मामला

सीएम के मुताबिक, गौरव गोगोई और उनकी पत्नी के पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख से करीबी संबंध रहे हैं। आरोप है कि एक पाकिस्तानी फर्म ने एलिजाबेथ को नौकरी दी थी और बाद में उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया गया। इस दौरान वे भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां इकट्ठा कर अली तौकीर शेख को रिपोर्ट करती थीं, जिसके बदले उन्हें सैलरी दी जाती थी।

बीएलए का दावा: सैन्य ठिकानों पर लड़ाकों का कंट्रोल, 362 पाकिस्तानी सैनिकों को मारा

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हालात सामान्य नहीं हो रहे हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने चौंकाने वाला दावा किया है। बीएलए ने ऑपरेशन हेरोफ 2.0 के पूरे होने की बात कही। 31 जनवरी को शुरू हुआ यह ऑपरेशन 6 फरवरी की शाम तक चला। बीएलए ने कहा कि इस अभियान में बलूचिस्तान के 14 शहरों को निशाना बनाया गया था। दावा किया कि इतिहास में सबसे बड़ा, सबसे तीव्र और सबसे संगठित सैन्य अभियान था। बीएलए ने दावा किया है कि ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के 362 से अधिक जवान मारे गए हैं। इसमें पाकिस्तानी सेना, फ्रंटियर कोर, पुलिस और राज्य समर्थित सशस्त्र समूहों के सदस्य शामिल थे। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य का घातक हथियार शफीक मेंगल है।बीएलए ने प्रवक्ता ने बयान जारी कर बताया कि बलूच लड़ाकों ने एक साथ हमले किए और कई स्थानों पर सुरक्षा चौकियों, सैन्य ठिकानों और शहरी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों पर कंट्रोल कर लिया। साथ ही प्रवक्ता ने दावा किया कि कई शहरों में बलूच लिबरेशन आर्मी की इकाइयों ने लगातार 6 दिनों तक अपनी स्थिति बनाए रखी। इससे पाकिस्तानी सेना को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। कहा कि इसके परिणामस्वरूप समूह के अनुसार राज्य को राजनीतिक, मनोवैज्ञानिक और सैन्य नुकसान हुआ है। साथ ही बीएलए के प्रवक्ता ने बताया कि अभियान में अभी तक कुल 93 बलूच लड़ाके भी मारे गए। इनमें मजीद ब्रिगेड के 50 सदस्य, फतेह दस्ते के 26 और विशेष सामरिक अभियान दस्ते के 17 सदस्य शामिल हैं। कहा कि संगठन की सभी प्रमुख इकाइयों ने इस अभियान में भाग लिया।

रईस कारोबारी के बेटे ने लेम्बोर्गिनी से 6 को रौंदा

कानपुर, जेएनएन। कानपुर में एक रईस कारोबारी के बेटे की लापरवाही ने सड़क को रणक्षेत्र बना दिया। तंबाकू कारोबारी के बेटे ने तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी कार से 6 से अधिक लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक बुलेट सवार हवा में उछलकर करीब 10 फीट दूर जा गिरा, जिसके बाद लग्जरी कार बुलेट के ऊपर चढ़ गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गुस्साई भीड़ ने कार को घेर लिया। भीड़ को देखकर कारोबारी का बेटा कार के अंदर ही दुबक गया।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव

30 साल बाद खत्म होगा खालिदा-हसीना का दौर

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव होने जा रहे हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के देश छोड़ने और खालिदा जिया के निधन के बाद यह पहला चुनाव है। 1991 से 2024 तक बांग्लादेश की राजनीति में इन दो नेताओं का दबदबा रहा। ऐसे में 35 साल बाद देश को नया प्रधानमंत्री मिलेगा। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी गई है। चुनाव आयोग का कहना है कि 2024 में हुए छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में पार्टी की भूमिका की वजह से यह फैसला लिया गया है।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि बांग्लादेश के ये चुनाव सिर्फ देश की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे साउथ एशिया की डिप्लोमेसी और पावर बैलेंस को बदल सकते हैं। इसलिए भारत, पाकिस्तान और चीन भी इन चुनाव पर नजर बनाए हुए हैं। बांग्लादेश में अगस्त 2024 से नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस की लीडरशिप में अंतरिम सरकार काम कर रही है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। भारत के साथ रिश्ते अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं, जबकि पाकिस्तान के साथ संबंध बेहतर हुए हैं और चीन के साथ रणनीतिक रिश्ते और मजबूत हुए हैं।

भारत के साथ तनाव बढ़ा

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी। वे भारत आ गईं, जिससे दोनों देशों में तनाव शुरू हुआ। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले, मंदिर तोड़ने और हिंसा की खबरें आने लगीं, जिस पर भारत ने चिंता जताई। बांग्लादेशी सोशल मीडिया पर ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर भड़काऊ बातें फैलीं। मोहम्मद यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को लैंड-लॉक बताया, जिससे विवाद छिड़ा। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हिंसा फैली और भारत के खिलाफ माहौल बना।

अवामी लीग के हिंदू नेता की जेल में मौत

बांग्लादेश की जेलों में बंद अवामी लीग के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और सांसद रहे रमेश चंद्र सेन (86) की न्यायिक हिरासत में मौत हो गई। वह 18 महीने से जेल में थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। परिवार का आरोप है कि गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिला और बार-बार स्वास्थ्य आधार पर जमानत की मांग खारिज की जाती रही। अधिकारियों ने मौत की वजह बीमारी बताई है।

एफएमजीई सर्टिफिकेट मामला : जांच का दायरा बढ़ा, मास्टर माइंड गिरफ्तार

जयपुर, जेएनएन। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने फेक फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन सर्टिफिकेट मामले में जांच का दायरा बढ़ाया है। राजस्थान मेडिकल काउंसिल में जमा रिकॉर्ड की गहन जांच के दौरान 20 और संदिग्ध डॉक्टरों की लिस्ट तैयार कर ली गई है। एसओजी की ओर से साल-2018 से अब तक इंडियन मेडिकल काउंसिल से जुड़े अधिकारियों की नियुक्तियों-भूमिका की भी जांच करेगी। एसओजी की जांच में सामने आया है कि फेक फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन सर्टिफिकेट मामले में दो अलग-अलग नेटवर्क गैंग सक्रिय थी। पहला नेटवर्क जैकेट गैंग के नाम से जाता जाता था। वह बाद में फेक एफएमजीई सर्टिफिकेट बनाने में पूरी तरह उतर गया। दूसरा नेटवर्क मेडिकल काउंसिल से जुड़े डॉक्यूमेंट की प्रोसेसिंग और सत्यापन में सेटिंग कराने में लगा था। एसओजी की जांच में सामने आया है कि विदेश से एमबीबीएस करने वाले अभ्यर्थियों को टारगेट किया गया था। ये अभ्यार्थी एफएमजीई स्क्रीनिंग टेस्ट पास नहीं कर पाए थे। फेक सर्टिफिकेट के जरिए इन अभ्यार्थियों को आरएमसी से इंटर्नशिप दिलाई गई।

बॉलीवुड अभिनेत्री नीना गुप्ता को डायरेक्टर ने दी थी गालियां

मुंबई, जेएनएन। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता हमेशा अपनी बेबाकी और ईमानदार बयानों के लिए जानी जाती रही हैं। अभिनय की दुनिया में चार दशक से ज्यादा का सफर तय कर चुकीं नीना ने हाल ही में अपने करियर के उन पन्नों को खोला, जिन पर चमक कम और स्याही ज्यादा थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि किस तरह एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें फिल्म के सेट पर निर्देशक की गालियां और अपमान सहना पड़ा, सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्हें पैसों की जरूरत थी। नीना गुप्ता ने स्वीकार किया कि ये अनुभव उनके लिए बेहद तकलीफदेह था। उन्होंने कहा कि वो किसी गलती के बिना भी निर्देशक के तीखे और अपमानजनक शब्दों का शिकार बनीं। उस दौर को याद करते हुए उन्होंने माना कि अगर हालात अलग होते और आर्थिक दबाव न होता, तो शायद वो ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा ही नहीं बनतीं। उनके शब्दों में, वो हालात नहीं बल्कि जरूरतें थीं, जिन्होंने उन्हें चुप रहने पर मजबूर किया।

धुरंधर की शूटिंग में रोने लगी थीं आयशा

धुरंधर के कारण अरबी गाना वायरल हुआ और रिकॉर्ड बनाया, इसका दूसरा गाना शरारत भी खूब हिट रहा। आयशा खान और क्रिस्टल डिसूजा के बीच इस गाने में तगड़ा फेस-ऑफ देखने को मिला और इंस्टेंट हिट हो गया। आयशा खान और क्रिस्टल के डांस मूव्स ने हर किसी को दीवाना बना दिया। अब आयशा ने इस गाने के शूट को लेकर एक खुलासा किया है, जिसने फैंस को हैरान कर दिया है आयशा ने बताया है कि शरारत गाने की शूटिंग के दौरान वह पीरियड्स पर थीं। पूरे शरीर पर ब्लॉटिंग थी और मूड स्विंग्स के कारण हालत ऐसी थी कि एक बार रो पड़ी थीं। यह बात सोशल मीडिया पर सामने आई, तो फैंस एक्ट्रेस के मुरीद हो गए ।

बयान भारत दौरे से पहले बोले अमेरिकी विदेश उप मंत्री हेलबर्ग

चीन को टक्कर देने वाला भारत अकेला देश

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका ने कहा कि भारत को पैक्स सिलिका पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए बेहद खुशी है। वह जल्द ही भारत सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करेगा। नई दिल्ली के साथ संबंधों में बहुत सकारात्मक गति है। अमेरिकी विदेश उप मंत्री जैकब हेलबर्ग ने मानव प्रतिभा की विशालता के मामले में कहा कि भारत शायद पृथ्वी पर एकमात्र ऐसा देश है जो युवा, तकनीकी रूप से प्रशिक्षित प्रतिभा की मात्रा के मामले में चीन को टक्कर दे सकता है। अमेरिकी विदेश उप मंत्री जैकब हेलबर्ग ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, हम भारत को पैक्स सिलिका में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने पर बहुत उत्साहित हैं, और मैं अगले कुछ हफ्तों में भारत सरकार के साथ एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर के लिए भारत की यात्रा करूंगा। अमेरिका ने पिछले साल दिसंबर में पैक्स सिलिका लॉन्च किया, जो एक रणनीतिक पहल है जिसका उद्देश्य एक सुरक्षित, समृद्ध और नवाचार संचालित सिलिकान आपूर्ति श्रृंखला का निर्माण करना है जिसमें महत्वपूर्ण खनिज और ऊर्जा इनपुट से लेकर उन्नत निर्माण, सेमीकंडक्टर्स, एआइ अवसंरचना और लाजिस्टिक्स शामिल हैं। पैक्स सिलिका पहल के हस्ताक्षरकर्ताओं में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इजरायल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत को पैक्स सिलिका पहल के प्रारंभिक समूह में शामिल नहीं किया गया था। हेलबर्ग ने कहा कि पैक्स सिलिका दिसंबर में लॉन्च किया गया था।

ट्रंप का मोदी के साथ महान संबंध

राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मजबूत रिश्तों पर उन्होंने कहा, हम भारत को बहुत सकारात्मक रूप से देखते हैं और राष्ट्रपति ट्रंप का नरेन्द्र मोदी के साथ महान संबंध है। हेलबर्ग की व्यापार समझौते के बारे में टिप्पणी भारत और अमेरिका द्वारा एक संयुक्त बयान जारी करने के कुछ घंटे पहले आई, जिसमें कहा गया कि दोनों पक्षों ने आपसी लाभकारी व्यापार के लिए एक अंतरिम समझौते के ढांचे पर पहुंच गए हैं।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 500/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

ग्वालियर में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक संचालित होंगे स्कूल

जागरण, ग्वालियर। जिले में मौसम सामान्य होने के बाद स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। जिले के सभी स्कूल अब 10 फरवरी से सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक संचालित होंगे। इससे पहले, कम तापमान और ठंड के प्रभाव को देखते हुए विद्यार्थियों की सुविधा के लिए स्कूलों के समय में परिवर्तन किया गया था।

कलेक्टर ने 21 पटवारियों का एक दिन का वेतन रोका

जागरण, रतलाम। कलेक्टर मिशा सिंह एवं सैलाना एसडीएम तरुण जैन द्वारा 6 फरवरी को जनपद पंचायत बाजना में फार्मर रजिस्ट्री एवं गिरदावरी कार्य की समीक्षा बैठक ली गई थी। समीक्षा के दौरान पटवारियों द्वारा कार्य में लापरवाही एवं शून्य प्रगति अथवा 10 प्रतिशत से कम कार्य पूर्ण होना पाया गया। काम मे प्रगति नहीं होने के कारण बाजना तहसीलदार मनीष जैन द्वारा 21 पटवारियों का एक दिन का वेतन रोक दिया है।

''ट्वीट ऑफ द डे''

छगन भुजबल
मंत्री महाराष्ट्र

तेलंगाना में समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना निंदनीय है। यह सामाजिक समानता की मूल भावना पर हमला है। इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दखल देना चाहिए। दोषियों के खिलाफ तुरंत और सख्त कार्रवाई कार्रवाई की जानी चाहिए। महात्मा फुले जैसे महापुरुषों को निशाना बनाना प्रगतिशील समाज के विचार पर सीधा हमला है।

सात साल की सजा वाले प्रकरणों को जल्द निपटाने पर जजों में बनी सहमति

दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन, सुनवाई में एआई के इस्तेमाल पर भी विचार

नगर संवाददाता, भोपाल। न्याय व्यवस्था को और अधिक सरल व सुगम बनाने के लिए भोपाल में दो दिन जस्टिस कांफ्रेंस का रविवार को समापन हुआ। इस कांफ्रेंस में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया, सुप्रीम कोर्ट, 25 राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने हिस्सा लिया और न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण पर जोर दिया है। भोपाल में हुए न्यायाधीशों के सम्मेलन में सात साल तक की सजा वाले अपराधों के मुकदमों को प्राथमिकता देकर लंबित मामलों से निपटने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार किया गया है।

मीडिया ट्रायल और राज्यों की बार-बार मुकदमेबाजी कम करने पर भी चर्चा हुई। राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी इंडिया द्वारा भोपाल में उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के लिए आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का केंद्र बिंदु एकीकृत, कुशल और जन-केंद्रित न्यायपालिका का निर्माण था। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीशों के मार्गदर्शन में हुए इस सम्मेलन में प्रशासन के संस्थागतकरण और एक राष्ट्रीय न्यायिक नीति के निर्माण पर डिस्कशन किया गया। इसका उद्देश्य न्यायिक शासन को पारंपरिक मॉडल से एक रणनीतिक, डेटा-आधारित प्रणाली में परिवर्तित करना है, लेकिन यह ध्यान रखना है कि उच्च न्यायालय आधुनिक कानूनी मांगों की जटिलताओं से निपटने में सक्षम हों और साथ ही देश भर में संस्थागत अखंडता बनाए रखें। अकादमी के निदेशक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

इन विषयों पर भी दिया गया जोर

- न्यायिक प्रक्रिया को सुव्यवस्थित कर मामलों का निराकरण किया जाएगा, इसके लिए रोडमैप तैयार किया गया है।
- 7 साल तक की सजा वाले अपराधों के मुकदमों को प्राथमिकता देकर मामलों से निपटने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार किया गया है।
- मीडिया ट्रायल मुद्दों पर चर्चा हुई और इस बात पर जोर दिया गया कि निर्दोषता की धारणा को संरक्षित करने के लिए न्याय न्यायालय में ही मिलना चाहिए।
- राज्य द्वारा दायर किए गए पुराने या अनावश्यक मुकदमों पर भी विचार-विमर्श किया गया।
- राज्य की बार-बार मुकदमेबाजी करने की भूमिका को कम करके और डिजिटल नवाचार और भाषाई समावेशिता के माध्यम से सुधारों को संस्थागत रूप देकर एक आधुनिक, सुलभ, एकसमान और नागरिक-केंद्रित न्याय प्रणाली बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता जताई गई।

सभी ने भीमबैठका, ट्राइबल म्यूजियम का भ्रमण किया

कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए भोपाल आए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत और देश के 25 राज्यों के हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के परिजन ने भोपाल और आसपास के पर्यटन स्थलों की खूबसूरती का आनंद लिया है। नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी में न्यायाधीशों की कॉन्फ्रेंस के बीच उनके परिजनों ने भीम बैठका, भोजपुर के विख्यात शिव मंदिर और ट्राइबल म्यूजियम समेत अन्य स्थानों में विजिट कर भोपाल की खूबसूरती को पास से देखा। इसके बाद रविवार दोपहर बाद सभी न्यायाधीश वापस लौट गए।

संक्षिप्त खबरें

जैकलीन ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

जागरण, उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन देश-विदेश की नामचीन हस्तियां बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंच रही हैं। रविवार सुबह प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एकता कपूर के दर्शन के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज भी श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचीं और भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने नंदी हॉल से भगवान महाकाल की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान वह सफेद रंग के भारतीय परिधान (सलवार सूट) में नजर आईं और सिर पर पल्लू भी ले रखा हुआ था। दर्शन उपरांत अभिनेत्री ने जय श्री महाकाल का उद्घोष करते हुए नंदी जी के कान में अपनी मनोकामना भी कही।

लहसुन की आड़ में हो रही थी अफीम की खेती

जागरण, उज्जैन। माकड़ोन थाना क्षेत्र स्थित नांदेड देवली रोड पर एक किसान ने अपने खेत में लहसुन के खेत के साथ किनारों पर अवैध रूप से अफीम की खेती कर दी। आरोपी ने 1 हजार 300 अफीम के पौधे लगाए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया आरोपी रघुनाथ उर्फ रूगनाथ पिता आत्माराम देवड़ा उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम नांदेड द्वारा अपने लहसुन के खेत में 1300 अफीम के पौधे लगाए गए। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर खेतों में सर्चिंग की तो अफीम के पौधे सामने आए। पुलिस ने जब उससे इसके वैध लाइसेंस और अनुमति के बारे में पूछा तो वह कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। आरोपी रघुनाथ उर्फ रूगनाथ को गिरफ्तार कर मौके से 26 गट्ठरों में 1300 अफीम के पौधे बरामद किए गए। इसका वजन 6 किलो 100 ग्राम एवं अनुमानित बाजार मूल्य 60 हजार रुपए है। पुलिस ने आरोपी रघुनाथ के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

एनसीएल खदान की ड्रैगलाइन मशीन में आग

जागरण, सिंगरौली। भारत सरकार की नवरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के सिंगरौली स्थित खड़िया परियोजना में बड़ा हादसा होते-होते टल गया। खदान में कार्यरत ड्रैगलाइन मशीन में अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग लगते ही ड्रैगलाइन ऑपरेटर ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते मशीन से कूदकर अपनी जान बचाई। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन मशीन को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही परियोजना प्रबंधन और फायर सेफ्टी टीम मौके पर पहुंची।

हिंदी में इंजीनियरिंग फेल, प्रदेश में 4 साल में 300 भी नहीं हो सके प्रवेश

इंजीनियरिंग कालेजों में हर साल हिंदी पढ़ाई के लिए सुरक्षित रखी जाती हैं 224 सीटें

विकास कुमार जैन, भोपाल। हिंदी को तकनीकी शिक्षा में जगह बनाने के सरकार के प्रयास विफल हो रहे हैं। यह व्यवस्था इसलिए फेल हो रही है क्योंकि हिंदी से इंजीनियरिंग कराने में न कालेज आगे आ रहे और न इसमें विद्यार्थी रुचि ले रहे हैं। प्रदेश के अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में हिंदी माध्यम से पढ़ाई के लिए हर साल 224 सीटें रिवर्ज जाती हैं, लेकिन चार साल में 300 प्रवेश भी नहीं हो पाए हैं। वर्तमान सत्र में प्रदेशभर में हिंद माध्यम से इंजीनियरिंग करने के लिए 100 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। जबकि गत वर्ष 104 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था। गत वर्ष की अपेक्षा चार सीटों पर कम प्रवेश हुए हैं। सरकार ने 2022 में जब हिंदी में अभियांत्रिकी की पढ़ाई शुरू कराई थी, तब पहले वर्ष केवल 19 प्रवेश हुए थे। 2023 में तीन कालेजों ने कम्प्यूटर साइंस और एक कालेज ने बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में 90 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया था। इसी तरह गत सत्र 2024-25 में चारों कालेजों में 104 विद्यार्थियों ने हिंदी माध्यम से पढ़ने का विकल्प चुना था। वर्तमान सत्र में बामुश्किल प्रवेश का आंकड़ा सैकड़ा तक पहुंचा है। प्रदेश में केवल चार अभियांत्रिकी संस्थाओं में यह पढ़ाई हो रही है। हालांकि कठिनाइयों के बाद भी प्रवेश के रुझान सकारात्मक हैं, लेकिन मुकाम पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। विद्यार्थियों को हिंदी से इंजीनियरिंग करने में काफी समस्याएं हैं। इसके बाद प्लेसमेंट में भी परेशानी होती है। हालांकि वर्तमान सत्र इंजीनियरिंग का बैच तैयार हो जाएगा। उक्त चारों कालेज विद्यार्थियों को डिग्री देकर प्लेसमेंट की व्यवस्था जुटाने में अभी से लग गए हैं। इंदौर स्थित एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड रिसर्च में कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी का पाठ्यक्रम हिंदी में शुरू किया गया है। यहां 75 सीटों की सभी सीटों के साथ तीन अतिरिक्त सीटो समेत 78 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। तकनीकी पढ़ाई हिंदी में कराने में अभी कुछ व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि ने अब तक हिंदी में पाठ्यक्रम शुरू नहीं किया है। अभियांत्रिकी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों का कहना है कि हिंदी पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले कई स्तर पर तैयारियां की जानी थीं, जो नहीं की गई।

चार कालेजों में प्रवेश की स्थिति

कालेज	सीटें	(2025)	(2024)	(2023)
एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड रिसर्च, इंदौर	75	78	73	74
आइपीएस एकेडमी, इंस्टीट्यूट आफ अभियांत्रिकी इंदौर	75	02	03	04
श्री जीएस इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, इंदौर	37	00	14	09
श्री दादाजी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, खंडवा	37	20	14	03

हिंदी में अनुवाद करने की गति धीमी

अखिलभारतीय तकनीकी शिक्षा संस्थान की ओर से अभियांत्रिकी की पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद करने के लिए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि को दायित्व सौंपा है। इसमें 81 पुस्तकें अनुवादित कर देनी थीं, लेकिन यह कार्य पूरा नहीं हो सका है। वर्तमान में कार्य चलन में बना हुआ है।

मध्य प्रदेश में अभियांत्रिकी की पढ़ाई हिंदी में कराने की व्यवस्था प्रारंभ की गई है। इसे पढ़ाने वाले शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसके लिए उन्हें भी प्रेरित किया जा रहा है। शिक्षकों की कमी को पूरा कर रहें हैं। पुस्तकें भी तैयार कर रहे हैं।

● **इंदर सिंह परमार,** *मंत्री, उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभाग*

इंदौर में दिखी भाजपा नेता की गुंडागर्दी

रंजिश में दो युवकों के सिर फोड़े, स्कॉर्पियो में तोड़फोड़

जागरण, इंदौर। शहर के राऊ इलाके में रविवार सुबह भाजपा युवा मोर्चा के एक पदाधिकारी की दबंगाई देखने को मिली है। जब उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दो युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने युवकों से मारपीट करने के साथ ही उनकी स्कॉर्पियो कार के कांच भी चकनाचूर कर दिए। घायल युवकों को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, हमलावर की पहचान भाजपा युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष वेदांत तिवारी के रूप में हुई है। पीड़ित प्रखर शर्मा और नयन बाफना (सुदामा नगर) सुबह कैट रोड स्थित एक कैफे से चाय पीकर अपनी स्कॉर्पियो से लौट रहे थे। इसी दौरान वेदांत तिवारी, समीर शर्मा और आदित्य ने उनका पीछा किया और बीच रास्ते में रोककर हमला बोल दिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से वर्चस्व को लेकर रंजिश चली आ रही है। घटना के बाद घायल युवक जब राऊ थाने पहुंचे, तो सत्ताधारी दल के नेताओं के दबाव के कारण पुलिस शुरुआत में एफआईआर दर्ज करने से कतराती रही। हालांकि, जब मामला बढ़ा और थाने पर हंगामा शुरू हुआ, तब पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायलों का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

आरोपी पहले भी युवकों पर कर चुका है हमला

20 दिन पहले भी वेदांत और उसके साथियों ने इन युवकों को निशाना बनाया था। वेदांत ने महू नाका चौराहे पर इन युवकों को घेरने की कोशिश की थी। उस वक्त युवक कार भगाकर वहां से निकलने में कामयाब रहे थे। इसके बाद मामला छत्रीपुरा थाने पहुंचा था, लेकिन तब दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया था। इसी समझौते का नतीजा रहा कि आरोपियों के हौसले बुलंद हो गए और उन्होंने दोबारा हमला कर दिया।

विजय शाह के विवादित बयान मामले में सुको में सुनवाई आज

विसं, भोपाल। मप्र के जनजातीय कल्याण मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए विवादित बयान पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इस बीच राज्य सरकार ने पक्ष रखने की तैयारी की है। गौरतलब है कि विवादित बयान को लेकर मंत्री शाह का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। कोर्ट सोमवार को यह निर्देश देगी कि मंत्री शाह के खिलाफ अभियोजन की कार्रवाई शुरू की जाए या नहीं। इस मामले को लेकर राज्य सरकार अपना पक्ष मजबूती से रखने की तैयारी में है। इसे लेकर वरिष्ठ अधिवक्ताओं से जहां सरकार परामर्श ले रही है, तो वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी चर्चा की है। इधर शाह ने भी इस पूरे मामले पर शनिवार को चौथी बार माफी मांग ली। उल्लेखनीय है कि विजय शाह पर हुई एफआईआर पर सुप्रीम कोर्ट ने पिछली सुनवाई को दौरान मध्यप्रदेश सरकार को दो सप्ताह के अंदर अभियोजन का फैसला लेने के आदेश दिए थे।

रिपोर्ट: एयर टैक्सी के लिए रूफटॉप टेक-ऑफ और लैंडिंग से शहरी ट्रैफिक जाम हो सकता है कम

शहरी परिवहन की बाधाएं दूर करने मददगार होगा रूफटॉप

नई दिल्ली, जेएनएन। एक रिपोर्ट के अनुसार, एयर टैक्सी और उनके टेक-ऑफ व लैंडिंग के लिए इमारतों की छतों (रूफटॉप) का उपयोग देश के शहरी परिवहन में भीड़ कम करने, इंफ्रास्ट्रक्चर की बाधाओं को दूर करने और यात्रा समय घटाने में मदद कर सकता है। इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग विमान, जिन्हें एयर टैक्सी कहा जाता है, उभरते हुए एडवांस्ड एयर मोबिलिटी इकोसिस्टम के शुरुआती चरण में हैं और इनके टेक-ऑफ व लैंडिंग के लिए वर्टीपोर्ट की आवश्यकता होती है। उद्योग संगठन सीआईआई द्वारा तैयार रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि वित्तीय संस्थान एएएम के लिए विशेष वित्तीय साधन विकसित कर सकते हैं, जैसे वेंचर लीजिंग मैकेनिज्म और सेक्टर-विशिष्ट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड। रिपोर्ट के मुताबिक, रूफटॉप वर्टीपोर्ट एक प्रभावी, स्केलेबल और किफायती समाधान हो सकते हैं, खासकर दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में। इन्हें कमर्शियल हब, अस्पताल, टेक पार्क और रिहायशी टावरों में लोगों के घर और कार्यस्थल के पास स्थापित किया जा सकता है।

फिलहाल नियमों के तहत छतों से नियमित व्यावसायिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग की अनुमति नहीं है। रिपोर्ट में एएएम समाधान के परीक्षण के लिए चरणबद्ध तरीका सुझाया गया है- पहले ड्रोन डिलीवरी से शुरुआत, फिर मेडिकल लॉजिस्टिक्स, अंग परिवहन मिशन और अंततः एयर एम्बुलेंस सेवाएं शुरू की जा सकती हैं। दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक भारत में हवाई यातायात की मांग लगातार बढ़ रही है और शहरी भीड़ के बीच अंतिम-मील कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। रिपोर्ट में एनसीआर के भीतर गुरुग्राम, कनॉट प्लेस (केंद्रीय हब) और जल्द शुरू होने वाले जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने वाले 65-75 किलोमीटर के काल्पनिक कॉरिडोर का मॉडल तैयार कर एएएम की व्यवहार्यता का आकलन किया गया है। उत्तर प्रदेश में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द ही संचालन शुरू करने वाला है।

तकनीकी — 6,000 करोड़ के नेशनल क्वांटम मिशन के तहत बनेगा हाई-टेक हब

पहली क्वांटम वैली अमरावती में होगी स्थापित

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत आधिकारिक रूप से क्वांटम युग में प्रवेश कर रहा है। यह बदलाव पारंपरिक कंप्यूटिंग के अंत की शुरुआत माना जा रहा है। 8 फरवरी को केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने अमरावती क्वांटम वैली की आधारशिला रखी और इसे भारत के तकनीकी भविष्य की नींव बताया। 6,000 करोड़ रुपये के नेशनल क्वांटम मिशन से समर्थित यह परियोजना देश को टेक्नोलॉजी उपभोक्ता से डीप-टेक में वैश्विक शक्ति बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। अमरावती क्वांटम वैली भारत का पहला एकीकृत क्वांटम इकोसिस्टम होगा। यह 50 एकड़ का हाई-टेक कैंपस है, जिसे रिसर्च, मैन्युफैक्चरिंग और स्किल डेवलपमेंट को एक साथ जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे एक रणनीतिक प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां सरकार, शीर्ष विश्वविद्यालय और उद्योग की बड़ी कंपनियां जैसे आईबीएम और टीसीएस मिलकर काम करेंगी। यह केंद्र एक सुपर एडवांस्ड कंप्यूटर की मेजबानी करेगा, जो सामान्य लैपटॉप से लाखों गुना तेज होगा और वैज्ञानिकों को नई दवाओं की खोज तथा अनहैकबल सुरक्षा जैसे जटिल कार्य कुछ सेकंड में करने में सक्षम बनाएगा।

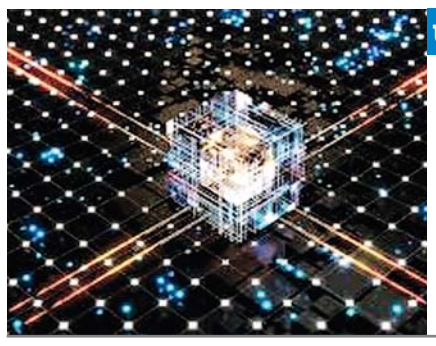

परियोजना का लक्ष्य

88,000
नौकरियां

2,000
किमी क्वांटम कम्युनिकेशन नेटवर्क बनाना है

इस तकनीक को समझने के लिए क्यूबिट को समझना जरूरी है, जो क्वांटम सूचना की मूल इकाई है। सामान्य कंप्यूटर बिट का उपयोग करते हैं, जो या तो 0 होता है या 1, लेकिन क्यूबिट सुपरपोजशिन की अवस्था में 0 और 1 दोनों एक साथ हो सकता है। अमरावती का 133-क्यूबिट कंप्यूटर आईबीएम के हेरॉन प्रोसेसर का उपयोग करेगा। हर अतिरिक्त क्यूबिट मशीन की प्रोसेसिंग क्षमता को दोगुना कर देता है, जिससे यह कंप्यूटर अरबों संभावनाओं को एक साथ परख सकता है। यह क्वांटम वैली आंध्र प्रदेश की राजधानी क्षेत्र के उद्दंडरायुनिपालेम में स्थापित की जाएगी और नेशनल क्वांटम मिशन का केंद्रीय केंद्र होगी, जिसमें 17 राज्यों के 43 संस्थान शामिल हैं। इसका उद्देश्य हेल्थकेयर, फाइनेंस और डिफेंस जैसे क्षेत्रों में क्वांटम रिसर्च को बढ़ावा देना है और भारत के रणनीतिक डेटा को लगभग अनहैकबल बनाना है। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में क्वांटम तकनीक अब विकल्प नहीं रह गई है। यह रक्षा संचार को सुरक्षित रखने के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। क्वांटम सेंसिंग से सटीक रेडिएशन थेरेपी संभव होगी, जिससे डॉक्टर ट्यूमर को इतनी सटीकता से निशाना बना सकेंगे कि स्वस्थ अंग सुरक्षित रहेंगे। विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में बीटेक और एमटेक कार्यक्रमों में क्वांटम शिक्षा को शामिल किया जा रहा है, ताकि अगली पीढ़ी इस बदलाव के लिए तैयार हो सके।

सीहोर को मिली हमसफर और गोरखपुर एक्सप्रेस की सौगात

सांसद शर्मा ने की थी रेल मंत्री से स्टॉपेज की मांग

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल के लोकसभा सांसद आलोक शर्मा ने कुछ दिन पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर सीहोर के लिए दो ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग की थी। जिसे रेल मंत्री ने पूरा कर दिया है। रेलवे बोर्ड द्वार निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अब सीहोर रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 19489 व 19490 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस और गाड़ी संख्या 19091 व 19092 बांद्रा-गोरखपुर हमसफर एक्सप्रेस ठहराव लेकर चलेंगी। इन ट्रेनों के स्टॉपेज हो जाने से सीहोर में प्रसिद्ध कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा की कथा सुनने और कुबेरेश्वर धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। सीहोरवासियों के द्वारा बनारस, प्रयागराज, अहमदाबाद, मुंबई आदि धार्मिक और व्यापारिक महत्व के इन बड़े शहरों के लिए इन ट्रेनों की मांग काफी लंबे समय से की जा रही थी। सांसद आलोक शर्मा के संज्ञान में जब यह बात लाई गई तो उन्होंने रेल मंत्री से मुलाकात कर आग्रह किया था।

प्रयागराज जाने की सुविधा: कुछ दिन पहले सांसद आलोक शर्मा सीहोर स्टेशन पर विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे थे तब जन प्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने प्रयागराज के लिए सीहोर से ट्रेन नहीं होने की समस्या से अवगत कराया था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों बताया कि परिवार में जब किसी आत्मीयजन, परिवारजन की मृत्यु हो जाती है तो अस्थि विसर्जन के लिए अस्थि कलश लेकर भोपाल जाना पड़ता है वहां से ट्रेन पकड़नी पड़ती है। सांसद आलोक शर्मा ने इस समस्या का समाधान किया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।